शर्मा হার্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 133 | गुवाहाटी | शनिवार, 9 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ढाई साल में 88,080 सरकारी नौकरियां दी : मुख्यमंत्री पेज 3
धर्म की नगरी के साथ विकास की नगरी भी बन रहा है उत्तराखंड : प्रधानमंत्री पेज 4
पंच प्रण हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए : योगी पेज 5
जनता ने पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया : कृष्ण बिश्नोई पेज 8

एससी में कपिल सिब्बल ने दिया विवादित बयान, कहा–

म्यांमार का हिस्सा था असम

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने असम को लेकर की गई अपनी टिप्पणी के बाद विवाद खड़ा कर दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि असम मूल रूप से म्यांमार का हिस्सा था। शीर्ष अदालत में नागरिकता अधिनियम, 1955 के 6ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट में दी थी। दरअसल, असम में इन दिनों धारा 6ए को लेकर बहस चल रही है। ऐसे में कई याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में सीटिजनशिप एक्ट 1955 की धारा 6ए को चुनौती दी थी। जिस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और चार अन्य जजों की बेंच सुनवाई कर रही थी। ऐसे में अब वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने असम को लेकर बड़ा दावा किया और कहा कि यह म्यांमार का हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने पूरे इतिहास में जनसंख्या का पता लगाने की जटिलता पर सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इतिहास में भी लोगों का असम में आना जाना लगा रहा है और इसको अलग से मैप नहीं किया जा सकता। अगर आप असम का इतिहास देखें यही लगेगा कि असम में आने वालों के –शेष पृष्ठ दो पर

जो लोग इतिहास नहीं जानते, उन्हें नहीं बोलना चाहिए : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कपिल सिब्बल की *म्यांमार* टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जिन लोगों को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, उन्हें इसके बारे में नहीं बोलना चाहिए। असम के सीएम वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि असम कभी म्यांमार का हिस्सा था। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता अधिनियम 1955 के 6ए को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली न्यायाधीशों की पीठ ने 5 दिसंबर, 2023 को नागरिकता अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं की श्रृंखला पर सुनवाई शुरू की। सिब्बल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि जिन लोगों को इतिहास का ज्ञान नहीं है, उन्हें इस बारे में नहीं बोलना चाहिए। अगर किसी को इतिहास के बारे में ज्ञान नहीं है, तो उसे इसके बारे में नहीं बोलना चाहिए। असम कभी भी म्यांमार का हिस्सा नहीं था। म्यांमार के लोगों ने एक बार असम पर आक्रमण किया था। सीएम शर्मा ने कहा कि कुछ महीनों की संक्षिप्त अवधि के लिए, हम उनके कब्जे में थे। यह असम और

म्यांमार के बीच संपर्क है। लेकिन आज तक मुझे ऐसा कोई डेटा नहीं मिला है जो बताता हो कि असम म्यांमार का हिस्सा था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं की एक श्रृंखला के संबंध में उत्तरदाताओं की ओर से अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि जनसंख्या का प्रवासन इतिहास में अंतर्निहित है और इसे मैप नहीं किया जा सकता है। जनसंख्या में लोगों का प्रवासन इतिहास में अंतर्निहित है और इसका मानचित्रण नहीं किया जा सकता है। असम म्यांमार का हिस्सा था और फिर अंग्रेजों ने इसका एक हिस्सा जीत लिया और इस तरह असम को अंग्रेजों को सौंप दिया गया, अब आप आंदोलन की मात्रा की कल्पना कर सकते हैं लोगों का विभाजन हुआ और विभाजन के तहत, पूर्वी बंगाल और असम एक हो गए और उन स्कूलों में बंगाली भाषा पढ़ाई जाने लगी जहां बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। सिब्बल कहते हैं, असम में बंगाली आबादी की बातचीत और अवशोषण का एक ऐतिहासिक संदर्भ है। सिब्बल ने आगे अपना उदाहरण देते हुए कहा कि हम (सिब्बल) भी लाहौर से विस्थापित हुए थे और मेरे नाना–नानी की हत्या कर दी गई थी. हम भी यहां आए थे और जब बंटवारा हुआ तो जाहिर तौर पर बंगाली जातीयता आदि के लोग आने की कोशिश करेंगे.. इसलिए कह रहा हूं कि इससे असम का सांस्कृतिक माहौल बाधित हुआ, यह संवैधानिक रूप से अनुपलब्ध है और मुझे देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाने का पूरा मौलिक अधिकार है।

लालदुहोमा ने ली मिजोरम के नए मुख्यमंत्री के पद की शपथ

एजल (हि.स.)। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने शुक्रवार को मिजोरम के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ सात अन्य लोगों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। शुक्रवार को यहां राजभवन परिसस में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने सबसे पहले जेडएमपी के नेता 73 वर्षीय लालदुहोमा को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद राज्यपाल कंभमपति ने सपडांगा, वनलालह्लाना, सी लालसाविवुंगा, लालथासंगा, वनलालथलाना, पीसी वनलालरुआता और लालरिनपुई को राज्य के मंत्री पद व गोपनीयता –शेष पृष्ठ दो पर

मप्र : मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे प्रहलाद पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत हुई है। लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर अभी तक मंथन चल रहा है बता दें कि गुरुवार की देर रात को भाजपा नेता प्रहलाद पटेल भोपाल पहुंचे हैं। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा भी मौजूद थे। प्रहलाद पटेल मध्य प्रदेश की नरसिंहपुर विधानसभा सीट से विधायक का चुनाव जीत गए हैं। बता दें कि जीत के बाद पहली बार प्रहलाद पटेल भोपाल पहुंचे बीडी शर्मा के साथ –शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों के सम्मेलन का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की उच्च–स्तरीय समिति के सहयोग से असम सरकार के आवास और शहरी मामलों के विभाग द्वारा गुवाहाटी के असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज के परिसर में शहरी नियोजन पर आयोजित पूर्वोत्तर राज्यों के सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि असम की वर्तमान सरकार पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी पर विशेष ध्यान देने के साथ

राज्य भर में शहरीकरण की प्रक्रिया पर बहुत जोर दे रही है। गुवाहाटी को *पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार* बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत –शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में परिसीमन के बाद पहली मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित

गुवाहाटी। असम में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद पहली मसौदा मतदाता सूची शुक्रवार को प्रकाशित हुई और मतदाताओं की संख्या में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 की एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की गई है और कुल 2,43,02,460 मतदाता हैं। इसमें कुल 1,90,717 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है यानी 0.8 फीसदी का इजाफा हुआ है। पुरुष –शेष पृष्ठ दो पर

सरकार ने मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम योजना के लिए पंजीकरण खोला

गुवाहाटी। असम सरकार की नई स्वरोजगार योजना – *मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभिजन* के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आज औपचारिक रूप से शुरू हो गई। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया औपचारिक रूप से आज दिसपुर में एक समारोह के दौरान खोली गई, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भाग लिया। यह योजना उद्यमिता को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत दो लाख युवाओं को दो लाख रुपए की राशि दो किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। दो किस्तों में से एक लाख रुपए की एक किस्त को सब्सिडी के रूप में माना जा रहा है और योजना के लाभार्थियों को उक्त राशि सरकार –शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए आई महिला के सिर में लगी गोली

अलीगढ़। ऊपरकोट कोतवाली में शुक्रवार को दारोगा की लापरवाही के चलते एक महिला की जान पर बन आई। पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए कोतवाली पहुंची महिला कार्यालय में संबंधित कर्मचारी का इंतजार कर रही थी। तभी दारोगा ने साथी पुलिसकर्मी से पिस्टल लेकर न सिर्फ लोड की बल्कि, बिना सोचे–समझे ट्रिगर भी दबा दिया। गोली कुछ दूरी पर खड़ी महिला के सिर में जा लगी। पास ही बेटे के होश उड़ गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। गंभीर हालत में महिला को जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। घटना –शेष पृष्ठ दो पर

जनता से जो लूटा है, उसकी पाई–पाई लौटानी पड़ेगी : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यह *मोदी की गारंटी* है कि उन्हें लोगों से लूटा गया एक–एक पैसा लौटाना होगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें दावा किया गया है कि झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से कथित तौर पर जुड़े एक कारोबारी समूह के विभिन्न ठिकानों से आयकर विभाग ने

200 करोड़ रुपए नकदी बरामद की है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के *भाषणों* को सुनें... जनता से जो लूटा है, उसकी पाई–पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कई इमोजी भी लगाई। खबर में नोटों से भरी कई अलमारियों की तस्वीर –शेष पृष्ठ दो पर

मऊ में हल्दी की रस्म के दौरान ढही दीवार, छह की मौत

मऊ। यूपी के मऊ में घोसी कस्बा के अस्करी स्कूल के पास शुक्रवार को दिन में तीन बजे चहारदीवारी काल बन गई। हल्दी की रस्म अदायगी करने जा रही भीड़ पर अचानक हाता की दीवार ढह गई। इसकी वजह से दो मासूमों सहित छह लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 36 लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला व आजमगढ़ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर आला अफसर व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और जेसीबी से दीवार का मलवा हटाकर लोगों को बाहर निकाला। घटना के –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
क्रोध मस्तिष्क के दीपक को बुझा देता है। - इंगरसोल

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षक नियुक्त हुए सर्वानंद सोनोवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को विधानसभा के नेता के चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ जाने वाले संसदीय बोर्ड के केंद्रीय पर्यवेक्षक दल के सदस्य के रूप में आज नियुक्त किया गया। भाजपा ने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के चयन की निगरानी के लिए शुक्रवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। छत्तीसगढ़ के लिए केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा के साथ केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

महुआ मोइत्रा की लोस सदस्यता रद्द

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा ने सदस्यों के अनुचित आचरण की जांच करने वाली आचार समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द कर दी। मोइत्रा पर पैसे और उपहार लेकर लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप था। आचार समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा सदस्य विनोद सोनकर ने आज पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की। दोपहर 12 बजे रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सदन की

दो बजे शुरू हुई कार्यवाही में रिपोर्ट पर विचार किया गया। करीब एक घंटे चली चर्चा के बाद रिपोर्ट की सिफारिशों का ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया गया। इस दौरान विपक्ष ने सदन से बाहिर्गमन किया। तृणमूल कांग्रेस और –शेष पृष्ठ दो पर

लोकतंत्र की हत्या हुई : ममता

कोलकाता (हि.स.)। घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट में की गई सिफारिश के मुताबिक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनके निष्कासन का फैसला किया। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने –शेष पृष्ठ दो पर

किसी को विश्वास नहीं था कि राम मंदिर का निर्माण हो सकता है : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और विकास विरोधाभासी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहले किसी को भी विश्वास नहीं था कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर मंदिर का निर्माण किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री शाह शुक्रवार को दिल्ली के बुराड़ी मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 69वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण पर सवाल खड़ा करने वालों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले किसी को विश्वास नहीं था कि अयोध्या में राम मंदिर बन सकता है। शाह ने राम मंदिर निर्माण पर प्रश्न करने वालों को भी 22 जनवरी को अयोध्या में मिठाई खाने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और विकास विरोधाभासी नहीं है। हमारी विरासत ही आधुनिक विकास की कुंजी है। हमने अपनी सांस्कृतिक –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देश अब लोकल फॉर ग्लोबल पर फोकस करे : पीएम

देहरादून। पीएम मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि देश को अब वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल पर फोकस करना होगा। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएमी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत का विशेष विकास हुआ है। देश की एक आबादी ऐसी थी जो हर चीज से वंचित थी। सरकार की योजनाओं की वजह से सिर्फ 5 साल में 13 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। आज देश की उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमें *लोकल के लिए वोकल और ग्लोबल के लिए लोकल* बनना होगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बड़े विकास कार्यों ने हर निवेशक के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। पीएम मोदी ने कहा किआज उत्तराखंड में ग्रामीण सड़कों पर बहुत तेजी से काम चल रहा है। वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का सफर दो घंटे का होने वाला है। यहां रेल लाइन मजबूत होने वाली है। ये सब रास्ते हर निवेशक के लिए सुनहरे अवसर लेकर आए हैं। जो क्षेत्र विकास में पीछे रह गए थे उन्हें आगे लाया जा रहा है जिसका मतलब है कि उत्तराखंड में हर निवेशक को अधिकतम लाभ दिलाने की बेजोड़ क्षमता है। राज्य सशक्तिकरण का एक नया ब्रांड बनकर उभरने जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, यहां प्रकृति, संस्कृति, विरासत, आयुर्वेद, योग जैसी संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है और आप सभी को राज्य की इस विकास यात्रा से जुड़ने का एक बड़ा अवसर भी मिल रहा है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश के पीएम के रूप में मेरे तीसरे कार्यकाल में, भारत निश्चित रूप से दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में सूचीबद्ध होगा। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने से पहले, पीएम मोदी ने देहरादून में एक रोड शो किया और देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के आयोजन स्थल पर एक प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे पास लखपति दीदी अभियान बनाने का एक विजन है जिसमें मैं आने वाले समय में 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाना चाहता हूं। यह मुश्किल है लेकिन यह समिट भी मदद करेगा। मैं सभी व्यवसायियों से भी कहना चाहता हूं कि वे जिलों में जाएं राज्य की और स्थानीय उत्पादों की पहचान करें। अब इस स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, हमारी प्रणाली को मजबूत करने का समय है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अन्य देशों पर कम से कम निर्भर हों। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संभावनाओं से भरपूर उत्तराखंड की धरती हर किसी के लिए निवेश के अनेक दरवाजे खोलने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्र में कहा कि उत्तराखंड वह राज्य है जहां आप सम्मान और विकास दोनों को एक साथ महसूस करते हैं। आज भारत विकास और विरासत के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है। आज आप देश में नीति-संचालित शासन देखेंगे। आकांक्षी भारत अस्थिरता नहीं चाहता।

पटाखा गोदाम में आग लगने से सात की मौत

मुंबई (हि.स.)। पुणे जिले में स्थित पिंपरी-चिंचवड़ के तलवड़े इलाके में स्थित एक पटाखा गोदाम में शुक्रवार को दोपहर में अचानक आग लगने सात लोगों की मौत हो गयी है। घटनास्थल पर अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर फंसे लोगों को ढूंढने कर निकालने और आग बुझाने के काम में लगी हैं। फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी के अनुसार तलवड़ी में स्थित एक पटाखा गोदाम में आग लगने की सूचना शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे मिली थी। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और मौके से सात मजदूरों के शव बरामद किया गया है। इनमें छह महिला और एक पुरुष के शव हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार गोदाम में कुछ और मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। इसलिए आग बुझाने के साथ मजदूरों की तलाश भी की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिंपरी-चिंचवड़ के तलवड़े में स्थित पटाखा गोदाम में मोमबत्ती और छोटे फटाखे बनाए जाते थे। अभी तक पता नहीं चला है कि दुर्घटना के समय गोदाम कितने कर्मचारी काम पर थे। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस जांच कर रही है।

आदित्य एल-1 के एसयूआईटी ने खींचीं सूर्य की पहली पूर्ण तस्वीर

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूर्य मिशन आदित्य एल-1 अंतरिक्ष यान पर लगे सन अल्ट्रा वायलट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) ने सूर्य की पहली पूर्ण-डिस्क तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद किया है। एसयूआईटी ने विभिन्न वैज्ञानिक फिल्टरों का उपयोग करके सूर्य के फोटोस्फीयर यानी बाहरी परत और क्रोमोस्फीयर यानी मध्यपरत की तस्वीरों को कैद किया है। इसरो ने शुक्रवार को एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि 20 नवंबर को आदित्य एल-1 का एसयूआईटी पेलोड चालू किया गया। इस पेलोड में लगे टेलीस्कोप ने 6 दिसंबर को 11 अलग-अलग फिल्टर के साथ सूर्य की पहली प्रकाश विज्ञान तस्वीरें लीं। इनका अध्ययन वेधशाला में किया जा रहा है।

सौ करोड़ : भाजपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचार की गारंटी है जबकि पीएम मोदी की गारंटी इसे जड़ से उखाड़ फेंकने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की है। झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़े एक कारोबारी समूह से संबंधित ठिकानों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस यानी *इंडिया* गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नौ अलमारियों से 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बरामद की गई है। कांग्रेस नेता भ्रष्ट तरीकों से कमाए गए धन से अपनी जेबें भर रहे हैं और यह पैसा गांधी परिवार के पास जाता है। हाल के विधानसभा चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल देश और लोगों के अधिकारों को दीमक की तरह खा रहे हैं। भाटिया ने कहा कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सहमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जब जांच एजेंसियां छापेमारी करती हैं तो विपक्षी नेता दावा करते हैं कि उनकी कार्रवाई केंद्र सरकार की बदले की भावना से प्रेरित है, लेकिन तथ्य यह है कि कानून अपना काम कर रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

म्यांमार का हिस्सा...

बारे में पता लगाना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कोर्ट से कहा कि अगर 1824 से पहले की बात करें तो असम म्यांमार का हिस्सा था। इसके बाद जब ब्रिटिश लोगों ने इस क्षेत्र के कुछ हिस्से पर कब्जा कर लिया था, तब एक संधि की गई थी जिसके द्वारा असम को ब्रिटिशों को सौंप दिया गया था। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उस समय वहां के लोग ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ किस तरह का प्रदर्शन कर सकते थे। भाजपा की प्रचंड जीत पर बोले हिमंत बिस्व सरमा, तीसरी बार पीएम बनेंगे मोदी सिब्बल के इस दावे के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। जिस पर असम सरकार की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह कथित तौर पर राज्य के इतिहास को तोड़-मरोड़ रहे हैं। वह झूठे सिद्धांतों के जरिए पूर्वोत्तर को अलग कर रहे हैं। वह पूर्वोत्तर के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को कमजोर कर रहे हैं। हजारिका ने एक्स हैंडल पर लिखा कि कपिल सिब्बल को ठीक से जानकारी नहीं दी गई है और वह वामपंथी उदारवादी दृष्टिकोण रखते हैं। वह ऐसे सिद्धांतों को गढ़कर उत्तर पूर्व को अलग-थलग कर देता है। असम के इतिहास में किसी भी समय हम म्यांमार का हिस्सा नहीं थे। महाभारत काल से लेकर उससे भी पहले से हम दृढ़तापूर्वक भारतवर्ष का अभिन्न अंग रहे हैं।

लालदुहोमा ने ली ...

की शपथ दिलाई। राज्य में जेडपीएम की सरकार बनते ही मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और कांग्रेस का 36 साल से चल रहा प्रभुत्व समाप्त हो गया है। जेडपीएम ने केवल चार साल पहले वर्ष 2019 में एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण कराया था। पार्टी ने इस बार मिजोरम विधानसभा चुनावों में सीटों में 27 हासिल करके उल्लेखनीय जीत हासिल की। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) रहे चुके लालदुहोमा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी के रूप में भी कार्य चुके हैं। लालदुहोमा की राजनीतिक यात्रा उतार चढ़ाव से भरी रही। दलबदल विरोधी कानून के तहत संसद सदस्य और बाद में विधानसभा सदस्य के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के बावजूद उन्होंने वर्ष 2021 में सेरछिप सीट के लिए उपचुनाव जीतकर अपनी वापसी की थी। लालदुहोमा का मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत है, बल्कि मिजोरम के राजनीतिक क्षेत्र में जेडपीएम के तेजी से बढ़ रहे प्रभाव का भी प्रतीक है। लालदुहोमा के मुख्यमंत्री बनने को लेकर मिजोरम में हर तरफ हर्षोल्लास का माहौल है।

मप्र : मुख्यमंत्री की...

प्रहलाद पटेल के भोपाल पहुंचने के बाद अब चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि प्रहलाद पटेल का नाम मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहा है। इस बीच भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भी गुरुवार को बयान दिया था कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा रविवार तक हो जाएगी। मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत के बाद अभी तक मुख्यमंत्री के नाम का एलान नहीं हुआ है। आपको बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर के भी पोस्टर उनके समर्थकों ने बॉस लिखकर ग्वालियर में लगा दिए हैं प्रहलाद पटेल ने दिल्ली में प्रधानमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से भी मुलाकात की है।

मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर...

के सबसे बड़े शहर में खुद को *दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार* में बदलने की पूरी क्षमता है और इसके लिए आवश्यक कार्य और योजना बनाई जानी चाहिए। इस संबंध में पिछले कुछ वर्षों से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। पूरे गुवाहाटी में पुनर्विकास और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में मदद करने के लिए केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी में शहरीकरण योजना के लिए कई बाधाओं को पार करने की आवश्यकता है, क्योंकि यहां नदियों, पहाड़ियों, आरक्षित वनों, जल निकायों आदि जैसी प्राकृतिक बाधाओं के कारण शहर के भौगोलिक विस्तार की बहुत कम गुंजाइश है। पिछले कुछ वर्षों में शुरू की गई बड़े पैमाने पर सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास और पुनर्विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने विश्वास जताया कि एक बार ये पहल चालू हो जाएंगी, तो गुवाहाटी कई दिशाओं में नए मील के पत्थर पार कर जाएगा। उन्होंने गुवाहाटी के विकास के लिए सिंगापुर की कंसल्टेंसी फर्म सुरबाना जुरोंग के साथ असम सरकार के गठजोड़ का जिक्र किया और वर्तमान युग में उचित शहरी पैनिंग की आवश्यकता पर जोर दिया, जब हर शहरों में जनसंख्या विस्फोट की प्रवृत्ति देखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने नीति निर्माताओं से शहरी नियोजन और विकास नीतियां बनाते समय देश के पूर्वोत्तर की विशिष्ट स्थलाकृति और भौगोलिक बाधाओं को ध्यान में रखने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्र के लिए नीतियां बनाते समय अक्सर प्रचलित एक आकार सभी के लिए उपयुक्त दर्शन से हटने की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि जो एक क्षेत्र में व्यावहारिक है वह दूसरे क्षेत्र में उपयोगी परिणाम नहीं दे सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय नीतियां बनाते समय नीति निर्माता *क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय नीतियां* बनाने पर भी विचार करेंगे। इस अवसर पर पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों के अलावा, असम के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष केशव वर्मा, शहरी नियोजन विशेषज्ञ प्रोफेसर पीएसएन राव, डीओएचयूए के आयुक्त और सचिव कविता पद्मनाभन उपस्थित थे।

राज्य में परिसीमन ...

मतदाताओं की संख्या 1,22,12,483 है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 1,20,89,569 है। इसके अलावा 408 तृतीय लिंग मतदाता हैं। मतदाता सूची में लिंग अनुपात 1,000 पुरुषों पर 990 महिलाएं है, जबकि राज्य में जनसंख्या के तहत लिंग अनुपात 958 है। बयान के मुताबिक राज्य में मतदान केंद्रों की कुल संख्या भी 28,205 से बढ़कर 28,645 हो गई है। इसमें कहा गया है कि दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि शुक्रवार से शुरू हुई और यह 22 जनवरी 2024 तक जारी रहेगी। बयान के अनुसार सभी दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद 2024 के लिए अंतिम मतदाता सूची आठ फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

सरकार ने मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर ...

को चुकानी नहीं है। इस योजना के माध्यम से, हम दो साल की अवधि में राज्य में 2 लाख उद्यमियों को आगे लाना चाहते हैं, और इसलिए हम पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। हम दो लाख युवाओं की वित्तीय मदद करना चाहते हैं और उन्हें उद्यमशीलता क्षेत्र के लिए तैयार करना चाहते हैं। चयनित व्यक्तियों को सरकार द्वारा दो किस्तों में 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। उन्हें पहले बैंक के डीबीटी के माध्यम से सीधे एक लाख रुपए मिलेंगे। और फिर योजना की प्रगति के आधार पर, हम उनके खातों में एक और लाख रुपए डेबिट करेंगे। कुल मिलाकर समारोह में सीएम शर्मा ने कहा कि हम 2 लाख नवोदित उद्यमियों को 4000 करोड़ रुपए देंगे। सीएम ने आगे कहा कि एक लाख रुपए की शेष किस्त, व्यवसाय के पांच साल की अवधि के बाद, पांच साल की अन्य अवधि के लिए सरकार को चुकाई जाएगी, जिसे बिना किसी ब्याज के पुनर्भुगतान अवधि के रूप में माना जाएगा। तो एक लाख रुपए का ऋण सरकार को दस साल की अवधि में बिना किसी ब्याज के चुकाया जाएगा। इस योजना को आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में इंजीनियरिंग, एमबीबीएस, बीडीएस, कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में डिग्री धारक बेरोजगार शामिल हैं। इन व्यक्तियों को 5 लाख रुपए की सरकारी सहायता मिलेगी, जिसमें से आधी सब्सिडी होगी, और शेष राशि बिना ब्याज के चुकानी होगी। दूसरी श्रेणी में बेरोजगार स्नातकोत्तर, सामान्य स्नातक, आईटीआई और पॉलिटेक्निक पास-आउट शामिल हैं। उन्हें 2 लाख रुपए की सरकारी सहायता मिलेगी, जिसमें 1 लाख रुपए की सब्सिडी होगी और शेष राशि बिना ब्याज के चुकानी होगी। हालांकि, अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र जिनके पास कक्षा 10 की न्यूनतम योग्यता है, वे पहली श्रेणी की सहायता के लिए पात्र हैं। सभी आवेदकों के लिए आयु मानदंड 28 वर्ष निर्धारित है, जिसमें सामान्य वर्ग के लिए ऊपरी सीमा 40 वर्ष और एसटी, एससी और ओबीसी आवेदकों के लिए 43 वर्ष है। सीएम शर्मा ने आगे कहा कि इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लाभार्थी अपने उद्यम में सफल हों और इसलिए ऋण की पहली किस्त लाभार्थियों के संबंधित सिविल स्कोर पर प्रतिबिंबित नहीं होगी। असम के सीएम कहा कि हमारा उद्देश्य है कि उद्यमी सफल हों और वे बैंकों से अधिक ऋण लेने के पात्र हों। इसलिए पहले दो लाख रुपए सीधे उनके बैंक खातों में दिए जाएंगे, बैंकों के माध्यम से नहीं, ताकि उनका नाम पंजीकृत न हो। उनका सिबिल स्कोर इस प्रकार है जैसे उन्होंने कोई ऋण लिया हो। इसके परिणामस्वरूप, जब वे बैंक से उस राशि में से पैसा निकालेंगे, तो वे क्रेडिट योग्य हो जाएंगे। इसलिए वे मुद्रा योजना और अन्य के तहत ऋण लेने के लिए पात्र होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा यह भी घोषणा की गई कि ऋण की दूसरी किस्त व्यवसाय की स्थिति की समीक्षा के बाद ही दी जाएगी। यदि व्यवसाय की रिपोर्ट संतोषजनक नहीं है तो दूसरी किस्त की उक्त राशि दूसरे लाभुक को दे दी जाएगी। प्रशासन के मुताबिक, यह योजना 2021 में असम में बेरोजगार युवाओं को 100,000 नौकरियां प्रदान करने के भारतीय जनता पार्टी के वादे का हिस्सा है। इस साल की शुरुआत में, गृह मंत्री अमित शाह की असम यात्रा के दौरान, सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों के 44,703 नए भर्ती उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। सीएम शर्मा ने पहले कहा था कि उनके प्रशासन ने राज्य में लोगों के लिए पिछले ढाई वर्षों में 88,000 से अधिक नौकरियां पैदा की हैं।

पासपोर्ट वेरिफिकेशन के...

के बाद दारोगा फरार हो गया, जिसे निलंबित कर दिया गया। गिरफ्तारी की मांग को लेकर सपा के पूर्व विधायक जमीर उल्लाह के साथ स्थानीय लोगों ने करीब आधा घंटा कोतवाली पर हंगामा किया। मेडिकल कालेज पर भी प्रदर्शन किया गया। ऊपरकोट बाजार बंद कर दिया गया। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। भुजपुरा चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने तीन महीने पहले ही आगरा से यहां आमद दर्ज कराई थी। दोपहर वह कोतवाली में थे। हड्डी गोदाम निवासी शकील अहमद की पत्नी इशरत जहां पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए अपने बड़े बेटे इशान के साथ गई थीं। दोनों कार्यालय में संबंधित कर्मचारी की सीट के सामने खड़े थे। कुछ दूरी पर मनोज कुमार थे। इन्हें एक सिपाही ने पास के शस्त्रागार से पिस्टल निकालकर दी। मनोज कुमार ने पिस्टल लेते ही बिना मैग्जीन निकाले लोड किया और फिर ट्रिगर दबा दिया। इसकी नाल महिला को ओर थी। गोली लगते ही महिला गिर गई। बेटा हक्का-बक्का रह गया। मनोज कुमार पिस्टल टेबल पर रख महिला की ओर आए, तब तक वह अचेत हो चुकी थी। कोतवाली में भीड़ लग गई। सपा के पूर्व विधायक व हड्डी गोदाम सहित अन्य क्षेत्रों के लोग व स्वजन कोतवाली पहुंच गए। इसी बीच दारोगा गायब हो गया। इसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। उधर, मेडिकल कालेज में भी लोगों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोश देखते हुए वहां पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार गोली माथे पर लगी है। महिला के पांच बच्चे हैं। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि दारोगा फरार है। इसका पता लगाने के लिए टीम लगा दी गई है। इसके खिलाफ तहरीर के अनुसार मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा।

जनता से जो ...

भी प्रदर्शित की गई हैं। लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट के जरिए विपक्षी दलों पर निशाना साधना तेज कर दिया है। मोदी ने पिछले दिनों आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं, लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही थी। उस पोस्ट का शीर्षक था *मेल्टडाउन-ए-आजम* और इसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आने के बाद हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय विभाजन को भड़काने और मतदाताओं का अपमान करने के लिए *बहाने* और *पारिस्थितिकी तंत्र* के कथित प्रयासों का हवाला दिया गया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है और इसे उसके लिए सांत्वना जैसा बताया जा रहा है। मोदी ने पोस्ट में कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता में खुश रहें। लेकिन... उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें। 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं छूट सकती। साथ ही, लोगों की बुद्धिमत्ता ऐसी है कि उन्हें आने वाले कई और मेल्टडाउन (तगड़े झटकों) के लिए तैयार रहना होगा। किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई यह अभिव्यक्ति लीक से हटकर थी, क्योंकि उन्होंने इस जवाब में सोशल मीडिया आक्रामकता की अभिव्यक्ति वाले इमोजी भी पोस्ट किए जबकि आमतौर पर वह ऐसा नहीं करते हैं।

मऊ में हल्दी की ...

बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। जिलाधिकारी अरुण कुमार व एसपी अविनाश पांडेय मौके पर पहुंचकर सभी लोगों को बाहर निकलवा कर तुरन्त जिला अस्पताल भेजवाया। इसके बाद जिला अस्पताल मे टीम लगाकर इलाज करने का निर्देश दिया और घायलों पर नजर बनाए रखें। सूचना के बाद आइजी अखिलेश कुमार भी घायलों का हाल चाल लेने प्रकाश हास्पिटल पहुंच गए। घोसी कस्बा के रेलवे स्टेशन रोड निवासी ब्रजेश कुमार गुप्ता के बेटे बालेंदु गुप्ता की शादी बलिया जनपद के जलीनगंज निवासी पूजनचंद गुप्ता की बेटी अनुजा गुप्ता से तय है। बीते 6 दिसंबर को तिलक समारोह था। ऐसे में ब्रजेश कुमार गुप्ता के नात-रिश्तेदार सारे घर पर जुटे थे। घर में खुशियां का माहौल था। शादी की तैयारियां धूमधाम से चल रही थीं। शुक्रवार को दिन में तीन बजे महिलाएं हल्दी की रस्म अदायगी के लिए जा रही थी। इसी दौरान कस्बे के अस्करी स्कूल के समीप वाजिद खान के हाता की पुरानी दीवार अचानक उनके ऊपर ढह गई। इससे मौके पर चीख पुकार मच गई। आस-पास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किए। प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया और जेसीबी की मदद से सभी को बाहर निकाला गया। इसमें चार महिलाएं मृत मिली। दो मासूम की भी मौत हो गई है। इस प्रकार कुल छह लोगों की मौतें शामि हैं। घायल लोगों में 10 को जिला अस्पताल, सात को प्रकाश हास्पिटल, दो को फातिमा अस्पताल, दो को आजमगढ़ के लाइफ लाइन हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा कई को वाराणसी रेफर किया गया है। मृतकों में घोसी के बड़गांव निवासी तीन वर्षीय मासूम सत्यम पुत्र सत्यवान व आजमगढ़ के मड़या निवासी दो वर्षीय अन्नवी पुत्री हंसराज शामिल है। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि मृत चारों महिलाओं की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

महुआ मोइत्रा की...

अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने मोइत्रा को सदन में समिति की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान अपना पक्ष रखने दिए जाने का आग्रह किया जिसे अध्यक्ष ओम बिरला ने अस्वीकार कर दिया। सदन में महुआ की सदस्यता रद्द करने का प्रस्ताव पारित होने के बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के घटक दलों के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। विपक्षी सदस्यों ने संसद भवन परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष अपना विरोध भी जताया। सदन से निकलने के बाद महुआ ने आचार समिति की रिपोर्ट पर सवाल खड़े किए। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पहली बार इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। वह मोइत्रा के पक्ष में खुल कर उतर आई हैं। ममता ने कोलकाता में मीडियाकर्मियों से बातचीत में भाजपा पर तीखा हमला बोला और उसपर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बदले की राजनीति करती है। महुआ के साथ अन्याय हुआ है और जनता महुआ को आगामी आम चुनाव में न्याय देगी। भाजपा सदस्य विनोद सोनकर की अध्यक्षता वाली आचार समिति की रिपोर्ट पर लोकसभा में भोजनावकाश के बाद चर्चा शुरू हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चर्चा के बाद सदन के सामने पेश प्रस्ताव पर सदस्यों की राय मांगी कि वो महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द करने के पक्ष में हैं या नहीं। उसके बाद मोइत्रा की सदस्यता रद्द करने का फैसला ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। चर्चा प्रारंभ होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए कभी-कभी ऐसे निर्णय भी लेने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह पीड़ा दायक अवसर है। उन्होंने रिपोर्ट पर विचार के लिए आधा घंटे का समय तय किया। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि रिपोर्ट को दो घंटे पहले ही सदन में रखा गया और बहुत कम समय पर इसपर चर्चा कराई जा रही है। इसके लिए तीन- चार दिन का समय देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि 2005 में दस सदस्यों की सदस्यता समाप्त करते समय भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई गई थी। कांग्रेस सदस्य मनीष तिवारी ने कहा कि मामले में क्रॉस एग्जामिनशन नहीं करने दिया गया। आचार समिति केवल दोषी होने पर विचार कर सकती है, दंड पर विचार का अधिकार उसके पास नहीं है। इसमें नियमों को ताक पर रखा गया है। इसके अलावा सभी पार्टियों ने अपने सदस्यों को व्हिप जारी किया है। ऐसे समय जब एक व्यक्ति के भाग्य का निर्णय लिया जा रहा है और हम सब जूरी की भूमिका में हैं तो व्हिप जारी करना भी नेचुरल जस्टिस के खिलाफ है। इसका मतलब है कि हम सदस्यों को एक दिशा में मत देने के लिए कह रहे हैं। भाजपा सदस्य हिना गावित ने चर्चा के दौरान समिति की रिपोर्ट में दिए तथ्यों को आगे रखते हुए सिफारिशों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम से दुनियाभर में भारतीय सांसदों की छवि खराब हो रही है। दर्शन हीरानंदानी की कंपनी कई क्षेत्रों में काम करती है। पिछले चार सालों में महुआ ने 61 प्रश्न पूछे हैं और उनमें से 51 प्रश्न केवल उन क्षेत्रों से जुड़ी है जिसमें हीरानंदानी की कंपनी काम करती है। हम यहां अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं किसी कंपनी के लिए काम नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि महुआ के लॉगिन से 47 बार दुबई और 6 बार अमेरिका, ब्रिटेन और नेपाल से लॉगिन हुआ है। उन्होंने अपना यूजर आईडी किसी अन्य को देकर नियमों का उल्लंघन किया है। चर्चा के दौरान तृणमूल सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय और कल्याण बनर्जी ने पार्टी की ओर से महुआ मोइत्रा को बोलने दिए जाने की अनुमति मांगी, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने 2005 में 10 सांसदों की सदस्यता रद्द करने का उदाहरण देते हुए इसे उपयुक्त नहीं बताया। उन्होंने कहा कि उस वक्त तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने साफ कहा था कि चूंकि सांसदों को आचार समिति के सामने अपना पक्ष रखने का मौका मिला था। इस वजह से अब वह सदन में बोलने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी तृणमूल सदस्यों से कहा कि सदन की मान्य परंपराओं के अनुसार महुआ को बोलने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कल्याण बेनर्जी ने इस बात पर सवाल उठाया कि आखिर पैसे का लेन-देन कहां हुआ है यह कहीं साबित नहीं हुआ है। जदयू के गिरधारी यादव ने कहा कि समिति की जांच के दौरान सांसद को बुलाया गया लेकिन बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी को नहीं बुलाया गया। क्रास एग्जामिनेशन नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा कि आरोप लगाया जा रहा है कि यूजर आईडी पासवर्ड साझा किए गए। वे स्वयं अपना यूजर आईडी प्रयोग नहीं करते उनका पीए करता है। इसी बीच लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर आपत्ति जताई कि यह सदन न्यायीश की भूमिका में है। यह काम आचार समिति ने किया है और आचार समिति ने अपनी सिफारिशें दी हैं। सदन केवल इनपर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर प्रश्न पूछने का आरोप लगाया था। उन्होंने इन आरोपों पर जांच समिति से जांच कराए जाने की मांग की थी। दूबे के आरोप पर लोकसभा अध्यक्ष ने मामले को संसद की आचार समिति को भेज दिया था। दुबे का आरोप था कि महुआ ने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से प्रश्न पूछे जाने के एवज में रिश्वत और उपहार लिए हैं। इन आरोपों का बिजनेसमैन हीरानंदानी ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने समिति को इस संबंध में एफिडेविट भी दिया था।

लोकतंत्र की हत्या ...

इस घटनाक्रम को लोकतंत्र की हत्या करार दिया। लोकसभा के फैसले के कुछ मिनट के भीतर ममता ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है। ममता ने कहा कि महुआ को अपने बचाव में बोलने का भी अवसर नहीं दिया गया। एक महिला को भाजपा ने अपने राजनीतिक हित साधने के लिए जिस तरह परेशान किया वह लोकतंत्र की हत्या है। पार्टी महुआ मोइत्रा के साथ थी और है। इससे एक बार फिर भाजपा की प्रतिहिंसा की राजनीति साबित हो गई। उल्लेखनीय है कि महुआ मोइत्रा के पूर्व पार्टनर और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्रइ ने मोइत्रा पर संसद में घूस लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया था। इस संबंध में जांच के लिए उन्होंने सीबीआई के महानिदेशक को पत्र भेजा था, जिसके साथ उन्होंने कई साक्ष्य शामिल किए थे। देहाद्रइ की शिकायत के आधार पर झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया कि हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी से *कैश और महंगे तोहफे लेकर* संसद में सवाल पूछती हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से महुआ मोइत्रा को निलंबित करने की मांग की। इस मामले को लेकर संसद की एथिक्स कमेटी ने जांच की और महुआ से पूछताछ हुई थी।

किसी को विश्वास...

विरासत को अपनाया है और दुनिया भर ने इसको उचित श्रेय दिया है। अमित शाह ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं से कहा कि इस देश का स्वर्णिम भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। पिछले 10 सालों में देश में जबरदस्त बदलाव हुए हैं। घोटालों की जगह अब हमारे पास नई-नई योजनाएं हैं। तुष्टीकरण, परिवारवाद और जातिवाद की राजनीति के बजाय अब हमारे पास प्रदर्शन की राजनीति है। उन्होंने कहा कि भारत का समय आ गया है। हर समस्या के समाधान के लिए आज विश्व भारत की ओर आशा के साथ देख रहा है। आप सभी युवाओं की जिम्मेदारी है कि ये जो परिवर्तन आया है, इस परिवर्तन को सातत्यपूर्ण बनाते हुए हमारी कल्पना के भारत की रचना आपको करनी है। शाह ने एबीवीपी से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि मैं एबीपीपी का ऑर्गेनिक प्रॉडक्ट हूं। उन्होंने कहा कि वह आज यहां राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर गौरव महसूस कर रहे हैं। शाह ने कहा कि ये अनुभव वही व्यक्ति कर सकता है, जिसकी शुरुआत राजकोट अधिवेशन में पंडाल के अंत में बैठकर हुई है और वो आज मुख्य अतिथि बनकर यहां खड़ा है।

ढाई साल में 88,080 सरकारी नौकरियां दी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पिछले ढाई वर्षों में सरकार राज्य के युवाओं को कुल 88 हजार 080 नियमित नौकरियां देने में सफल रही है। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के पंजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान आज पीडब्ल्यूडी और पी एंड आरडी विभागों में नए भर्ती किए जाने वाले लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें लोक निर्माण विभाग में कुल 240 इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र दिए गए और 599 उम्मीदवारों को लोक एवं ग्रामीण विकास विभाग की असम राज्य ग्रामीण आजीविका योजना के तहत नियुक्ति पत्र दिए गए। इस अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम लोक सेवा आयोग के तहत चयन के अनुसार, हम लोक निर्माण विभाग में 240 इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रहे हैं, वह भी सड़क और गृह विभाग में। इसके साथ ही, हम असम ग्रामीण आजीविका योजना के तहत 599 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2021 से हम हर साल नियुक्तियां देने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले ढाई साल से अब तक हम प्रदेश में 88 हजार 080 नियमित नौकरियां दे पाए हैं। इसी तरह हमने विभिन्न विभागों में भी नियुक्तियां दी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल हम लोक निर्माण विभाग में 256 इंजीनियरों को नियुक्तियां देने में सफल रहे। इस साल भी हमने 240 इंजीनियरों को सफलतापूर्वक नियुक्त किया है। लंबे समय के बाद, हम इंजीनियरों को नियुक्त करने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा हमने पीडब्ल्यूडी के अलावा अन्य तकनीकी विभागों में भी इंजीनियरों की नियुक्ति की है। प्रदेश में युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरियां देने को लेकर सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। 2022 में अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक लाख सरकारी नौकरियों का वादा उनका एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था, जिसके बाद उन्होंने असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य की लगभग 40 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देगी जो स्वयं सहायता समूहों का हिस्सा हैं और अपने स्वयं के छोटे उद्यम और व्यवसाय चलाती हैं। पहली बार हमने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 40 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपए देने और उन्हें स्व-रोजगार महिलाओं के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लिया है। वे बैंकिंग और वित्तीय समावेशन की अवधारणाओं को समझते हैं, और हम उन्हें व्यक्तिगत रूप से और समूहों के रूप में भी इस संबंध में आगे ले जा सकते हैं। इसके माध्यम से हम राज्य में उद्यमियों की एक नई नस्ल प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

एनडीआरएफ ने की क्यूडीए, एचएफ और वीएचएफ प्रतियोगिता आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर के चार राज्यों (असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा) में आपदाओं और आपदा प्रबंधन तैयारियों के साथ-साथ प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल विभिन्न खेल एवं व्यावसायिक प्रतियोगिताओ में भी अपनी सहभागिता प्रस्तुत करते आ रहा है। इसी क्रम में आज प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के बटालियन मुख्यालय पाटगांव, गुवाहाटी के प्रांगण में तीन दिवसीय अंतर-जोनल क्यूडीए, एचएफ और वीएचएफ प्रतियोगिता-2023 का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के चारों जोनों से चुने हुए दलों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि पंकज कविदयाल, 2 आईसी (कार्यवाहक समादेष्टा) प्रथम बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी दल को ट्रॉफी और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को पदक प्रदान किए। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथि ने सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य बचावकर्ताओं की उपस्थिति में सभी बोर्ड सदस्यों, प्रतियोगियों, आयोजन समिति की सराहना की और धन्यवाद के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

28,813 कांस्टेबलों को लांस नायक के रूप में पदोन्नति

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने आज एक ही दिन में 28 हजार 813 कांस्टेबलों को लांस नायक के रूप में पदोन्नत किया। असम पुलिस के लिए एक उल्लेखनीय दिन पर, राज्य सरकार ने 28,813 कांस्टेबलों को लांस नायक के पद पर पदोन्नत करके एक अभूतपूर्व कदम उठाया। इनमें से 21,275 सशस्त्र शाखा के और 7538 निशस्त्र शाखा के हैं। यह सामूहिक पदोन्नति राज्य कैबिनेट द्वारा अनुमोदित एक व्यापक कैरियर विकास योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पुलिस बल का मनोबल बढ़ाना और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाना है। एक्स हैंडल पर असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने लिखा कि असम पुलिस के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक दिन है जब 28,813 कांस्टेबलों को एक दिन में लांस नायक के अगले रैंक पर पदोन्नत किया गया। इनमें से 21 हजार 275 सशस्त्र शाखा के हैं और 7 हजार 538 निहत्थे शाखा के हैं।

सम्मेलन की महिला शाखा ने वृद्धाश्रम में *खुशियों के रंग अपनों के संग* कार्यक्रम आयोजित की

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा ने अपने जन सेवा कार्यक्रमों के अंतर्गत खुशियों के रंग अपनों के संग नामक कार्यक्रम को लालमाटी स्थित हेल्पिंग हैंड नामक वृद्धाश्रम में आयोजित कर अपना सहयोग दिया। इस अवसर पर महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि इस वृद्धाश्रम में बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं रहती हैं। जिनके साथ हमारी शाखा की सदस्योंओ ने कुछ अपनात्व के पल बिताए एवं उन्हें सर्दी के आगमन को देखते हुए स्वेटर प्रदान किया। इसके अलावा एक किट जिसमें दर्दनाशक बाम, बोरोलीन, वैसलीन आदि प्राथमिक चिकित्सा की सामग्रियां थी। जिसे उन्हें भेंट किया। इसके अलावा राशन ,सेब, संतरा आदि भी वृद्धाश्रम को भेंट किया। वृद्धाश्रम की व्यवस्थापक ने मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के इस कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। शाखा की जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 25 सदस्याओ ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की संयोजिका शांती कुंडलिया, रेखा

गोयल, डिंपल शर्मा ने सदस्योंओ के साथ मिलकर सारी व्यवस्था संभाली। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के बीच हाऊजी भी खिलाई गई एवं विजेता को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। अंत में भगवान कृष्ण को भोग लगी हुई खिचड़ी का प्रसाद के रूप में सभी के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम में शाखा सचिव मंजू भंसाली, सलाहकार सरोज मित्तल इंदिरा जिंदल और मंजू पाटनी ने संयुक्त रूप से सभी सहयोगकर्ता सदस्योंओ को धन्यवाद देकर उत्साहित किया।

टीपीएफ का फ्री मेगा मेडिकल कैंप कल

गुवाहाटी। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता परमपूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के 50वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य पर तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), गुवाहाटी के तत्वावधान एवं तेरापंथ युवक परिषद् (आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, गुवाहाटी) के सहयोग से दिनांक 10 दिसंबर 2023, रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक फ्री मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है। इस निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर में डॉ. संजीव जाजोदिया (ईएनटी), डॉ. असीम चौधुरी (बीडीएस, सीपीएफए, टीसीसी एक्सपर्ट, डेंटिस्ट), डॉ. अमिता पिंचा (बीएएमएस, एमडी- आयुर्वेदिक मडिकल), डॉ. जेस्मिना अख्तर (होम्योपैथिक), डॉ. अंकित पटावरी (एमडी, डीएम रेमाटोलोजी), फिजियोथेरेपी (एबीएक्स फिजियो) अपनी सेवा प्रदान करेंगे। इस शिविर के आर्थिक सहयोगी उत्तमचंद नाहटा (आरजे ग्रुप) हैं। टीपीएफ गुवाहाटी के अध्यक्ष संतोष पुगलिया एवं मंत्री पुखराज सेठिया ने बताया कि शिविर में ब्लड सुगर, ब्लड प्रेशर, थायराइड, हेमोग्लोबिन आदि की निःशुल्क जांच की जाएगी, जो सभी वर्ग के लोगों के लिए खुला रहेगा। शिविर में रजिस्ट्रेशन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए कमल कोठारी (मो. 9435108731) एवं वीरेंद्र सिंघी (मो. 9435117433) से संपर्क कर सकते हैं। इस आशय की जानकारी कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंघी द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

डालमिया भारत फाउंडेशन ने लंका में दीक्षा शिक्षार्थी समापन समारोह का किया आयोजन

लंका। भारत की अग्रणी सीमेंट कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) शाखा डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) ने आज लंका, असम में अपने दीक्षा (डालमिया इंस्टीट्यूट ऑफ नॉलेज एंड स्किल हार्नेसिंग) शिक्षार्थी के लिए एक समापन समारोह का आयोजन किया। केंद्र के 30 छात्रों को सहायक इलेक्ट्रीशियन के रूप में उनके प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सफल समापन के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें प्लेसमेंट गया। लंका में दीक्षा केंद्र 20 पड़ोसी गांवों में युवाओं केलिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है और अब तक 400 से अधिक छात्रों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित कर चुका है। केंद्र रिटेल सेल्स एसोसिएट, सहायक इलेक्ट्रीशियन और ग्राहक संबंध प्रबंधन के रूप में करियर बनाने केलिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करता है और प्रशिक्षुओं को नौकरी प्लेसमेंट सहायता प्रदान करता है। नाबार्ड, पश्चिम कार्बी आंगलोंग के जिला विकास प्रबंधक श्री कामखोगिन वैफेई ने समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए और उनकी उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर रिटेल सेल्स एसोसिएट, सहायक इलेक्ट्रीशियन और कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट के रूप में श्री नवीन बासुमतारी, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, एसबीआई, कार्बी आंगलोंग, उदय सिंह राजपूत, यूनिट हेड, डीसीबीएल-लंका और मृणाल बरुवा सहित अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर डीसीबीएल के यूनिट हेड उदय सिंह राजपूत ने कहा कि डालमिया भारत में, कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें स्थायी आजीविका के लिए सक्षम बनाना हमारी सामुदायिक पहल के मूल में है। दीक्षा में, हमारा दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि हमारे शिक्षार्थी न केवल अपने चुने हुए क्षेत्रों में पारंगत हों, बल्कि अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए समग्र कौशल से भी सुसज्जित हों। हमें अपने शिक्षार्थी की उपलब्धि पर गर्व है और उनमें से प्रत्येक को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई देते हैं। हम नाबार्ड और अन्य प्रमुख भागीदारों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस प्रयास की सफलता में योगदान दिया है। डालमिया भारत फाउंडेशन की प्रमुख परियोजना दीक्षा युवाओं और महिलाओं को प्लेसमेंट से जुड़ी, अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे उन्हें बढ़ी हुई आय के लिए कुशल कार्यबल में जोड़ा जाता है। अक्तूबर 2021 में अपनी स्थापना के बाद से लंका में दीक्षा केंद्र आसपास के गांवों में युवाओं के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। केंद्र साझेदार संगठनों और नाबार्ड, एनएसएफडीसी आदि जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ सामूहिक परियोजनाओं पर केंद्रित है। यह ग्रामीण युवाओं के बीच कौशल विकास के लिए जुटाने और जागरूकता निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहा है और जागरूकता शिविरों और वॉक-इन प्रवेश के लिए सरकारी कॉलेजों के साथ गठजोड़ किया है।

विश्वनाथ : आदर्श विद्यापीठ के पूर्व शिक्षक और नवनियुक्त शिक्षकों का मिलन समारोह

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के कोसगांव में सन 1982 से स्थित अपने स्थापना काल से ही सरकारी विद्यालय में अपनी शैक्षिक मापदंड विकास के क्षेत्र उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले विश्वनाथ शिक्षा प्रखंड के प्रमुख शिक्षण संस्थान चारिआलि आदर्श विद्यापीठ के वर्तमान प्रधानाचार्या बबीता हजारिका के अध्यक्षता में आज अपराह्न 12 बजे विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी और नवनियुक्त , स्थानांतरित, वर्तमान शिक्षकों का औपचारिक आत्मीय भेंट हुई। सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य बबीता हजारिका ने पूर्व शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजन की जिसमें प्रधानाचार्य ने सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य व शिक्षकों की स्वास्थ्य और मंगलमय की जानकारी ली और अंग्रेजी नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इसके बाद विद्यालय शैक्षिक प्रगति और छात्र केंद्रीय शिक्षा के क्षेत्र में उठाएं कदम पर प्रकाश डाला गया है।भूतपूर्व शिक्षकों ने विद्यालय की शैक्षिक कार्यशैली की सराहना की। इस अवसर पर इस विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाचार्य जयप्रकाश साहू ने सहपाठियों के साथ चाय कार्यक्रम का आयोजन रखा। जिसमें सभी ने आनंद उठाया।अंत में विद्यालय प्रागंण में समूह में आत्मीय भेंट कार्यक्रम स्मरणीय हेतु साझा तस्वीर खींचा गया।इस मौके विद्यालय के प्रधानाचार्या बबीता हजारिका, भूतपूर्व प्रधानाचार्य जयप्रकाश साहू, भूतपूर्व शिक्षक क्रमशः वरिष्ठ अध्यापिका लोकेश्वरी कोच, जीवनचंद बोरा,आरती सैकिया, रंजू कोच, अरूप बरदलै, पूर्णिमा भुञां ,पवित्रा महतो, विपुल बरुवा, वर्तमान सहायक शिक्षक विद्युत बोड़ो तथा शिक्षक - शिक्षिका व कर्मचारी मौजूद थे।

होजाई के समाजसेवी व पूर्व उद्योग मंत्री गुनीन हजारिका सम्मानित

होजाई (होसं)। राज के जाने माने राजनीतिविद तथा असम गण परिषद से तीन बार के विधायक रहे पूर्व उद्योग मंत्री गुनीन हजारिका का कल कलियाबोर मिलीनियम चाय बागान में 75वां जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर कलियाबोर असम साहित्य सभा, लेखिका समारोह समिति और कलियाबोर केंद्रीय छात्र संघ के सहयोग से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलियाबोर समाज के प्रमुख लोगों ने विभिन्न उपहार देकर उनके प्रति फुलाम गामोछा, शराई, गुलदस्ता देकर आदर, स्नेह और प्रेम प्रतित किए गए। मालूम हो कि होजाई जिला असम गण परिषद के पूर्व जिला सभापति रहे नजरुल इस्लाम तथा समाजसेवी नवप्रजन्म राजनीतिज्ञ लोक रक्षा पार्टी के अध्यक्ष राज गुप्ता के साथ समाजसेवी जियाउद्दीन अहमद द्वारा गुनीन हजारिका को फुलाम गामोछा, कश्मीरी सौल ओढ़ाकर सम्मानित किए गए। इसके अलावा उनके द्वारा किए गए ुउपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा उन्हें प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किए तथा उनके लंबे एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

नई दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल का धमाकेदार आगाज

तीन दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल में नॉर्थ ईस्ट के खानपास, कला व संस्कृति के संगम के साथ खूब सारी बातचीत के दौर भी शामिल होंगे

नई दिल्ली/गुवाहाटी। राजधानी में त्योहारों का माहौल बना हुआ है। ऐसे में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल भी अपने 11वें संस्करण के साथ 22 से 24 दिसंबर तक अपनी समृद्ध कला व संस्कृति के साथ-साथ अपने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्वाद, अपने कलात्मक कौशल को प्रदर्शन के लिए तैयार है। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल 22 से 24 दिसंबर तक चलेगा। इस फेस्टिवल के लिए एंट्री, गेट नॅबर 14 से होगी। हर साल आयोजित होने वाला यह नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल इस साल भी नॉर्थ ईस्ट के खूबसूरत रंग, वहां की संस्कृति से दिल्ली वासियों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल का उद्घाटन करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को आमंत्रित किया गया है। जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (डोनर) विकास मंत्री, अनुराग ठाकुर, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्रालय, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के साथ-साथ अन्य उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के महोत्सव में भाग लेने की उम्मीद है। सन 2013 में अपनी शुरुआत के बाद से ही इस वार्षिक उत्सव ने नॉर्थ ईस्ट राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नॉर्थ ईस्ट

फेस्टिवल को लेकर बेहद उत्साहित फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत ने कहा कि दिल्ली हमारे दिलों में अपना एक विशेष स्थान रखती है। हमारे नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल को लेकर दिल्ली वालों का प्यार व उत्साह हमेशा हमें भी गर्मजोशी से भर देता है। नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल नॉर्थ ईस्ट के लोगों की पहचान बनकर उभरा और विकसित हुआ है। हमारा मुख्य फोकस नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के उत्पादों के लिए एक सशक्त मार्केट बनाने का कनेक्शन तैयार करने पर है। पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से हम इस दौरान एक पर्यटन बी2बी बैठक होस्ट करेंगे। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा समर्थित एक बी2बी बैठक को भी कपड़ा व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में होस्ट करेंगे। यह बैठकें विक्रेता और खरीददारों को एक सार्थक बातचीत की सुविधा व मंच देगी। इस फेस्टिवल में हमने नॉर्थ ईस्ट के अलग-अलग क्षेत्रों के कई उद्यमियों को अपने प्रोडक्ट्स प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया है। इसके अलावा हमारे सांस्कृतिक प्रदर्शन, खेल और हमारे नॉर्थ ईस्ट के ऑथेंटिक फूड का प्रदर्शन भी इस फेस्टिवल में हम कर रहे हैं जो फेस्टिवल के माहौल में चार चांद लगा देगा। हमें उम्मीद है कि नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल का यह 11वां संस्करण और अधिक लोगों को हमसे जोड़ने में सफल रहेगा। और हमारी इस जर्नी में मील का पत्थर साबित होगा। इस 11वें नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में हम वादा करते हैं कि हम भारत की सुंदरता, विविधता और अखंडता का जश्न मनाने वाले कार्यक्रमों की एक रोमांचक श्रृंखला पेश करेंगे। जिसमें एक क्रिसमस स्पेशल बाजार भी शामिल है जो नॉर्थ ईस्ट के क्राफ्ट को पेश करेगा साथ ही दिल्ली की बेकरियों के स्टॉल्स को भी दिल्लीवासी इंजॉय कर सकेंगे। साथ ही नॉर्थ ईस्ट के पारंपरिक व्यंजनों व खानपान संस्कृति का मजा भी दिल्लीवासी ले सकेंगे। इसके अलावा इस दौरान 300 लोक कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही एक मैतेई मार्शल आर्ट, विश्व स्तरीय कलाकार शांतनु हजारिका द्वारा डूडल आर्ट मास्टरक्लास। फोक से लेकर रॉक, पॉप से लेकर जैड़ तथा विभिन्न शैलियों के कलाकारों की एक विविध प्रस्तुतियां इस फेस्टिवल की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार हैं और नॉर्थ ईस्ट रॉक बैटल के साथ यह सांस्कृतिक फेस्टिवल दिल्लीवासियों को एक भव्य अनुभव कराएगा। इस फेस्टिवल की मुख्य प्रस्तुतियों की बात करें तो सिक्किम का प्रसिद्ध भारतीय नेपाली रॉक बैंड गिरीश और द क्रॉनिकल्स, असम के दिल की धड़कन जुबीन गर्ग, बॉलीवुड गायक पापोन और बॉलीवुड एक्टर सिंगर श्रुति हसन और उनका रॉक बैंड शामिल हैं। फेस्टिवल के दौरान दिवंगत पार्श्व गायक केके को समर्पित रहेगा जिसमें उन्हें संगीतमयी श्रद्धांजलि दी जाएगी। केके की असमयिक निधन की सूचना ने संगीत जगत और उनके फैंस को शोक में डुबो दिया था। इस फेस्टिवल में कुछ चुनिंदा लोकप्रिय गायकों के साथ उनका बैंड केके के कुछ सदाबहार गीतों को पेश करेगा और उन्हें श्रद्धांजलि देगा। फैशन के शौकीनों के लिए नॉर्थ ईस्ट के डिजाइनरों द्वारा वहां के परंपरागत टेक्सटाइल और परंपरागत रीजनल डिजाइन्स को शोकेस किए जाएंगे। फेस्टिवल के एग्जिबीशन एरिया में 100 से अधिक एमएमएमई उद्यमियों के प्रॉडक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे जोकि मेड इन नॉर्थ ईस्ट प्रोडक्ट्स होंगे। जिससे फेस्टिवल में आए लोग नॉर्थ ईस्ट की परंपरागत वस्तुओं को देख, समझ व खरीद सकेंगे। इस दौरान 150 स्टालों के साथ ही इस प्रदर्शनी का उद्देश्य कृषि, बागवानी उत्पादों, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम और नॉर्थ ईस्ट राज्यों के परंपरागत स्वाद को बढ़ावा देना है। वहीं पर्यटन स्टॉल्स लोकप्रिय और ऑफ बीट जगहों के बारे में कई जानकारियां लोगों को देंगे ताकि घूमने के शौकीनों को नॉर्थ ईस्ट के पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी मिल सके और इन स्थानों को प्रोत्साहित किया जा सके।

धर्म की नगरी के साथ विकास की नगरी भी बन रहा है उत्तराखंड : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उत्तराखंड धर्म की नगरी के साथ-साथ विकास की नगरी भी बन रहा है। डबल इंजन की सरकार से राज्य लाभान्वित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को देहरादून में 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत विकास और विरासत के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है। राज्य की विकास हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वो राज्य है जहां आपको धर्म और विकास दोनों का अनुभव एक साथ होता है।

मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है। उसे जिया है, अनुभव किया है। आपको आज देश में नीति-संचालित शासन दिखेगी, आपको आज राजनीतिक स्थिरता के लिए देशवासियों का मजबूत आग्रह दिखेगा। आकांक्षी भारत आज अस्थिरता नहीं चाहता है बल्कि वह आज स्थिर सरकार चाहता है। हाल में हुए विधानसभा चुनाव इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया की तरह वेडिंग इन इंडिया मूवमेंट चलाने की जरूरत है। आज डेस्टिनेशन शादी के नाम पर लोग विदेश में जाकर शादी समारोह कर रहे हैं।

ऐसे में वेडिंग इन इंडिया मूवमेंट समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह चाहते हैं कि आने वाले पांच साल में लोग अपने परिवार की एक डेस्टिनेशन शादी उत्तराखंड में करें। अगर एक साल में 05 हजार शादियां भी यहां होने लग जाएं तो एक नया इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा और दुनिया की शादियां यहां होने लग जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत को देखने के लिए भारतीयों और विदेशियों दोनों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। हम पूरे देश में थीम बेस्ड टूरिज्म सर्किट तैयार कर रहे हैं। कोशिश ये है कि भारत के नेचर और हेरिटेज दोनों से ही दुनिया को परिचित कराया जाए। इस अभियान में उत्तराखंड, टूरिज्म का एक सशक्त ब्रांड बनकर उभरने वाला है।

राहुल गांधी ने ममता को फोन कर गठबंधन की बैठक में आने के लिए मनाया

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों के आईएनडीआई गठबंधन की अगली बैठक में शामिल होने के लिए हामी भर दी है। इसके पहले बैठक में शामिल होने से उन्होंने इनकार कर दिया था। ममता ने आरोप लगाया था कि समय पर उन्हें सूचना नहीं दी गई। इसके बाद नीतीश कुमार और अखिलेश यादव के भी बैठक से किनारा करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली स्थित आवास पर होने वाली बैठक टाल दी गयी थी। अब सूचना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन कर अगली बैठक में शामिल होने के लिए मनाया है। आज शुक्रवार को उत्तर बंगाल के कर्सियांग में ममता के भतीजे आवेश की शादी होनी है। इसके लिए पूरा बनर्जी परिवार उत्तर बंगाल की पहाड़ियों पर पहुंचा हुआ है। इस बीच राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन किया है। सीएम के करीब सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने उन्हें फोन कर भतीजे की शादी की शुभकामनाएं दी और उसके बाद गठबंधन की बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया। ममता ने उन्हें बताया कि बैठक की तारीख तय करने से पहले सभी विपक्षी दलों के संबंधित नेताओं से बात की जानी चाहिए। ममता ने आश्वस्त किया है कि अगली बैठक जब भी होगी, वह जरूर आएंगी। सूत्रों ने बताया कि दिसंबर के आखिरी सप्ताह में विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक होनी है। उल्लेखनीय है कि ममता ने 6 दिसंबर की बैठक को लेकर सूचना नहीं देने का आरोप लगाया था। उनके भतीजे की शादी प्रस्तावित होने की वजह से वह बैठक में नहीं जाएंगी, इसकी जानकारी भी सीएम ने पहले ही दे दी थी।

मुख्यमंत्री ने मेट्रो रेल फेज-2 के मोटेरा-गांधीनगर रूट का किया निरीक्षण

गांधीनगर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार सुबह मेट्रो रेल फेज-2, मोटेरा से गांधीनगर के रूट पर सी-2 प्रोजेक्ट के साढ़े छह किलोमीटर लंबे मार्ग पर निमार्णाधीन रेल रूट और स्टेशनों के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के चेयरमैन तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार एस.एस. राठौर एवं वरिष्ठ सचिव मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने इस रूट के भाईजीपुरा से च-2 के बीच धोलाकुवा, रांदेसण और गिफ्ट सिटी सहित अन्य क्षेत्रों का स्थल दौरा कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी हासिल की।

मुख्यमंत्री ने विसत से नर्मदा कैनाल होते हुए कोबा सर्कल के रूट पर चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया और तकनीकी जानकारी हासिल की।

भाजपा सांसदों को दिया आवास खाली करने का नोटिस

-सांसदी छोड़ने वाले भाजपा नेताओं को दिया 30 दिन नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा आवास समिति ने विधानसभा चुनाव जीतने वाले सभी बीजेपी सांसदों को 30 दिन में सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया है। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में इलेक्शन जीतकर विधानसभा पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के सभी सांसदों ने सांसदी के पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों का कहना है कि नियम सिर्फ विपक्षी सांसदों के लिए ही नहीं, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है, सभी के लिए समान हैं। जिन लोकसभा सांसदों को 30 दिन में घर खाली करने का नोटिस दिया हैं उनमे राकेश सिंह, अरुण साव, गोमती साय, रिति पाठक, बाबा बालकनाथ, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और उदय प्रताप सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं। बता दें कि बीजेपी ने तीन राज्यों- छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान 21 सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था जिसमें से 12 सांसद विधायकी का चुनाव जीतने में सफल रहे थे।चुनाव जीतने वाले इन सांसदों में राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़,दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा, बाबा बालकनाथ, छत्तीसगढ़ से अरुण साव, रेणुका सिंह और गोमती साई और मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक शामिल हैं। बता दें कि राजधानी दिल्ली के लुटियन जोन में सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्य मंत्रियों को टाइप 6 से टाइप 8 तक के सरकारी बंगले अलॉट किए जाते हैं।किस सांसद को किस टाइप का बंगला मिलेगा यह उसकी वरिष्ठता पर निर्भर करता है।अगर सांसद इस्तीफा दे देते हैं तो उन्हें नोटिस मिलने के बाद 30 दिनों के अंदर इन बंगलों को खाली करना होता है।हालांकि 30 दिन के नोटिस के बाद भी कुछ समय तक संबंधित उस बंगले में रह सकता है लेकिन इसके लिए उसे बाजार मूल्य की दर से किराए का भुगतान करना होता है। बता दें कि आठ सांसद सामान्य पूल का हिस्सा हैं। तीन सांसद मंत्री हैं, इसलिए उन्हें शहरी विकास मंत्रालय से आवंटन मिलता है।

दिल्ली के आबकारी घोटाले में आरोपित विनय बाबू को जमानत

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित विनय बाबू को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अभी तो ट्रायल भी शुरू नहीं हुआ है, ऐसे में 13 महीने से जेल में रहना लंबा समय है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि हम किसी व्यक्ति को प्री ट्रायल डिटेंशन के तौर पर वर्षों तक सलाखों के पीछे नहीं रख सकते। वैसे भी आमतौर पर ट्रायल दो साल में खत्म हो जाना चाहिए। आज सुनवाई के दौरान विनय बाबू की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि विनय बाबू 13 महीने से जेल में हैं। सिसोदिया मामले में फैसले के बाद से कुछ नहीं हुआ है, विनय बाबू सीबीआई के मामले में सरकारी गवाह है जबकि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित है। उल्लेखनीय है कि 6 जनवरी को ईडी ने आबकारी घोटाला मामले में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में 12 को आरोपित किया गया है। इसमें 5 व्यक्तियों और 7 कंपनियों के नाम हैं। चार्जशीट में जिन लोगों को आरोपित किया गया है उनमें विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, शरद चंद्र रेड्डी, विनय बाबू और अमित अरोड़ा शामिल हैं। इसके पहले कोर्ट ने 20 दिसंबर 2022 को ईडी की ओर से दाखिल पहली चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। ईडी ने 26 नवंबर 2022 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली को 13 नवंबर 2022 को गिरफ्तार किया था।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ सोमवार को फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बी.आर. गवई और सूर्यकांत की संविधान पीठ पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिए गए विशेष दर्जे को छीनने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले साल 2019 के राष्ट्रपति के आदेश की संवैधानिकता पर फैसला करेंगे। याचिकाकताओं ने दलील दी थी कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के भंग होने के बाद संविधान के अनुच्छेद 370 ने स्थायी स्वरूप ले लिया है। मार्च 2020 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने इस मुद्दे को सात न्यायाधीशों की बड़ी पीठ को सौंपने के याचिकाकताओं के तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। तत्कालीन सीजेआई एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तर्क दिया कि अनुच्छेद 370 की व्याख्या से संबंधित प्रेम नाथ कौल मामले और संपत प्रकाश मामले में शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए पहले के फैसले विरोधाभासी नहीं थे। 5 जजों की संविधान पीठ ने 5 सितंबर को दोनों पक्षों की मौखिक दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि वह कोई सटीक समय सीमा नहीं दे सकती है और जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने में कुछ समय लगेगा, जबकि यह दोहराते हुए कि इसकी केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति अस्थायी है।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि संविधान पीठ का फैसला चाहे जो भी हो, ऐतिहासिक होगा और कश्मीर घाटी के निवासियों के मन में मौजूद मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को खत्म कर देगा।उन्होंने कहा था कि यह मनोवैज्ञानिक द्वंद्व अनुच्छेद 370 की प्रकृति से उत्पन्न भ्रम के कारण उत्पन्न हुआ कि क्या विशेष प्रावधान अस्थायी हैं या स्थायी।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर बाथरुम में गिरे, कूल्हे की हड्डी टूटी

हैदराबाद(ईएमएस)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की तबीयत अचानक खराब हो गई है। उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि घर पर पैर फिसलने से वह घायल हो गए। ऐसा लगता है कि केसीआर की कूल्हे की हड्डी टूट गई है। फिलहाल सोमाजीगुडा के यशोदा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। केसीआर की बीमारी के बारे में पता चलते ही परिवार के सभी सदस्य हॉस्पिटल पहुंच गए। रात में हरीश राव के साथ केटीआर का परिवार भी यशोदा के पास गया। बताया जा रहा है कि केसीआर आज सुबह तक वहीं रुके रहे। डॉक्टरों ने शीघ्र ही किए जाने वाले मेडिकल परीक्षणों पर सलाह दी और घर चले गए। केसीआर का यशोदा अस्पताल की 9वीं मंजिल पर इलाज चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि डॉक्टर टेस्ट करने के बाद हेल्थ बुलेटिन देंगे। फिलहाल केसीआर की तबीयत स्थिर है।

वह एरावल्ली में अपने फार्म हाउस पर थे। केसीआर की बेटी के कविता ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, बीआरएस सुप्रीमो केसीआर को मामूली चोट आई है और फिलहाल वह अस्पताल में विशेषज्ञों की देखरेख में हैं। मिल रहे समर्थन और शुभकामनाओं से पिताजी जल्द ही बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। पूर्व सीएम केसीआर 3 दिसंबर से अपने एरार्वेली स्थित फार्म हाउस में रह रहे हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव समाप्त होने और कांग्रेस के हाथों मिली मात के तुरंत बाद सरकारी भवन छोड़ दिया था। इसके बाद से वह फार्म हाउस में ही रह रहे हैं. वह पिछले दो तीन दिनों से अपने घर पर ही सबसे मुलाकात कर रहे हैं। जीत के बाद बीआरएस के कई विधायक उनसे मिलने पहुंचे, जहां वह घर पर ही मौजूद रहे।

तीन राज्यों के लिए भाजपा पर्यवेक्षकों में राजनाथ सिंह, मनोहर लाल खट्टर व अर्जुन मुंडा के नाम

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षकों के नामों की घोषणा कर दी। राजस्थान विधानसभा के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, के लक्ष्मण, आशा लाकड़ा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के लिए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सबानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम को पर्यवेक्षक बनाया गया है। पर्यवेक्षकों के नामों के एलान के साथ अब मुख्यमंत्री के नामों की भी घोषणा रविवार तक की जा सकती है। माना जा रहा है कि तीनों राज्यों में शनिवार-रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है।

मप्र में मुख्यमंत्री को लेकर हलचल हुई तेज, प्रह्लाद पटेल और विजयवर्गीय पहुंचे भोपाल

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसको लेकर हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने इस बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है, लेकिन पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री पद के लिए अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। सीएम पद के दो बड़े दावेदार पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल और कैलाश विजयवर्गीय दिल्ली में केन्द्रीय नेतृत्व से मुलाकात करने के बाद गुरुवार को भोपाल लौट आए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल गुरुवार देर रात दिल्ली से भोपाल पहुंचे। यहां भोपाल एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा उन्हें रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। इसके बाद प्रदेश की सियासत में अटकलों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल, दिल्ली दौरे के दौरान प्रह्लाद पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तक से मुलाकात की, साथ ही भोपाल आने से पहले भाजपा के दिग्गज नेता मुरली मनोहर जोशी का आशीर्वाद लेने के लिए भी पहुंचे। इन गतिविधियों से यह अटकलें तेज हैं कि उन्हें आलाकमान से संकेत मिल गए हैं। सांसदी छोड़ने के बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्री के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। अब वह नरसिंहपुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। इसके बाद वह भोपाल पहुंचे हैं। भोपाल लौटने से पहले दिल्ली से प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी यहां आ गए हैं। भोपाल पहुंचने के बाद कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा रविवार तक हो जाएगी। वहीं, उन्होंने शिवराज सिंह चौहान और उनकी योजनाओं को जीत का क्रेडिट देने से इंकार कर दिया है। विजयवर्गीय ने कहा यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की है। भोपाल पहुंचने के बाद प्रह्लाद पटेल का अभी कोई बयान सामने नहीं आया है, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कराहट काफी कुछ बयां कर रही है।

सरकार ने प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश के लिए प्याज के निर्यात पर 31 मार्च, 2024 तक प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। डीजीएफटी की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज निर्यात की नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू बाजार में प्याज की खुदरा कीमत 60 से 65 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। सरकार ने प्याज की कीमत को नियंत्रित करने के लिए 29 अक्टूबर, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक की अवधि के लिए प्याज निर्यात का एफओबी आधार पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 800 डॉलर प्रति मीट्रिक टन अधिसूचित किया था।

तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों में भूकंप के झटके, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। शुक्रवार को सुबह सुबह तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अच्छी बात ये है कि 3.2 की तीव्रता वाले इस भूकंप से जानमाल को नुकसान नहीं हुआ है। जिन राज्यों में भूकंप आया, उनमें तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात और मेघालय शामिल है। तमिलनाडु में शुक्रवार सुबह 7 बजकर 39 मिनट पर 3.2 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। भूकंप उत्तरी तमिलनाडु के चेंगलपेट जिले में सुबह सात बजकर 39 मिनट पर आया। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई है। एनसीएस के मुताबिक कर्नाटक में शुक्रवार सुबह 6:52 बजे क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर था। फिलहाल किसी तरह की नुकसान की सूचना नहीं मिली है। गुजरात के कच्छ और राजकोट में सुबह 9 बजे झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता 3.9 बताई गई है। भूकंप की गहराई 20 किलोमीटर अंदर थी। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में आज सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर 3.8 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बता दें कि भूकंप के दौरान मकान, दफ्तर या किसी भी इमारत में अगर आप मौजूद हैं तो वहां से बाहर निकलकर खुले में आ जाएं। इसके बाद खुले मैदान की ओर भागें।भूकंप के दौरान खुले मैदान से ज्यादा सुरक्षित जगह कोई नहीं होती। भूकंप आने की स्थिति में किसी बिल्डिंग के आसपास न खड़े हों। अगर आप ऐसी बिल्डिंग में हैं, जहां लिफ्ट हो तो लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ऐसी स्थिति में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना ही उचित होता है। भूकंप के दौरान घर के दरवाजे और खिड़की को खुला रखें। इसके अलावा घर की सभी बिजली स्विच को ऑफ कर दें। अगर बिल्डिंग बहुत ऊंची हो और तुरंत उतर पाना मुमकिन न हो तो बिल्डिंग में मौजूद किसी मेज, ऊंची चौकी या बेड के नीचे छिप जाएं। भूकंप के दौरान लोगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो पैनिक न करें और किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं, ऐसे में स्थिति और बुरी हो सकती है।

भारत को सशक्त बनाने के लिए मोदी को फिर से बनाना है प्रधानमंत्री : शिवराज

- मुख्यमंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया भारत के लिए भगवान का वरदान

श्योपुर, (हि.स.)। विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के अभियान में जुट गए हैं। विधानसभा चुनाव में जिन जिलों में भाजपा की हार हुई, वहां मुख्यमंत्री ने दौरे शुरू कर दिए हैं। वे बुधवार को छिंदवाड़ा पहुंचे थे और गुरुवार को गुरुवार को उन्होंने श्योपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा सभा चुनाव में श्योपुर की दोनों सीटें हार गए हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा को बहुमत से जिताना है। भारत को सशक्त बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। उनके नेतृत्व में वैभवशाली, संपन्न, समृद्ध, शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। वे भारत के लिए भगवान का वरदान हैं, हम उनके पीछे खड़े हैं। लोकसभा चुनाव में हम मिशन-29 पूरा करेंगे। प्रदेश में लखपति बहना अभियान शुरू होगा। कोई बहन गरीब नहीं रहेगी, किसी के आगे हाथ नहीं फैलाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम की शुरूआत लाड़ली बहनों की चरण वंदना कर की और उनका आशीर्वाद लिया। स्व-सहायता समूह की बहनों ने मुख्यमंत्री को 20 फीट लंबी राखी भेंट की, एक लाड़ली बहना ने मुख्यमंत्री को साफा बांधा और गदा भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पवित्र रिश्ता भाई-बहन का है। आज मेरी बहन ने मुझे पगड़ी बांधी है। पहले भाई पगड़ी बांधते थे। पगड़ी का मान और बहनों का सम्मान कभी कम नहीं होने दूंगा। आपको जो गारंटी दी है, वह एक-एक गारंटी पूरी की जाएगी, चिंता मत करना। उन्होंने सभा में कहा कि किसान भाइयों चिंता मत करना, प्रत्येक परिवार एक रोजगार मिलेगा, सरकारी योजनाओं पर काम करेंगे। आप लोगों ने मध्य प्रदेश में फिर से हमारी सरकार बनाने में सहयोग दिया है। जब तक मेरी सांस चलेगी, तब तक मैं आपको आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा। इसके बाद उन्होंने दोनों हाथ उठवाकर सभी को संकल्प दिलाते हुए कहा कि फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। मुख्यमंत्री चौहान ने सभा के पहले श्योपुर नगर पालिका भवन में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान कार्यकताओं ने भितरघात करने वाले नेताओं और कार्यकताओं को मंच से उतारने के लिए हंगामा कर दिया। हालांकि, बाद में मुख्यमंत्री के कहने पर सभी शांत हुए। उन्होंने कहा कि मैं यहां आपका मनोबल बढ़ाने के लिए आया हूं।

श्रम विभाग के सेवा मित्र से मिलेंगे बिजली मिस्त्री, बढ़ई, राजमिस्त्री, प्लम्बर

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के श्रम व रोजगार विभाग की ओर से सेवा मित्र नामक जनकल्याणकारी योजना शुरू की गयी है। जिसमें प्रदेशवासियों को घर बैठे बिजली मिस्त्री, बढ़ई, राजमिस्त्री, प्लम्बर जैसे हुनरमंद व्यक्ति की जानकारी मिलेगी। मोबाइल में ऐप डाउनलोड करने के बाद विद्युत समस्या होने पर बिजली मिस्त्री घर तक बुलाये जा सकेंगे। वहीं नल से पानी ना आने, टंकी की लिकेज होते ही प्लम्बर आपके द्वार पर आ खड़े होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथनानुसार हर हाथ में हुनर और हुनरमंद को काम, इस योजना पर कार्य करते हुए श्रम व रोजगार विभाग के अधिकारियों आईएएस अनिल कुमार थर्ड और आईएएस कुनाल ने सेवा मित्र को मूर्तरुप दिया। सेवा मित्र वेबसाइट पर जाने

पर सबसे पहले अपने जनपद के नाम को चयनित करना है। इसके बाद दूसरी ओर कैटगरी में जा कर जो भी हुनरमंद व्यक्ति चाहिए, उसे चयन करना है। सेवा मित्र पर इमरजेंसी डाक्टर, नर्स सेवा, सैलून सर्विस, पेंटिंग कार्य, कारपेंटर, टूर ट्रैवेल, मोबाइल रिपेयरिंग, लाउन्डरी सेवा, मैन पावर सर्विस, एसी रिपेयरिंग, इलेक्ट्रानिक सेवा, राजमिस्त्री सेवा, प्लम्बरिंग, पेस्ट कंट्रोल, डायग्नोस्टिक, कार मोटरसाइकिल रिपेयरिंग, सोलर लाइट सेवा, टेलरिंग सेवा, आर ओ वाटर सेवा और इसी तरह कई और सेवाओं से जुड़े हुनरमंद लोगों की पूरी जानकारी मिल रही है। लखनऊ के गुरु गोविन्द सिंह मार्ग पर रोजगार भवन से संचालित सेवा मित्र कार्यालय में आज कई नौजवान कार्य कर रहे हैं। सेवा मित्र के लिए एक कॉल नम्बर 155330 भी जारी किया गया है। जिसे मिलाकर सेवा मित्र को बुलाया जा सकता है। इसके साथ ही वेबसाइट पर कोई भी हुनरमंद अपने पहचान पत्र के साथ रजिस्ट्रेशन कर इस योजना से जुड़ सकता है।

पंच प्रण हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए: योगी

ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित बैनेट विश्वविद्यालय के पांचवे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें कार्य करना है। पंच प्रण हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए। जो भी करें देश प्रथम की भावना से कार्य करें। अभिभावक,छात्र,शिक्षक,सुरक्षाकर्मी यानि जीवन के जिस क्षेत्र में आप कार्य कर रहे हैं अपने कर्तव्यों को ईमानदारी पूर्वक पालन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीनकाल में भारत में दुनियाभर के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। हमारे यहां के विश्वविद्यालयों में हर प्रकार की शिक्षा दी जाती थी। योगी ने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक युवा हमारे देश में और देश में सर्वाधिक युवा हमारे प्रदेश में हैं। आज जिसे धर्म कहते हैं वह धर्म का एक पार्ट हो सकता है। उपासना विधि को धर्म नहीं मान सकते। उपासना व्यक्तिगत कार्य है। जो हमारे कर्तव्यों के प्रति और सदाचार का मार्ग अपनाने की प्रेरणा

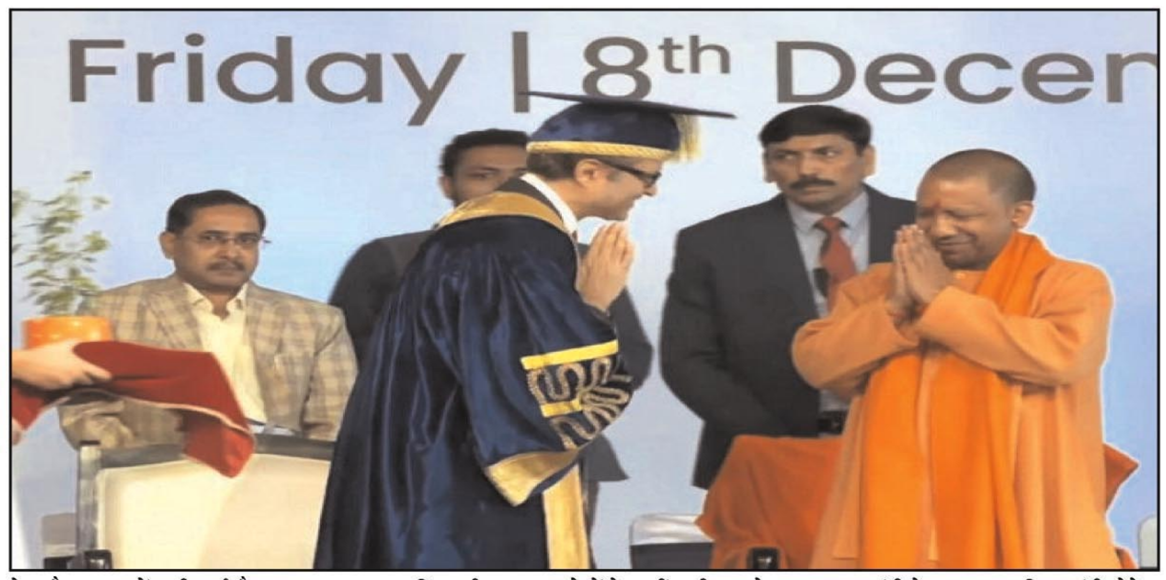

देता है वास्तव में वही धर्म है। भारत का हर युवा इस मार्ग का अनुशरण किया। भारत को दुनिया की ताकत बनने में देर नहीं लगी। पहले भारत दुनिया में विश्वगुरू के रूप में स्थापित था। मुख्यमंत्री के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय भी समारोह में उपस्थित रहे।

उप्र की ग्राम पंचायतें म्यूजिकल होंगी

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार 229 गांवों में संगीतमयी गांव बनाने जा रही है। सरकार ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। जिन गांवों का चयन हुआ है उसमें लखनऊ की 10 ग्राम पंचायतें भी शामिल हैं।संस्कृति विभाग की इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत को एक सेट वाद्ययंत्रों का दिया जाएगा। इनमें हारमोनियम, ढोलक, झांज, मंजीरा, करताल, घुंघरू दिए जाएंगे। इन संगीत उपकरणों की खरीद संस्कृति विभाग खुद करेगा। जिन ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है उनको लखनऊ में समारोह का आयोजन कर वाद्य यंत्र बांटे जाएंगे। इनपर संस्कृति विभाग का नाम भी लिखा होगा। चयन का आधार सांस्कृतिक गतिविधियों की परम्परा को देखते हुए किया गया है। पहले चरण में प्रत्येक मंडल मुख्यालय में 10 और शेष जिला मुख्यालय से पांच ग्राम पंचायत का चयन किया गया। लखनऊ में बीकेटी

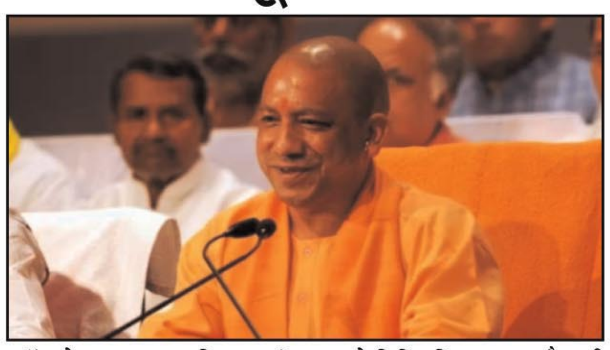

ब्लॉक से कठवारा, अकड़िया कलां, गोसाईंगंज से राय गुदौली, केवली, पहाड़नगर टिकरिया को चुना गया है। इसी तरह मलिहाबाद से हटौली, नवीनगर, माल और मोहनलालगंज से ससपन, अहिन्डर और अधैया को चुना गया है। इन पंचायतों में वाद्ययंत्र बांटे जाएंगे और यहां संगीतमय रंग बिखरते हुए नजर आएंगे। पर्यटन के लिए यूपी के 229 गांवों में संगीत वाद्य यंत्र बांटे जाएंगे। जिन गांवों में संगीत से जुड़ी कोई परम्परा रही है उनको चिह्नित किया जा रहा है। इसी क्रम में लखनऊ की 10 ग्राम पंचायतों को चुना गया है। परम्पराओं को बनाए रखने का उद्देश्य लोक संगीत, भजन, गायन से जुड़ी ग्रामीण स्तर पर कोई पुरानी परम्परा है तो वह लुप्त न हो। यही इस योजना का उद्देश्य है। जिला पंचायतीराज अधिकारी हिमांशु शेखर के अनुसार इसके अलावा संगीत वाद्यों के सहारे महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रमों के प्रसार में भी मदद मिलेगी।

2024 में केंद्र सरकार को बदलने के लिये जनता करेगी वोट : अखिलेश

बाराबंकी, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई बेरोजगारी से त्रस्त हो चुकी है। इसलिए जनता इस बार लोकसभा चुनाव में बदलाव के लिए वोट करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार की रात को सपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप के घर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बाराबंकी आये थे। उन्होंने हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर अखिलेश ने कहा कि इस बार

परिवर्तन के लिये जनता ने वोटिंग की है और हम सभी ने उसी का असर देखा। ऐसे में भाजपा की चिंता बढ़नी चाहिये। जनता भाजपा की खोखली बातों में नहीं आने वाली। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सब झूठ बोलने वाले हो, उनको जनता वर्ष 2024 में सबक सिखाएगी।

नाबालिग की इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में रखना गलत : हाईकोर्ट

इलाहाबाद(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। इस फैसले के तहत किसी भी नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध राजकीय बालिका संरक्षण गृह या किसी भी अन्य संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने इसी के साथ राजकीय बालिका संरक्षण गृह में रखी गई पीड़िता को उसके पति के साथ जाने की अनुमति दे दी है। साथ ही पति के खिलाफ दर्ज अपहरण और रेप का मुकदमा रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने जालौन के मनोज कुमार उर्फ मोनू कठेरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। जानकारी के मुताबिक मोनू कटारिया ने याचिका में उसके खिलाफ उरई में दर्ज अपहरण, रेप और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमे में दाखिल चार्ज शीट रद्द करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची के खिलाफ यह मुकदमा पीड़िता की मां ने दर्ज कराया है। जबकि वास्तविकता यह है कि पीड़िता के साथ उसका प्रेम संबंध था और दोनों ने अपनी मर्जी से शादी कर ली। लेकिन मेडिकल

रिपोर्ट में पीड़िता की आयु 16 वर्ष बताए जाने के आधार पर पीड़िता को राजकीय बालिका संरक्षण गृह भेज दिया गया और मोनू को इस मामले में जेल जाना पड़ा। बाद में हाईकोर्ट से उसकी जमानत हो गई। कहा गया कि मुकदमा दर्ज कराने के बावजूद पीड़िता की मां ने उससे अभिरक्षा में लेने से इनकार कर दिया, जिससे उसे संरक्षण गृह भेजना पड़ा। संरक्षण गृह में पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म भी दिया। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में अपनी आयु स्पष्ट रूप से 19 वर्ष बताई है। कहा गया कि याची पीड़िता का पति होने के कारण उसे अभिरक्षा में लेने के लिए अधिकृत है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के कई निर्णय का हवाला दिया कहा कि इस स्थिति में यदि पीड़िता नाबालिग भी है, तब भी उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। इस न्यायालय की राय में पीड़िता की आयु 18 वर्ष से अधिक की है। पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं इसलिए कोर्ट ने पीड़िता की कस्टडी उसके पति मोनू कठेरिया को सौंपने का निर्देश देते हुए मोनू के खिलाफ चल रहे मुकदमे की कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

भजन गायक अनुप जलोटा महादेवा महोत्सव की बढ़ाएंगे शोभा

बाराबंकी, (हि.स.)। जनपद में शुरू हो रहे महादेवा महोत्सव में होने वाले कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया गया है। कार्यक्रम 11 दिसम्बर से शुरू होकर 17 दिसम्बर को समाप्त होगा। उद्घाटन 11 दिसम्बर को सुबह 11 बजे होगा। शाम को मशहूर भजन गायक अनूप जलोटा का भजन होगा। 12 दिसम्बर को साधो बैंड कार्यक्रम और 13 दिसम्बर को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा। 14 दिसम्बर को प्रसिद्ध भक्ति संगीत गायिका मैथिली ठाकुर का कार्यक्रम होगा। 15 तारीख को कलर्स ऑफ इंडिया का आयोजन होगा। 16 दिसम्बर को भोजपुरी गायक अभिषेक राजपूत अपनी गायकी पेश करेंगे और 17 को ब्रज की होली के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। एसडीएम नागेंद्र पांडे ने बताया कि इसके अलावा डांस, वॉलीबॉल, कबड्डी और स्कूली बच्चों के कार्यक्रम भी होंगे। सूचना विभाग के कलाकार भी आयेंगे और विभिन्न विधाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

डायल 112 इंडिया ऐप को लेकर पुलिस चला रही जागरुकता अभियान

डायल 112 हर आपातकालीन स्थिति में काफी सहायक : एसपी

रांची, (हि.स.)। अब किसी भी आपातकालीन सेवा के लिए राज्य में डायल 112 इंडिया ऐप तैयार किया गया है। इस डायल 112 में फोन करने या ऐप के माध्यम से देश के नागरिक किसी भी कोने में सुरक्षा और सहायता आसानी से पा सकते हैं। इस महत्वपूर्ण डायल 112 को लेकर आम लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। लातेहार जैसे छोटे जिले में भी डायल 112 को लेकर आम लोगों को पुलिस डिपार्टमेंट के द्वारा जागरूक किया जा रहा है। पुलिस के अधिकारियों के द्वारा आम लोगों को यह बताया जा रहा है कि किस प्रकार डायल 112 लोगों को हर आपातकालीन स्थिति में मदद उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे सक्रिय है। किसी भी प्रकार की मुसीबत होने पर जब कोई व्यक्ति डायल 112 पर फोन करता है या ऐप के माध्यम से अपनी समस्याओं को भेजता है तो राज्य स्तर पर बनाई गई कंट्रोलिंग टीम के द्वारा तत्काल इस पर एक्शन लिया जाता है। राज्य की टीम पूरी सूचना लेने के बाद तत्काल

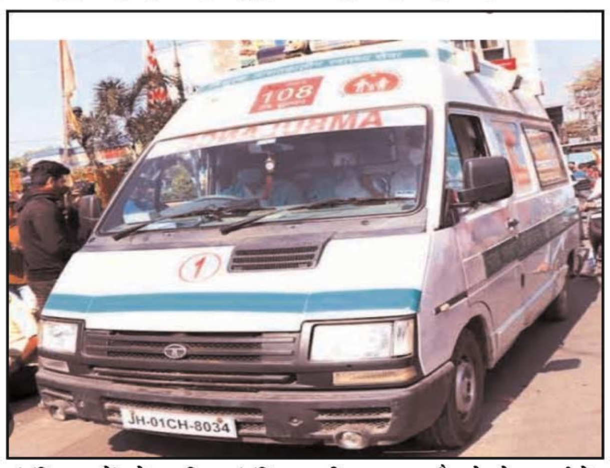

संबंधित थानों को या फिर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देता है। इसके बाद सूचना देने वालों को सहायता पहुंचाई जाती है। राज्य स्तर के अलावा जिला स्तर और थाना में भी इसके लिए एक टीम कार्यरत है, जो 24 घंटे सक्रिय रहती है। इसके अलावा मॉनिटरिंग टीम के द्वारा सूचना मिलने से लेकर सहायता पहुंचने तक की पूरी मॉनिटरिंग की जाती है। इस संबंध में लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि डायल 112 पूरे देश में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए डायल 112 इंडिया ऐप भी बनाया गया है, जो लोग स्मार्टफोन या आईफोन का उपयोग करते हैं, वह अनिवार्य रूप से अपने फोन में डायल 112 इंडिया ऐप को डाउनलोड कर लें। यह डायल 112 हर आपातकालीन स्थिति काफी सहायक है। एसपी ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से पुलिस विभाग से संबंधित सहायता तो प्राप्त की ही जा सकती है। साथ ही आपातकालीन मेडिकल, अग्निशमन अन्य आपातकालीन स्थिति में भी इसके माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है।

हजारीबाग में स्कूल वैन पलटने से एक दर्जन बच्चे घायल, चालक की मौत

हजारीबाग, (हि. स.)। जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र में एक स्कूल वैन पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन बच्चे घायल हो गए हैं। बताया जाता है कि जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के कटकमसांडी पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना हो गई। इसमें एक ओमनी वैन की एक बस से सीधी टक्कर हो गई। ओमनी में सवार एक दर्जन स्कूली बच्चे घायल हो गये। ओमनी वैन के चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना पाते ही कटकमसांडी थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा, समाजसेवी पप्पू पांडेय, कटकमसांडी की मुखिया कुमारी श्रीति पांडेय घटनास्थल पर पहुंचीं। इन लोगों ने मिलकर सभी घायलों को हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में घायल हुए बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ओमनी वाहन के परखच्चे उड़ गए और चालक की मौत हो गयी। आनन

फानन में स्थानीय लोगों के माध्यम से सभी स्कूली बच्चों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग लाया गया। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया। लगभग आधा दर्जन बच्चों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे संत अगस्टिन प्लस टू हाई स्कूल जलमा छड़वा के छात्र हैं। वे वैन से प्लस टू हाई स्कूल जलमा छड़वा पढ़ने आ रहे थे। घटना सुबह लगभग आठ बजे की है। सभी बच्चे कटकमसांडी क्षेत्र के हैं। घटना के बाद बच्चों के परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गयी। कटकमसांडी थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

हाई कोर्ट ने 1984 के दंगा पीड़ितों को मुआवजा भुगतान के मामले में तीन दिन में मांगा स्टेटस रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में मुआवजा भुगतान को लेकर कोर्ट के 15 सितंबर के आदेश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को तीन दिन में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर बताने को कहा है कि सिख दंगा पीड़ितों को किन-किन जिलों में कितना मुआवजा भुगतान किया गया है। कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है की बोकारो जिला में मुआवजा भुगतान के लिए एक करोड़ 20 लाख की अतिरिक्त राशि कंटीन्जेंसी फंड से उपलब्ध कराए जाने पर क्या हुआ। कैबिनेट ने भी इस पर अप्रूवल दे दिया है। इसके बाद भी बोकारो में मुआवजा भुगतान के लिए बोकारो जिला को एक करोड़ 20 लाख क्यों नहीं आवंटित की गई। इसके अलावा

मुआवजा को लेकर रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता में वन मैन कमिशन की रिपोर्ट की कॉपी भी कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था लेकिन सरकार द्वारा इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सका, जिसे सरकार की ओर से कोर्ट के समक्ष नहीं लाया गया था। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय एवं हस्तक्षेपकर्ता की ओर से फैसल अल्लाम ने पैरवी की। कोर्ट ने 15 सितंबर को अपने आदेश में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर सरकार को बताने को कहा था कि सिख दंगा के पीड़ितों को मुआवजा देने के कमीशन की रिपोर्ट पर क्या कार्रवाई हुई है। मुआवजा की राशि किन-किन जिलों में भुगतान की जानी है। बोकारो में मुआवजा भुगतान को लेकर क्या पहल की जा रही है। राज्य सरकार ने बताया था कि तीन जिलों रांची, पलामू और रामगढ़ में पीड़ितों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरूआत कर दी गई है जबकि बोकारो में मुआवजा वितरण के लिए अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। फंड मिलते ही बोकारो में भी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेन्द्र अमर को मिली खगड़िया जिला संगठन प्रभारी की जिम्मेदारी

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के सभी सांगठनिक जिलों में संगठन प्रभारी मनोनीत कर दिया है। इस सिलसिले में एक बार फिर बेगूसराय के सांसद प्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता अमरेन्द्र कुमार अमर पर विश्वास जताते हुए प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने उन्हें खगड़िया का संगठन प्रभारी घोषित किया है। अमरेन्द्र कुमार अमर को खगड़िया जिला का संगठन प्रभारी मनोनीत किए जाने पर भाजपा कार्यकताओं में हर्ष है। तमाम लोग इन्हें बधाई देते हुए प्रदेश अध्यक्ष का आभार जता रहे हैं। लोगों ने कहा है कि बाल काल से विचार परिवार से जुड़े अमर ने ना केवल भाजयुमो को गति दिया, बल्कि भाजपा में भी तन-मन से समर्पित हैं। कार्यकताओं के लिए सहज उपलब्ध अमरेन्द्र अमर को प्रभारी बनाए जाने से खगड़िया में भाजपा और मजबूत होगी। अमरेन्द्र अमर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मुझे राजा कर्ण की ऐतिहासिक त्याग, साधना, योग और अध्यात्म की भूमि मुंगेर का भाजपा संगठन प्रभारी बनाया था। वहां सभी लोगों ने असीम प्यार, स्नेह तथा पारिवारिक सदस्य के रूप में स्थान दिया, उसके लिए हृदय से आभारी हूं। प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार अब खगड़िया जिले के संगठन प्रभारी के रूप में कर्तव्य के निर्वहन का दायित्व मिला है। प्रदेश अध्यक्ष के गृह क्षेत्र मुंगेर में भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण पोद्दार एवं मुंगेर विधायक प्रणव कुमार का भरपूर प्यार मिला। उन्होंने कहा कि मुंगेर में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रविन्द्र बाबू कल्लू, प्रीतम पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रणय कुमार सहित सभी पदाधिकारियों का पारिवारिक स्नेह तथा असीम प्यार मिला। हमने अपनी क्षमता के अनुरूप कर्तव्य निर्वहन का प्रयास किया। सांगठनिक कार्यक्रम, बैठक, अभियान या अन्य विषयों में मुंगेर प्रभारी के रूप में कर्तव्य निर्वहन की शैली से किसी को भी ठेस नहीं लगाने का प्रयास किया।

रक्तदान जरूर करें, कई बीमारियों होती हैं दूर : एसपी

नवादा, (हि. स.)। नवादा शहर के प्रसाद बीघा में स्तिथ एचडीएफसी बैंक परिसर में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। इसका आयोजन एचडीएफसी बैंक टीम के द्वारा किया गया था।जहां एसपी अम्बरिस राहुल ने स्वेचक्षा से रक्तदान किया। एसपी ने बताया कि रक्तदान महादान है। सभी लोगों को डॉक्टर की सलाह लेकर तीन महीने बाद रक्तदान करनी चाहिए ।एसपी ने बैंक के द्वारा चलाए जा रहे इस मुहिम की सराहना की। शाखा प्रबंधक ने कहा कि बैंक द्वारा प्रत्येक वर्ष सभी शाखाओं में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाता है । पीड़ित मानवता की सेवा के उद्देश्य बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ताकि नवादा के विभिन्न ब्लड बैंकों में रक्त की कमी ना हो सके।

सड़क दुर्घटना सहित विभिन्न दुर्घटना में घायल गरीब मरीजों की सेवा के उद्देश्य से ही रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।ताकि उन्हें दुर्घटना की स्थितियों में रक्त के अभाव से जान ना देना पड़े। इस रक्तदान शिविर में बैंक कर्मियों के साथही एक दर्जन समाजसेवियों ने भी पीड़ित मानवता की सेवा को ले रक्तदान किया।

कर्नाटक में मृतक श्रमिक के घर पहुंचे शिक्षा मंत्री, बीएड शिक्षकों के प्रति जताई सहानुभूति

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार में छठे चरण के शिक्षक नियोजन के दौरान प्रथम से पंचम वर्ग तक नियोजित बीएड डिग्री धारी शिक्षकों के नौकरी पर संकट भले बिहार सरकार के लापरवाही से आई है। लेकिन अब हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद सरकार इस मामले में कन्नी काट रही है। कुछ ऐसा ही दिखा शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर के सामने। बीते रात बेगूसराय में एक शादी समारोह में शामिल होने आए बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री से जब पत्रकारों ने इस संबंध में पूछा तो उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश है। इसमें सरकार क्या कर सकती है। सरकार संवैधानिक मयार्दा के तहत अनुसरण करेगी। बिहार सरकार की सहानुभूति इन शिक्षकों के साथ है। इस मुद्दे पर न्यायालय के आदेश का अध्ययन चल रहा है। सहरसा के लौटने के दौरान बेगूसराय पहुंचे प्रो. चंद्रशेखर ने सबसे पहले बखरी में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उसके बाद कार्यकताओं के साथ वे गढ़पुरा प्रखंड

के सोनमा पहुंचे। जहां की बीते दिनों कर्नाटक में हुए एक फैक्ट्री में हुए हादसे में मृतक दोनों श्रमिक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। शिक्षा मंत्री ने मृतक के परिजनों से घटना के संबंध में पूरी जानकारी ली। उसके बाद दोनों मिलकर बच्चों को मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए बात किया।

जल्द नहीं दोनों मृतक के पांच बच्चियों का नामांकन कराया जाएगा। जहां कि उन्हें निशुल्क शिक्षा सहित अन्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से बात कर जल्द ही प्रवासी मजदूर योजना के तहत दो-दो लाख रुपए मुआवजा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। सोनमा के बाद शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर देर रात राजद जिलाध्यक्ष मोहित यादव, जिला उपाध्यक्ष-सह-बखरी विधानसभा संगठन प्रभारी हरेराम महतो उर्फ सुशील कुमार सहित अन्य कार्यकताओं के साथ गढ़पुरा प्रखंड के सकड़ा पहुंचे। जहां की वरिष्ठ राजद नेता स्व. सिकंदर यादव की पुत्री के शादी समारोह में शामिल हुए। वर-वधू को आशीर्वाद देने के साथ-साथ कार्यकताओं से भी विस्तार से बात की।

संपादकीया

नए कश्मीर का सूर्योदय

जम्मू कश्मीर का जिक्र होगा, तो नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर के संदर्भ में दो 'भयंकर गलतियां' (ब्लंडर) की थीं। भारत की आजादी के कुछ माह बाद ही कबाइलियों (पाकिस्तान की मुखौटा फौज) ने कश्मीर पर हमला कर दिया था। अभी युद्ध जारी था और हमारी सेनाएं जीत रही थीं। पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होने ही वाला था कि प्रधानमंत्री नेहरू ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। नतीजतन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा। वह उसे 'आजाद कश्मीर' कहता है, लेकिन भारत उस पीओके को अपना हिस्सा मानता है। संसद में इस आशय के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। दूसरी भयंकर गलती यह थी कि नेहरू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गए, लिहाजा आज भी कई देश इसे 'अंतरराष्ट्रीय मसला' करार देते हैं। इसके अलावा कश्मीर का आयाम यह था कि 'जनसंघ' के संस्थापक बनने से पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की पहली कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने आंदोलन खड़ा किया था कि कश्मीर में भी 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था होनी चाहिए। उस दौर में शेख अब्दुल्ला कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और कश्मीर का संविधान तथा ध्वज भी भारत से अलग थे। उस अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को संसद के जरिए समाप्त किया। आज कश्मीर भी पूरी तरह 'भारतीय' है। लोकसभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) और जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयकों को ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष ने वॉकआउट किया। इन विधेयकों के बाद जम्मू-कश्मीर में 'नया सूर्योदय' होगा। साफ है कि संघ शासित क्षेत्र का स्वरूप समाप्त कर कश्मीर का राज्यत्व बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, क्योंकि पुनर्गठन के तहत परिसीमन को स्वीकृति दी गई है। अब जम्मू में 37 से बढ़ा कर 43 सीट और घाटी में 46 के बजाय 47 सीट की व्यवस्था संसद में पारित की गई है। उपराज्यपाल कश्मीर प्रवासी समुदाय के 2 व्यक्तियों (एक महिला समेत) और विस्थापितों के एक प्रतिनिधि को विधानसभा में नामांकित कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर में पहले आरक्षण की व्यवस्था बेहद क्षीण थी। अब नौकरियों, शैक्षिक और व्यावसायिक संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति आदि के आरक्षण तय कर दिए गए हैं। कश्मीर के संदर्भ में पंडितों के विस्थापन, पलायन और आतंकवाद, अलगाववाद को भूला नहीं जा सकता। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंक और अलगाव की बुनियादी वजह अनुच्छेद 370 को माना है। अनुच्छेद 370 के कारण ही करीब 45,000 कश्मीरियों की मौतें हुईं। बहरहाल अब गृहमंत्री का दावा है कि आतंकवाद 70 फीसदी खत्म हो चुका है। उसके इकोसिस्टम पर हमले किए जा रहे हैं। आतंकी फंडिंग को नियंत्रित किया जा रहा है। आज अलगाववादियों के आह्वान पर घाटी में न तो हड़ताल होती है और न ही पथराव किया जाता है। अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर एक कंकड़ भी नहीं चला। अब हर तीन महीने पर सुरक्षा संबंधी समीक्षा की जाती है। कश्मीर घाटी में अब 4 नए थियेटर खुल चुके हैं। कश्मीर में फिल्में बनाई जाने लगी हैं। 2022-23 के दौरान 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर घूमने आए। गृहमंत्री का दावा तथ्यात्मक होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संसद के भीतर ये जानकारियां दी हैं, लेकिन यह कैसे भूला जा सकता है कि कश्मीरी पंडितों के 46,631 परिवारों और 1,57,967 लोगों को अपने ही देश में विस्थापित होना पड़ा था। बहरहाल कश्मीर में सूर्योदय होने लगा है। कारोबार और निर्यात फल-फूल रहे हैं। डल लेक में शिकारों की व्यस्तता बढ़ गई है। यदि पीओके हमारा है, तो उसे हासिल करने की कोशिशें भी स्पष्ट होनी चाहिए।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर के संदर्भ में दो 'भयंकर गलतियां' (ब्लंडर) की थीं। भारत की आजादी के कुछ माह बाद ही कबाइलियों (पाकिस्तान की मुखौटा फौज) ने कश्मीर पर हमला कर दिया था। अभी युद्ध जारी था और हमारी सेनाएं जीत रही थीं। पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होने ही वाला था कि प्रधानमंत्री नेहरू ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। नतीजतन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा। वह उसे 'आजाद कश्मीर' कहता है, लेकिन भारत उस पीओके को अपना हिस्सा मानता है। संसद में इस आशय के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। दूसरी भयंकर गलती यह थी कि नेहरू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गए, लिहाजा आज भी कई देश इसे 'अंतरराष्ट्रीय मसला' करार देते हैं। इसके अलावा कश्मीर का आयाम यह था कि 'जनसंघ' के संस्थापक बनने से पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की पहली कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने आंदोलन खड़ा किया था कि कश्मीर में भी 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था होनी चाहिए। उस दौर में शेख अब्दुल्ला कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और कश्मीर का संविधान तथा ध्वज भी भारत से अलग थे। उस अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को संसद के जरिए समाप्त किया। आज कश्मीर भी पूरी तरह 'भारतीय' है।

चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं

राजस्थान में नेताओं की आपसी कलह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को ले डूबी

रमेश सर्राफ

राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सिमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सिमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सिमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है।

बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सिमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए। चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्हीं दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था।

मगर कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर और होर्डिंगों में अशोक गहलोत ही छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे। सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ था। चुनाव से पहले शुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल और प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए।

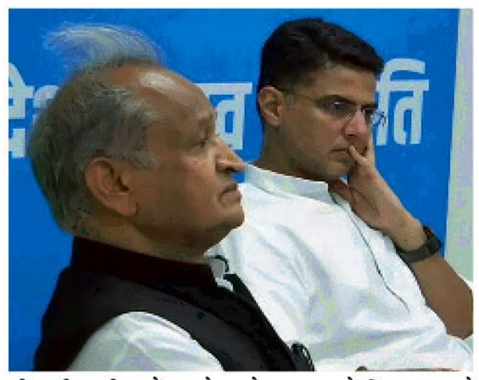

लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लीयर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा। अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी।

राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे।

राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंदर रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने में ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं।

कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी कि सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष और सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट की जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है। अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिलीं। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया।

अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे। कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी कांग्रेस जनता के बीच अपनी खोई पैठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की और अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस के लिए ताजा चुनावों के संकेत

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलांगना और मिजोरम समेत पांचों राज्यों की विधानसभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में आ गए थे। ये चुनाव 2023 में होने वाले चुनावों के अंतिम चुनाव कहे जा सकते हैं। इसके कुछ महीने बाद ही 2024 में देश की लोकसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसलिए देश की राजनीति में इनकी महत्ता ही नहीं बढ़ गई थी, बल्कि सभी राजनीतिक दलों का पारा भी जरूरत से ज्यादा चढ़ गया था। जहां तक इन चुनावों के नतीजों का सवाल है, भाजपा ने तीनों हिन्दी प्रदेशों यानी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत हासिल कर ली है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उसने कांग्रेस से सरकार छीनी है और मध्य प्रदेश में अपनी सरकार बरकरार रखी है। मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों में से भाजपा ने 163 पर जीत हासिल की। कांग्रेस के हिस्से केवल 66 सीटें आईं। राजस्थान विधानसभा की कुल 200

सीटों में से भाजपा ने 115 पर जीत हासिल की और कांग्रेस को 69 सीटें ही मिलीं। छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों में से भाजपा को 54 और कांग्रेस को 35 सीटें मिलीं। तेलंगाना विधानसभा में कुल 119 सीटें हैं। वहां अभी तक भारत राष्ट्र समिति की सरकार थी। कांग्रेस ने वह सरकार उससे छीन ली है। भाजपा ने 8 सीटें जीती हैं। ओवैसी का हैदराबाद और उसके आसपास थोड़ा असर लम्बे अरसे से है। उसने 7 सीटें जीती हैं। वैसे वह लम्बे अरसे से सात सीटें ही जीतता रहा है। दक्षिण के छह राज्यों तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, केरल, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश और तेलंगाना में भाजपा का प्रभाव नहीं है, ऐसा प्रायः माना जाता है। यह किसी सीमा तक सच भी कहा जा सकता है। उत्तर, पूर्व और पश्चिम में तो भाजपा मुख्य पार्टी है, लेकिन पूर्वोत्तर व दक्षिण में उसकी पैठ नहीं है। लेकिन धीरे धीरे भाजपा दक्षिण में भी आगे बढ़ रही है, इसके पुख्ता सबूत इस चुनाव ने भी दिए हैं। कर्नाटक में तो भाजपा मुख्य पार्टी है ही। वहां अब मोटे तौर पर भाजपा व कांग्रेस ही मुख्य दल हैं। कभी सरकार भाजपा की बनती है और कभी कांग्रेस की। यही राजनीतिक पंडित मानते हैं कि कर्नाटक भाजपा के लिए दक्षिण का सिंहद्वार बनाया है। पुदुच्चेरी में भी भाजपा सरकार में भागीदार है। पिछले चुनावों में भाजपा की महिला प्रत्याशी ने वहां के जाने माने अभिनेता कमल हासन को पराजित कर सभी को चौंका दिया था। भाजपा ने अपने बलबूते पहली बार वहां चार सीटों पर जीत हासिल की थी। अब सभी का ध्यान तेलंगाना की ओर लगा हुआ था। तेलंगाना में पिछले दस साल से एक क्षेत्रीय पार्टी भारत राष्ट्र समिति की सरकार थी। इन चुनावों में दो प्रश्न थे। क्या तेलंगाना भी तमिलनाडु और आन्ध्रप्रदेश की तरह क्षेत्रीय राजनीति का केन्द्र बन जाएगा और राष्ट्रीय दल हाशिए पर चले जाएंगे? तेलंगाना के मुख्यमंत्री इसी प्रयास में लगे थे। लेकिन तेलंगाना के लोगों ने इसे नकार दिया। कांग्रेस ने वहां इस क्षेत्रीय दल को पराजित कर जरूरत से तीन सीटें ज्यादा हासिल कर सरकार उससे छीन ली। लेकिन भाजपा के लिए तो यहां इससे भी बड़ा सवाल था। क्या भाजपा की यह दक्षिण यात्रा जारी रहेगी या फिर तेलंगाना इसको रोक देगा? 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा यहां केवल एक सीट जीत पाई थी। उसके बाद हुए दो उपचुनावों में भाजपा ने दो सीटें और जीत लीं। पिछले साल ही मीडिया में यह चर्चा भी होने लगी थी कि भाजपा तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति को पराजित करने की हालत में पहुंच गई है।

कुछ अलग

त्रियूंड की पर्ची

ट्रैकिंग टूरिज्म के बढ़ते रुझान ने कम से कम हिमाचल की पर्यावरणीय जरूरतों, पर्वतारोहण की मंजिलों तथा सैलानियों की शिनाख्त में शुल्क लगाने की परंपरा तो शुरू की। त्रियूंड की तलहटी में उभरा ट्रैकिंग संसार अब पर्यटन व्यापार से लोहा ले रहा है। पर्यटन की सफलता केवल आंकड़े नहीं, बल्कि अनुभव का विस्तार तथा सुविधाओं का एहसास है। इसी खोज में सैलानियों का कारवां बनता व आगे बढ़ता है। हिमाचल में युवा पर्यटन की खोज का विस्तारित स्वरूप त्रियूंड, शिकारी देवी, पराशर झील तथा चूड़धार जैसे स्थलों को चिन्हित करके आगे बढ़ रहा है, तो इसकी चुनौतियां व समाधान भी तराशने होंगे। इसी तरह के ईको टूरिज्म के प्रसंग और प्रवृत्ति को समझते हुए त्रियूंड का ट्रैक अब दो सौ रुपए की पर्ची काट रहा है, तो ट्रैवल इंडस्ट्री के लोग शोर मचा रहे हैं। विश्व में ही नहीं, भारत वर्ष के पर्यटन समृद्ध राज्य हर आकर्षण की पर्ची काट रहे हैं, तो इस तरह की कोशिश हिमाचल को सही मायनों में पर्यटन आर्थिकी से जोड़ेगी। यह दीगर है कि दो सौ रुपए की पर्ची के तहत सुकून व सुविधा की गारंटी मिलनी चाहिए। हिमाचल में आने वाले सैलानी अगर मकलोडगंज में महज बेसन में तला सौ रुपए का पकौड़ा खा सकते हैं या मनाली अटल टनल के रास्ते पर उबली हुई मैगी के लिए सौ से डेढ़ सौ रुपए उड़ा सकते हैं, तो पर्यावरणीय सुकून के लिए शुल्क क्यों नहीं चुकाएंगे। दरअसल ट्रैकिंग पर्यटन के नाम पर एक माफिया पैदा हो रहा है जो कमाई के लिए तो व्यवस्थित है, लेकिन हिमाचल की छवि के विपरीत दोहन कर रहा है। किसी भी तरह के शुल्क से सैलानी को परहेज नहीं, बशर्ते इसका लक्ष्य मनोरंजन, मनोरम दृश्यावली, सुकून और सुविधा से परिपूर्ण एहसास कराए। हिमाचल के पर्यटन की विडंबनाओं को समझते हुए उचित कदम उठाने होंगे। पिछले दशक में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की युवा कैटेगिरी ने दल और दलदल पैदा किए। यानी समूह बढ़ते और आरोहण करते-करते शिकारी देवी या चूड़धार पहुंच गए, लेकिन बदले में ऐसे निशान छोड़ गए जो पहाड़ के लिए माफिक नहीं हैं। पहाड़ को ऐसे कदमों से सुरक्षित रखने के लिए निरंकुश आवागमन रोकने के अलावा इन्हें रेगुलेट करने की परम आवश्यकता है। केरल में किसी कृत्रिम झील को निहारने की कीमत तय है, तो हिमाचल के पर्वतीय नजारे, बागबानी की छटा, बर्फबारी या नदी में बहते पानी की कलाकारी क्यों न शुल्क अदायगी की शर्त से परिपूर्ण हो। पर्यटन की गुणवत्ता बढ़ा कर ही हिमाचल के संदर्भ मजबूत होंगे तथा ऐसे शुल्क आजमाने से विविध पहलू सशक्त होंगे। मसलन त्रियूंड जाने की शुल्क अदायगी अगर सहूलियतों के हिसाब से पारंगत करें, तो इस ट्रैक की क्षमता मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ेगी। कल तक त्रियूंड पहुंच रहे पर्यटकों की गिनती तो हो रही थी, लेकिन इनकी क्षमता को तोला नहीं जा रहा था। अब यह संभव है क्योंकि औसतन हर साल करीब 80 हजार से एक लाख तक पर्यटकों का आगमन त्रियूंड में हो रहा है। अगर अस्सी हजार पर्यटक दो सौ रुपए शुल्क दें तो खजाने में एक करोड़ साठ लाख लाएंगे। इसी तर्ज पर हिमाचल सरकार अगर सौ दृश्यावलियां ट्रैकिंग के हिसाब से विकसित कर दे तो डेढ़ से दो सौ करोड़ कमाए जा सकते हैं। इतना ही नहीं त्रियूंड में तकरीबन तीस हजार पर्यटक साल में रुकते भी हैं, तो इनके रहने के लिए टैंट कालोनी में प्रति व्यक्ति हजार रुपया भी लिया जाए, तो साल में तीन करोड़ की आमदनी होगी यानी सारी आय करीब साढ़े चार से पांच करोड़ होगी और अगर यही व्यवस्था सौ केंद्रों पर हो तो पांच सौ करोड़ से अधोसंरचना, सुविधा तथा प्रबंधन की दृष्टि से निरंतर बेहतरी होती रहेगी।

देश दुनीया से

सिंथेटिक ट्रैक्स को तबाह मत करो

हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं। क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल व नाहन आदि जगहों पर थे।

आज हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट पंद्रह दिन कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं। क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल व नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों, उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर की सोच ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। विशाल लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से बिलासपुर में सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है, इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सेंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी। तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की है। नयी खेल नीति में लिखा है कि सरकार विभिन्न खेल संघों, पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों से इन सुविधाओं का उपयोग कराने के लिए खेल अकादमियों का गठन कराएगी। अच्छे प्रशिक्षकों को खेल विभाग में कम से कम पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करेगी।

आप का नजरीया

मेरा पुरस्कार चक्कर...

मैंने पचास पुस्तकें पता नहीं किस नशे में लिख लीं। लेकिन पुरस्कार के नाम पर स्थानीय नगरपालिका ने मुझे गणतंत्र दिवस पर माला पहनाकर सम्मानित किया है। नकद राशि वाला मुझे एक भी पुरस्कार नहीं मिला है। मैं आजकल बस यही सोचता हूं कि कोई बड़ा पुरस्कार कैसे मारा जा सकता है। किताबें हैं और साहित्य में समग्र रूप से योगदान भी है, लेकिन कोई सरकार या संस्था मुझे कोई पुरस्कार नहीं दे रही। मैंने किताबें लिखने में अपने जीवन के साठ वसंत पूरे कर लिए हैं। विचार करता हूं तो पाता हूं कि मुझे केवल किताब लिखकर ही तसल्ली नहीं करनी चाहिए, अपितु भागा-दौड़ी भी करनी चाहिए। मुझ से जूनियर तीन-तीन किताबें लिखकर कई पुरस्कार बटोर चुके हैं। समझ में तो आने लगा है कि पुस्तक प्रकाशन ही पुरस्कार लेने के लिए पर्याप्त नहीं है। उचित तो यह रहता है कि उसके साथ नियोजित समीक्षा, प्रभावशाली साहित्यिक गुट को ज्वाइन करना तथा पुरस्कारों के पीछे भागना, ये तीनों उपाय जरूरी हैं। कल भ्रमर जी मिल गए थे। कुशलक्षेम पूछने लगे तो मैंने कहा-'अमां भ्रमर जी हाल बेहाल है। यार हम तो किताबें लिखने-छपाने में साठ वर्ष गुजार आए, लेकिन उसका प्रतिफल पुरस्कार रूप में शून्य है। आप बताइये न, कैसे क्या करें। अब तो कोई बड़ा पुरस्कार मिलना ही चाहिए।' भ्रमर जी हंसकर बोले-'घबराते क्यों हो शर्मा, तुम कहोगे उस दिन मंच पर माला और दुशाला पहनावा देंगे, सार्वजनिक सम्मान हो जाएगा, तालियां बजवा देंगे। बोलो और क्या चाहते हो?' मैं बोला-'भ्रमर जी सम्मान का क्या करूं। कुछ नकद राशि वाला लक्खी पुरस्कार दिलवाने की जुगाड़ करो। मैं तो किसी को जानता-वानता नहीं। आप तो साहित्य के घुटे हुए खिलाड़ी हैं। आपने तो पहली पुस्तक पर पचास हजार झटक लिए थे।' 'देखो शर्मा, तुम खामख्वाह किताबें लिखने में उलझे रहे। कभी हमको घास ही नहीं डाली। अब चुकने और थकने लगे तो आ गए हमारे पास। देखो पुरस्कार तो लक्खी भी मिल जाएगा, परंतु देखो खर्चा-पानी करना होगा। मेरा मतलब लाख रुपए में से बीस हजार हाथ लगेंगे, बाकी जोड़-तोड़ में लग जाएंगे।' वे बोले। मैंने कहा-'क्या मतलब?' 'तुम्हारी यही बात है, तुम हर बात का मतलब पूछने लगते हो। मतलब के चक्कर में ही तुम इतने पिछड़े हुए हो। तुम्हें आम खाने से मतलब होना चाहिए, पेड़ों को गिनने से क्या फायदा? बोलो लोगे क्या, एक लाख वाला बीस हजार में। तुम्हें मंजूर हो तो मैं कार्यवाही करूं। यदि तुम्हारे गले की फांस बन रहा है तो फिर रहने दो।' भ्रमर जी ने पैंतरा मारा। मैं बोला-'भ्रमर जी मानता हूं भागते चोर की लंगोटी से भी संतोष करना पड़ता है, लेकिन यार थोड़ा राशि तो बढ़ाओ। एक लाख में से अस्सी हजार खर्च करना बड़ा ही महंगा कार्य है। मेरा मतलब पचास प्रतिशत तक बैठ जाए तो, देखो न।' 'शर्मा तुम्हारे भाग्य में पुरस्कार लेना है नहीं। ऐसा करो तुम तो कागज काले करो। इसी से अमर रचनाकार बन जाओगे। पुरस्कार की जब तुम तिकड़में जानते ही नहीं हो तो क्यों इसके पचड़े में पड़ते हो।

डेनमार्क में कुरान जलाने पर बैन : सरकार बोली – ये देश की सुरक्षा के लिए खतरा ; भारत ने इस मुद्दे पर दिया था पाक का साथ

कोपेनहैगन।

डेनमार्क में सार्वजनिक जगहों पर कुरान जलाने पर बैन लगा दिया गया है। मुस्लिम देशों ने तनाव कम करने के लिए डेनमार्क की संसद ने ये फैसला लिया। न्याय मंत्री पीटर हमलगार्ड ने बताया- जुलाई के बाद से ऐसे 500 से ज्यादा प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें कुरान या झंडे जलाना शामिल था। इनकी वजह से डेनमार्क के दूसरे देशों से रिश्तों, हमारे हितों और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। संसद में 5 घंटे की बहस के बाद 179 में से 94 सांसदों से इस फैसले के पक्ष में तो वहीं 77 सांसदों ने इसके विरोध में वोट किया।

विरोधी पार्टी बोली- ये अभिव्यक्ति की आजादी को खतरा – सरकार ने बताया कि नए कानून में कुरान या किसी भी धार्मिक ग्रंथ को फाड़ना, जलाना और सार्वजनिक रूप से उसका अपमान करना या वायरल होने के लिए उसका वीडियो बनाना प्रतिबंधित हो गया है। डेनमार्क डेमोक्रैट्स पार्टी के लीडर इंगर स्टोजबर्ग ने कहा- इस फैसले के लिए इतिहास में हमारी निंदा होगी। सवाल ये है कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी पर बैन हमने तय किया है या बाहरी ताकतों ने हमसे ऐसा करवाया है। इस कानून को तोड़ने वाले को 2 साल जेल की सजा और जुर्माना लगाया जाएगा। स्वीडन में भी कुरान को जलाए जाने पर रोक लगाने को लेकर चर्चा चल रही है।

स्वीडन-डेनमार्क में जून में जलाई गई थी कुरान – हालांकि, वहां इस पर बैन लगाने की बजाय पुलिस की कार्रवाई को और सख्त करने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। दरअसल, जून में डेनमार्क के पड़ोसी देश स्वीडन में ईद-अल-अजहा के मौके पर एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद उसने स्वीडन का झंडा भी लहराया था। इस घटना के बाद जुलाई में डेनमार्क में भी कुरान के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए थे। इसका विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने इराक की राजधानी बगदाद में डेनमार्क के दूतावास पर हमला करने की कोशिश की थी। इसे देखते हुए डेनमार्क ने अपनी सीमा पर सुरक्षा को बढ़ा दिया था जिसे बाद में 22 अगस्त को फिर से सामान्य कर दिया गया। इन घटनाओं को लेकर सऊदी अरब, यूएई , तुर्किये, पाकिस्तान सहित सभी इस्लामिक देशों ने आपत्ति जताई थी।

इस्लामिक देशों के किया था विरोध – भारत ने भी यूएन की ह्यूमन राइट्स काउंसिल में इस मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इससे पहले जनवरी में भी डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में एक दक्षिणपंथी नेता ने तुर्किये के दूतावास के बाहर और एक मस्जिद के पास कुरान की प्रतियां जलाई थीं।

न्यूज ब्रीफ

5 साल में विदेश पढ़ने गए 403 भारतीयों की मौतः इनमें से 91 कनाडा में मारे गए, वजह- एक्सीडेंट और खराब स्वास्थ्य

वॉशिंगटन। पिछले 5 साल में 403 भारतीय छात्रों की विदेश में मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 91 मौतें कनाडा और 48 मौतें ब्रिटेन में हुई हैं। इनमें से ज्यादा मौतें प्राकृतिक कारणों, दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से हुईं। पढ़ाई के लिए विदेश गए भारतीय छात्रों की मौतों के बारे में सरकार ने संसद में यह चौंकाने वाली जानकारी दी। सबसे ज्यादा मौतें कनाडा में क्यों हुईं इस सवाल के जवाब में संसद के बाहर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि वहां जाने वाले छात्रों की संख्या भी अन्य देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है। अमेरिका के न्यूजर्सी में भारतीय मूल के परिवार की हत्या, पुलिस को घर से 4 शव मिले अमेरिका के न्यूजर्सी में भारतीय मूल के एक परिवार की हत्या कर दी गई। पुलिस को घर से 4 लोगों के शव मिले हैं। इनमें 2 बच्चों के हैं। बच्चों की उम्र 10 साल और 6 साल है। पुलिस ने कहा- मरने वाले दो लोगों के नाम तेज प्रताप सिंह और सोनल परिहार है। 4 अक्टूबर को पड़ोसियों ने घर को चेक करने के लिए पुलिस को सूचना दी थी। आज शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है। अमेरिका के ओहायो में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे एक भारतीय स्टूडेंट की मौत हो गई। पुलिस ने बताया की घटना 9 नवंबर की है। आदित्य अदलखा नाम के भारतीय स्टूडेंट को एक कार में गोली मार दी गई थी। दो दिन बाद यानी 11 नवंबर को उसकी मौत हो गई थी। ये खबर अब सामने आई है। इस मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

बेघर अतिक्रमणकारी ने पहले की भारतीय मूल के मोटेल मालिक की हत्या, फिर खुद को कमरे में कैद कर मारी गोली

न्यूयॉर्क । अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में 46 वर्षीय भारतीय मूल के मोटेल मालिक को एक बेघर अतिक्रमणकारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी जान लेने से पहले खुद को एक कमरे में कैद कर लिया था। पुलिस ने बताया कि ठीक 10 बजे उन्हें एक कॉल आया जिसमें पुलिस को होस्टेज हाउस में एक व्यक्ति के अतिक्रमण होने की जानकारी दी गई। थोड़ी देर बाद दूसरा कॉल आया जिसमें बताया गया कि अतिक्रमणकारी ने खुद को गोली मार ली। आरोपी की पहचान टोरी केल्लम के तौर पर की गई है। मोटेल मालिक के बाहर निकलने के बाद आपातकालीन कर्मी उन्हें इलाज के लिए कार्टेरेट हेल्थ केयर ले गए, जहां उन्हें बाद में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मोटेल मालिक यह व्यवसाय अपने परिवार के साथ चलाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान होस्टेज हाउस और अन्य क्षेत्रों में अवैध कब्जा करने वालों के तौर पर किया गया है। कई घंटों तक पुलिस और आरोपी के बीच बातचीत होती रही। स्पेशल रिस्पॉन्स टीम (एसआरटी) आरोपी को लगातार सरेंडर करने के लिए मना रहे थे।

बेरुत को गाजा बना देंगे, अगर..., इजराइली पीएम ने लेबनान-हिजबुल्ला को दी धमकी

तेल अवीव । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने धमकी दी है कि अगर हिजबुल्ला ने दक्षिणी लेबनान से

इजराइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने की कोशिश की तो वह बेरुत को गाजा में तब्दील कर देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्ला ने तय कर लिया है कि वह युद्ध करेगा तो वह अपने हाथों से बेरुत और दक्षिणी लेबनान को गाजा और खान यूनिस में तब्दील कर देंगे। बेंजामिन नेतन्याहू इजराइली सेना के नॉर्दर्न कमांड के मुख्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने हिजबुल्ला को यह धमकी दी। बता दें कि इजराइली सेना की नॉर्दर्न कमांड ही हिजबुल्ला के हमलों का जवाब देती है और लेबनान बॉर्डर पर सुरक्षा करती है। बता दें कि हमास के 7 अक्तूबर के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है, जिसमें अभी तक गाजा पट्टी में 17,177 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 7 हजार बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं हमास के हमले में इजराइल में 1400 लोगों की मौत हुई थी और 240 लोगों को बंधक बनाया गया था। इजराइली सेना उत्तरी गाजा में अपना ऑपरेशन चला चुकी है, जिसमें बड़ी संख्या में हमास के आतंकियों को मारने का दावा किया जा रहा है।

तालिबान को सीपीईसी में शामिल कराएगा चीन

पाक की बजाय अब अफगानिस्तान में मौका देख रहा ; भारत को ये प्रोजेक्ट मंजूर नहीं

लंदन।

चीन ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर चुके तालिबान के नामित अधिकारी को हाल ही राजनयिक दर्जा दे दिया है। हालांकि इसको लेकर चीन ने सफाई भी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा- हमारा मानना है कि अफगानिस्तान के लंबे समय से अच्छा पड़ोसी है। ऐसे में अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले चीन ने तालिबान को कर्जजाल वाली बेल्ट एंड रोड परियोजना के लिए आयोजित फॉरम में भी बुलाया था। एक्स्पर्ट्स का कहना है कि लंबे समय से चीन की नजर अफगानिस्तान के खनिज संसाधनों पर है। इसके साथ ही वह पाकिस्तान में चल रहे संघर्ष और वहां चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर की परियोजनाओं के विरोध के चलते परेशान है। इसी कारण वह पाकिस्तान से आगे अफगानिस्तान में संभावनाएं देख रहा है। लंदन में रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट में सीनियर एसोसिएट फेलो रैफेलो पेंटुची के मुताबिक बेल्ट एंड रोड फोरम में तालिबान का शामिल होना बताता है कि वह निवेश में आगे बढ़ चुका है। यह भी कहा जा रहा है कि बीआरआई के सीपीईसी के तहत कुछ परियोजनाओं में अफगानिस्तान को लाने की बात चल रही है।

सीपीईसी में कई इंफ्रा प्रोजेक्ट हैं, जो अरब सागर तक जाते हैं

तालिबान ने लगातार बीआरआई में भागीदारी की इच्छा जताई है। तालिबान के साथ चीन इसलिए भी आगे बढ़ना चाहता है कि पाकिस्तान में मौजूद तालिबान के दूसरे धड़े ने चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना को लेकर चेतावनी दी है कि सरकार या तो निर्माण की लागत का 5 प्रतिशत भुगतान करे वर्ना 3200 किलो लंबे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को तबाह कर देगा। इसमें रेलवे समेत कई इंफ्रा प्रोजेक्ट हैं, जो अरब सागर तक जाते हैं। परियोजनाओं में अफगानिस्तान को लाने की बात चल रही है। तालिबान ने लगातार बीआरआई में भागीदारी की इच्छा जताई है। तालिबान के साथ चीन इसलिए भी आगे बढ़ना चाहता है कि पाकिस्तान में मौजूद तालिबान के दूसरे धड़े ने चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना को लेकर चेतावनी दी है कि सरकार या तो निर्माण की लागत का 5 प्रतिशत भुगतान करे वर्ना 3200 किलो लंबे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को तबाह कर देगा। इसमें रेलवे समेत कई इंफ्रा प्रोजेक्ट हैं, जो अरब सागर तक जाते हैं।

बीआरआई में तालिबान के शामिल होने से आतंकवाद और बढ़ने का खतरा

चीन की तालिबान को बीआरआई के विस्तार में शामिल करने की मंशा के कई पहलू हैं। पहला- वह वहां लंबे समय से निवेश करने वाले भारत का प्रभाव कम करना चाहता है। अगर तालिबान उसके कर्जजाल में फंस गया तो निश्चित ही भारत के लिए चिंता की बात है। भारत ने अफगानिस्तान में बिजली, पानी, सड़क जैसी परियोजनाओं में निवेश किया है, जिसका फायदा जनता को होता है। पर चीन सीधे शासकों का फायदा पहुंचाता हैं। डर है कि चीनी पैसा तालिबानी शासकों के हाथ जाएगा, जो आर्थिक तौर पर मजबूत होंगे। इससे पाकिस्तान में आतंकी वारदात बढ़ने की आशंका है। आंच भारत पर भी आ सकती है। दूसरा- पाकिस्तानी सेना या सरकार की सहमति के बगैर चीन इस परियोजना को अफगानिस्तान शिफ्ट नहीं कर सकता। इसके बदले में चीन से पाकिस्तान कहेगा कि तालिबान से बेहतर रिश्ते कराने में मदद करे। तीसरा- बीआरआई के अफगानिस्तान में विस्तार से अमेरिका को परेशानी होगी। आखिरी बात ये है कि चीन से अफगानिस्तान के लोगों को कोई फायदा नहीं होगा। चीन निर्माण में अपने ही लोगों को काम देता है, जिन्हें चीन की जेलों तक से भेजा जाता है।

गाजा में संघर्ष के दौरान इजराइली मंत्री के बेटे की मौत, नेतन्याहू ने शहीद को बताया बहादुर योद्धा

यरूशलम ।

इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम के बाद से लगातार जंग जारी है। युद्ध में अब तक 16 हजार से भी अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच इजराइली डिफेंस फोर्स ने बताया कि युद्ध में केंद्रीय मंत्री के बेटे की भी मौत हो गई है। मंत्री का बेटा इजराइली सेना में सार्जेंट के पद पर तैनात था, जो उत्तरी गाजा में संघर्ष के दौरान मारा गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक कुल 89 इजराइली सैनिकों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी गाजा के जबालिया शिविर में सैनिकों के पास एक सुरंग में बम विस्फोट हो गया था। इसी धमाके में इजराइली मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख गादी ईसेनकोट का बेटा मास्टर सार्जेंट गैल मीर ईसेनकोट (25) घायल हो गया। उन्हें घायल हालत में तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन अस्पताल जाते वक्त उन्होंने दम तोड़ दिया। ईसेनकोट के साथ-साथ 6623वीं टोही बटालियन के मेजर जोनाथन डेविड डिच भी गाजा पट्टी में शहीद हो गए। इसके अलावा तीन सैनिक घायल भी हो गए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। इजराइली सांसदों और नेताओं ने ईसेनकोट के बेटे की मौत पर संवेदनाएं व्यक्त की है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गैल एक बहादुर योद्धा है और सच्चा नायक है। इजराइली नेता बेनी गैंट्ज ने कहा कि हम दुखी है। गैल अब हमारे साथ नहीं हैं। जिस मिशन को पूरा करने में गैल ने जान गंवाई, उस मिशन को पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा हम जीत तक लड़ते रहेंगे। हमारे नायकों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। वहीं, इजराइली राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि गैल बचपन से ही राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। उन्हें देश प्रेम की शिक्षा दी गई थी। पूरे देश के साथ-साथ मैं शोक ग्रस्त परिजनों के साथ हूं। हम अपने लोगों और अपने प्यारे देशों की रक्षा के लिए तत्पर हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना ने हमास के आंतकियों को निर्वस्त्र कर गाजा के फलस्तीन स्क्वायर में घुमाया। सभी आतंकी इजराइली सैन्य ट्रक के पीछे चल रहे थे। इसके बाद सभी आंतकियों को सेना ने घुटने के बल बैठा दिया और उनके हाथों को कंधों के पीछे बांध दिया। आईडीएफ द्वारा आंतकियों के साथ किए जा रहे इस सुलूक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मिस्त्र की इजराइल से कूटनीतिक संबंध तोड़ने की धमकी अमेरिका ने गाजा में हमलों को लेकर जताई नाराजगी

तेल अवीव ।

गाजा पट्टी में इजराइली हमलों के चलते बड़ी संख्या में फलस्तीनी लोग गाजा छोड़कर मिस्त्र की सीमा में दाखिल हो रहे हैं। अब इसे लेकर मिस्त्र ने नाराजगी जाहिर की है और धमकी दी है कि अगर उन उनके यहां शरणार्थियों का आना बंद नहीं हुआ तो वह इजराइल के साथ अपने कूटनीतिक संबंध खत्म कर देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा पट्टी से लोग मिस्त्र के सिनाई पेनिनसुला पहुंच रहे हैं।

इजराइल हमास युद्ध से जुड़े ताजा अपडेट

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान में गाजा पट्टी में मारे जा रहे आम नागरिकों की मौतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दक्षिणी गाजा में इजराइल की कार्रवाई को एक हफ्ता बीत गया है लेकिन उन्होंने वादा किया था कि आम नागरिकों की सुरक्षा की जाएगी लेकिन उनके वादे और असल नतीजों में अंतर दिख रहा है। वॉशिंगटन में ब्रिटेन के विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही। वहीं व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सहयोगी जॉन फिनर ने कहा है कि अमेरिका ने इजराइल को सामने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है। फिनर ने कहा कि अगर अभी लड़ाई रुक जाती है तो इससे हमास का खतरा बना रहेगा। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र को संकेत दिए हैं कि वह केरेम शालोम क्रॉसिंग को जल्द खोल सकता है ताकि गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने में तेजी आ सके। फिलहाल इसे लेकर बातचीत चल रही है। वहीं युद्ध के चलते गाजा में मानवीय संकट गहरा गया है। हजारों फलस्तीनी अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की है कि वह इस मानवीय आपदा को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाजा में रहने वाली 80 फीसदी आबादी अपने घर छोड़कर पलायन कर चुकी है। गाजा में टेलीकॉम सेवाएं बंद है और खाने-पानी और दवाईयों की भी समस्या हो रही है।

महिला के बेघर होने के डर का फायदा उठा किया दुर्व्यवहार मानव तस्करी के आरोप में भारतीय मोटल मैनेजर को जेल

वॉशिंगटन ।

जॉर्जिया में एक भारतीय मोटल प्रबंधक को गुलामी के लिए एक महिला की तस्करी करने के जुर्म में 57 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, सात लोगों को 40 हजार डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

पीड़िता की थी मजबूरी

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 71 साल के श्रीश तिवारी ने सन् 2020 में जॉर्जिया के कार्टर्सविले में बजटेल मोटल का काम शुरू किया था। इसी दौरान उसने एक महिला को मोटल में नौकरानी के रूप में काम पर रखा और उसे रहने के लिए एक कमरा दिया। तिवारी को पता था कि पीड़िता पहले ही बेघर हो चुकी है। वह नशे की लत से जूझ रही थी और अपने छोटे बच्चे की कस्टडी खो चुकी थी।

ऐसे दिया सहारा

तिवारी ने पीड़िता से वादा किया था कि वह उसे वेतन और रहने के लिए एक अपार्टमेंट देगा। इसके अलावा उसके बच्चे को हासिल करने में उसकी मदद करने के लिए भी कहा था। लेकिन तिवारी ने बाद में ऐसा कुछ नहीं किया। बल्कि पीड़िता को मोटल में आने वाले लोगों से भी बात करने को मना कर दिया। इतना ही नहीं, पीड़िता अपने घरवालों से बात करना बंद कर दें, इसके लिए उसे बरगलाया कि उसके घरवाले उसकी परवाह नहीं करते हैं।

कानून प्रवर्तन को नशे की

अभियोजकों ने कहा कि तिवारी ने पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाए और अक्सर उसे मोटल से निकालने की धमकी देता था। साथ ही उसके नशे के सेवन की जानकारी कानून प्रवर्तन या बाल कल्याण एजेंसियों को देने की भी धमकी देता था। पीड़िता ने बताया कि तिवारी ने एक दिन उसे रात में कमरे से बाहर निकालकर अंदर से बंद कर लिया था और उसे धमकी दी थी कि अगर उसे रहना है तो शारीरिक संबंध बनाने होंगे।

कहीं भी हो सकती है मानव तस्करी

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की सहायक अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा, मानव तस्करी कहीं भी हो सकती है क्योंकि तस्कर किसी की कमजोरियों की पहचान करने में माहिर होते हैं। कमजोरी पहचान कर व्यक्ति को उम्मीद देते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि अदालत आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाने और सजा सुनाने का इरादा रखता है ताकि ऐसे किसी भी व्यक्ति को कड़ी चेतावनी मिल सके। गृह सुरक्षा जांच (एचएसआई) अटलांटा के कार्यवाहक विशेष एजेंट इन चार्ज ट्रैविस पिकार्ड ने कहा कि तिवारी ने पीड़िता के बेघर होने के डर का इस्तेमाल कर उसके साथ गलत व्यवहार किया।

पुतिन बोले– मोदी को डराया या धमकाया नहीं जा सकता

उनकी नीति भारत-रूस रिश्तों की गारंटी है; चीन पर कहा- हम उनका साथ देते रहेंगे

मास्को।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी खुद रूस और भारत के रिश्तों की गारंटी हैं। उन्हें राष्ट्रीय हितों के विपरीत फैसले लेने के लिए डराया या मजबूर नहीं किया जा सकता। पुतिन ने कहा- जब राष्ट्रीय हितों की रक्षा की बात आती है तो पीएम मोदी के सख्त रुख की तारीफ की जाती है। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि मोदी को ऐसे कोई भी काम करने, कदम उठाने और निर्णय लेने के लिए डराया, धमकाया या मजबूर किया जा सकता है जो भारत और भारतीय लोगों के खिलाफ हो।

मोदी के रुख से हैरानी होती है, पुतिन की 3 बड़ी बातें

रूसी मीडिया स्पूतनिक के मुताबिक पुतिन मॉस्को में आयोजित 14वें वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम रूस कॉलिंग में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, रूस और भारत के रिश्ते लगातार डेवलप हो रहे हैं और इसकी गारंटी प्रधानमंत्री मोदी की नीति है। ईमानदारी से कहूं तो कभी-कभी भारतीय लोगों के राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा पर उनके सख्त रुख से मुझे हैरानी भी होती है। राष्ट्रपति पुतिन ने चीन का साथ निभाते रहने की बात कही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया था कि रूसी हथियारों में लगे चीनी उपकरणों से जासूसी हो रही है। पुतिन ने बैठक के दौरान कहा- टेक सेक्टर में चीन के साथ हमारी भागीदारी जारी रहेगी।

शीत युद्ध के वक्त को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिका और उसके साथ देश तब भी अपने दबदबे को बनाए रखने के लिए इकोनॉमिक सैंक्शन यानी आर्थिक पाबंदियों का इस्तेमाल करते थे। हमने तब भी उनका सामना किया। अगर हम मिलकर चले और एक दूसरे का साथ दें तो ये पाबंदियां फेल हो जाएंगी।

6 अक्टूबर 2023: भारत आजाद देश

पुतिन ने भारत-रूस के रिश्तों पर पश्चिमी देशों को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था- पश्चिमी देश भारत और रूस के बीच दरार डालने की कोशिश न करें। ऐसा करना पॉइंटलेस है, क्योंकि भारत एक आजाद देश है और अपने नागरिकों के हितों के लिए काम करता है। ब्लैक सी के पास स्थित सोची शहर में एक संबोधन के दौरान पुतिन ने कहा था- पश्चिमी देश हर उस देश के लिए एक दुश्मन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं जो उनके एकाधिकार से सहमत नहीं है, लेकिन भारत सरकार अपने देश के हित में स्वतंत्र रूप से काम कर रही है।

4 अक्टूबर 2023: मोदी बहुत बुद्धिमान व्यक्ति

फाइनेंशियल सिक्योरिटी पर एक ओलंपियाड को संबोधित करते हुए पुतिन ने मोदी को बुद्धिमान व्यक्ति बताया था। उन्होंने कहा था- पीएम मोदी बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति हैं। हमारे उनसे बहुत अच्छे राजनीतिक रिश्ते हैं। भारत और रूस सदियों से दोस्त और साझेदार रहे हैं। मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है। ये दोनों देशों के हित में है।

13 सितंबर 2023, भारत को फॉलो करना चाहिए

पुतिन ने मोदी की तारीफ करते हुए कहा था- पहले हमारे पास अपने देश में बनी कारें नहीं थीं, लेकिन अब हैं। यह सच है कि वे ऑडी और मर्सिडीज की तुलना में कम अच्छी दिखती हैं, लेकिन ये कोई समस्या नहीं है। हमें रूस में बनी गाड़ियां इस्तेमाल करनी चाहिए। हमें अपने सहयोगी देश भारत को फॉलो करना चाहिए। वे देश में ही गाड़ियां बना रहे हैं और उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें यह तय करना चाहिए कि किस वर्ग के अधिकारी कौनसी कारें चला सकते हैं, इससे वे घरेलू कारों का इस्तेमाल करेंगे।

जनता ने पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया : कृष्ण बिश्नोई

हिसार (हिंस)। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं आदमपुर मंडल प्रभारी कृष्ण बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश व छतीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत से यह साबित हो गया है कि जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है। जनता ने पीएम पर विश्वास जताते हुए कांग्रेस व अन्य दलों का सफाया कर दिखाया है। वे शुक्रवार को चुनावों के बाद बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन चुनावों से साबित हो गया है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 400 से अधिक सीटों पर विजय हासिल कर जीत की हैट्रिक लगाने का काम करेगी। कृष्ण बिश्नोई ने कहा कि आज जनता को केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर ही विश्वास है। यह विश्वास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों से मिला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का काम करेगी। बैठक में पार्टी नेता मुनीष ऐलावादी व अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

तालाब में गिरने से मां-बेटे की मौत

झुंझुनू (हिंस)। जिले के हमीनपुर गांव में एक खेत में बने तालाब (फार्म पांड) में गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई। जबकि उन्हें बचाने कूदी मौसी की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिवार के सदस्य हनुमान ने बताया कि गुरुवार रात करीब चार साल का कुशांत पुत्र वीरेंद्र सिंह खेलते-खेलते तालाब में जा गिरा। बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां प्रेम देवी तालाब में कूद गई। दोनों को डूबता देख बचाने के लिए कुशांत की मौसी भी तालाब में कूद गई। इसकी जानकारी जब घर के अन्य सदस्यों को लगी तो काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला। तीनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने बच्चे कुशांत और उसकी मां प्रेम देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं मौसी सुशीला देवी पत्नी सचिन कुमार की हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हनुमान सिंह ने इस संबंध में पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

छात्रों से छेड़छाड़ करने वाला जेल में बंद प्रिंसिपल सस्पेंड

शिक्षा निदेशालय ने जारी किए सस्पेंशन के आदेश

कैथल (हिंस)। गुहला उप-मंडल के गांव भूना के सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल रवि कुमार को छात्रों से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तारी के बाद शिक्षा विभाग ने निलंबित कर दिया है। शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार देर रात यह आदेश जारी किए। पुलिस ने सीवन थाना में पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद प्रिंसिपल को गुरुवार को ही गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच करने के लिए गठित एसआईटी ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा कर छात्राओं के बयान दर्ज किए और ग्रामीणों से पूरे प्रकरण पर जानकारी हासिल की। जिला शिक्षा अधिकारी रविंद्र चौधरी ने बताया कि शिक्षा निदेशालय द्वारा निलंबन के आदेशों में प्रिंसिपल को हेड क्वार्टर छोड़ने से मना किया गया है। फिलहाल प्रिंसिपल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। गुहला उपमंडल व सीवन थाना क्षेत्र में एक गांव के सरकारी स्कूल में छात्राओं ने प्रधानाचार्य से छेड़छाड़ व उससे अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया था। इस मामले में छात्राओं व अन्य ग्रामीणों ने कोई कार्रवाई न होने पर प्रदर्शन भी किया था। इस मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने भी हस्तक्षेप किया और आरोपी की जल्द ही गिरफ्तारी करने को लेकर पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस ने गत गुरुवार को 24 घंटे में ही आरोपी प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया था। सीवन थाना में दी गई शिकायत में छात्राओं ने बताया था कि वह सरकारी स्कूल में पढ़ती हैं और उनके स्कूल का प्रधानाचार्य रवि कुमार है। उसने दो दिसंबर को उसकी दोस्त के साथ दुर्व्यवहार किया। वह पहले भी अन्य छात्राओं के साथ भी अश्लील हरकत और गाली-गलौच करता आया है। वह हमारे साथ छेड़खानी भी करता है। प्रधानाचार्य की इस करतूत से 12वीं कक्षा की छात्राएं भी परेशान है। वह अपने कार्यालय में उसे अकेली बुलाता है और धमकी देता है कि अगर तुमने किसी को कुछ बताया तो वह तुम्हारा नाम काट देगा और डीएमसी भी नहीं देगा।

रोडवेज कर्मचारी मुख्यमंत्री आवास घेराव में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे : राजकुमार चौहान

कर्मचारी 10 दिसंबर को करेंगे घेराव, अनेक मांगे व समस्याएं लंबित

हिसार (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने दावा किया है कि रोडवेज कर्मचारियों द्वारा 10 दिसंबर को किए जाने वाले मुख्यमंत्री आवास के घेराव में रोडवेज कर्मचारी बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। संगठन ने कहा कि अनेक मांगे व समस्याएं लंबे समय से लंबित रहने तथा सहमत हुई मांगों को लागू न किए जाने से रोडवेज कर्मचारियों में भारी रोष है। इस संबंध में यूनियन कार्यालय में बैठक शुक्रवार को राज्य प्रधान शिवकुमार श्योराण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में यूनियन के राज्य उप प्रधान एवं हिसार डिपो प्रधान राजकुमार चौहान के अलावा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद राज्य उप प्रधान राजकुमार चौहान ने कहा कि संगठन ने 10 दिसंबर के मुख्यमंत्री आवास के घेराव व 28 दिसंबर की एक दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि सरकार व विभाग के उच्चाधिकारी रोडवेज कर्मचारियों की मांगों के लिए गंभीर नहीं है। रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर सरकार की वादाखिलाफी का जवाब देने के लिए करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि बार बार सांझा मोर्चा प्रतिनिधिमंडल परिवहन मंत्री, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव से मिल चुका है। इसके बावजूद भी अभी तक मांगों पर कोई अमल नहीं किया गया है, इसलिए सरकार के इस रवैए के खिलाफ अब कर्मचारी निर्णायक आंदोलन करेंगे।कर्मचारियों की मांगों का जिक्र करते हुए राजकुमार चौहान ने कहा कि परिचालकों व लिपिकों का वेतनमान 35400 रुपए करने, अर्जित अवकाश में कटौती का पत्र वापस लेकर पहले की तरह अवकाश लागू करने, पुरानी पेंशन बहाली, जोखिम भत्ता देने पर सरकार बिलकुल गंभीर नहीं है।

विकास मंत्रालय की ओर से वस्त्र चित्रकला उद्यमी का प्रशिक्षण शुरू

जोधपुर (हिंस)। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से उद्यमिता विकास व ग्रामीण बेरोजगार युवक व युवतियों को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करने के लिए आईसीआईसीआई आरसेटी के तत्वावधान में संचालित पब्लिक सैटलाइट सेंटर नेवरा रोड़ की ओर से वस्त्र चित्रकला उद्यमी का 41 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ एसबीआई बैंक मैनेजर सुरेंद्र यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। सुरेंद्र यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ाने की सलाह दी।

जनता के सपने साकार कर रही है मनोहर सरकार : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि वर्तमान सरकार में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को क्रियान्वित करके सभी वर्गों का विकास हो रहा है। आज केंद्र व प्रदेश की सरकार ने हरियाणा प्रदेश में चहुंमुखी विकास कार्यों की झड़ी लगाई हुई है। मनोहर सरकार में जनता के सपने साकार हो रहे है। जनसेवा के संकल्प के साथ मनोहर सरकार जनता के लिए कार्य कर रही है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को जगाधरी स्थित अपने आवास पर जन समस्याएं सुनते हुए कही। यमुनानगर और आस-पास के जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनते हुए कैबिनेट मंत्री ने अधिकतर समस्याओं का मौके

पर ही समाधान करवाया और विभागाध्यक्षों से फोन पर बात कर आगामी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से समाज के कमजोर व गरीब वर्गों के लोगों का उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में मिली जीत ने मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर मोहर लगा दी है। गरीब को उसका हक दिलाना ही प्रधानमंत्री का सपना है। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों व लोगों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं उनके घर द्वार तक पहुंचाना ही सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल समाज के कमजोर व गरीब लोगों का है। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीब वर्ग के मद्देनजर योजनाएं बनाई जाएंगी ताकि समृद्ध राष्ट्र का निर्माण हो सके।

ऑस्ट्रेलिया से आई संदिग्ध कॉल, पुलिस ने केस दर्ज किया

कैथल (हिंस)। ऑस्ट्रेलिया से भतीजा बताकर फर्जी फोन करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस इस संदिग्ध कॉल की जांच कर रही है। शुक्रवार को इस मामले में पुलिस ने जांच करने की बात कही। सेक्टर-19 पार्ट-2 निवासी रामपाल राणा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 दिसंबर की रात 12 बजे उसके मोबाइल नंबर पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि मैं आपका भतीजा बोल रहा है। आपने पहचाना क्या। इस पर उसने कहा कि कौन सा भतीजा। कॉल करने वाले ने कहा कि पहचाना नहीं मुझे मैं ऑस्ट्रेलिया से बोल रहा हूं। इस पर वह बोला कि कौन सा भतीजा। तब कॉल करने वाले ने बोला कि आपके कितने भतीजे हैं। उसने बताया कि मेरे तो सभी भतीजे ऑस्ट्रेलिया गए हुए हैं। इस पर कॉल करने वाले ने कहा कि इसका मतलब आपने ऑस्ट्रेलिया खरीद रखा है। उसने जवाब दिया कि हां खरीद रखा है। इतनी बात होने पर उसने फोन काट दिया। जांच अधिकारी एएसआई रविंदर ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस कॉल करने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है।

फ्लैट का कब्जा समय पर न देने पर जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट को 43,11,300 रुपए लौटाने का आदेश

जालंधर। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग जालंधर ने एक शिकायतकर्ता को राहत देते हुए से फ्लैट का कब्जा समय पर न देने पर प्लॉट की जमा की गई राशि 43,11,300 रुपए 9 प्रतिशत ब्याज की दर से लौटाने का आदेश दिया। इसके अलावा विपक्षी को शिकायतकर्ता को हुई मानसिक पीड़ा और उत्पीड़न के लिए 30,000 रुपए का मुआवजा और 5000 रुपए मुकदमे की खर्च देने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि संपूर्ण राशि का भुगतान 45 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए। पृथ्वी नगर किशनपुरा जालंधर निवासी मीरा सेठी ने जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जिसमें कहा गया कि उसने सूर्या एन्क्लेव एक्सटेंशन में 94.97 एकड़ विकास योजना में प्लॉट के लिए आवेदन किया था। शिकायतकर्ता ने 200स्क्व के प्लॉट के लिए 10त्न बयाना राशि 3,40,000 रुपए भी दी। उसने सभी जरूरी दस्तावेज भी जमा करवाए थे। उसे रेड क्रॉस भवन, जालंधर में दिनांक 04 नवंबर 2011 को निकाले गए लकी ड्रा में प्लॉट नंबर 233-डी (कॉर्नर प्लॉट), विकास स्कीम 94.97 एकड़ (सूर्य एन्क्लेव एक्सटेंशन), जालंधर में 200 स्कोवार प्लॉट आवंटित किया गया था। उसे प्लॉट संबंधी जानकारी जेआईटी ने 13 फरवरी 2012 को दी थी। आवंटन की तारीख से ढाई साल के भीतर यानी अगस्त 2014 तक इस फ्लैट का निर्माण होना था। उसे इस का कब्जा निर्माण से 30 दिनों के भीतर दिया जाना था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने ब्याज सहित प्लॉट की पूरी कीमत 43,11,300 रुपए का भुगतान कर दिया था। मगर उसे फ्लैट का कब्जा समय पर नहीं दिया। जिस क्षेत्र में प्लॉट आवंटित किए गए थे वह रहने योग्य नहीं थे। नौ साल बीत जाने के बाद भी इन साइट का कोई विस्तार नहीं हुआ और न ही उन्हों कब्जा दिया गया। जिस कारण उन्होंने परेशान होकर आयोग का दरवाजा खटकाया। शिकायतकर्ता ने आयोग से मांग की कि विपक्ष पार्टी को शिकायतकर्ता द्वारा जमा किए गए 43,11,300 रुपए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ वापस करने का निर्देश दिया जाए।

जोजिला दुर्घटना में पांच की मौत पर उपराज्यपाल ने जताया शोक

लद्दाख (हिंस)। लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने जोजिला के पास सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। गुरुवार की दुर्घटना में मरने वाले सभी लोग कारगिल के रहने वाले थे। शुक्रवार को लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर मिश्रा ने अपने शोक संदेश में कहा कि मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने गुरुवार को जोजिला में सड़क दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया। उन्होंने कहा कि दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति मिले और उनके परिवजनों को इस चुनौतीपूर्ण समय में शक्ति मिले। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जोजिला दर्रे के पास सोनमर्ग से कारगिल जा रहा एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। सभी मृतक कारगिल जिले के रहने वाले थे। इस हादसे के तीन दिन पहले एक अन्य दुर्घटना में केरल के चार पर्यटक और एक स्थानीय ड्राइवर की मौत हो गई थी।

अब ऑनलाइन मिल रहे जाति प्रमाण पत्र, नहीं जाना पड़ता किसी दफ्तर

निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदक का कार्य नहीं करने पर संबंधित अधिकारी होगा जिम्मेदार : मोनिका गुप्ता

नारनौल (हिंस)। हरियाणा सरकार ने नागरिकों की सुविधा के लिए जाति प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन किए हुए हैं। कोई भी नागरिक सरल हरियाणा पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकता है। इसके लिए अब किसी भी नागरिक को किसी दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है। ऐसे में ऑनलाइन आने वाले इन आवेदनों को राजस्व अधिकारी तुरंत वेरीफाई करें ताकि आवेदक को निर्धारित सीमा में प्रमाण पत्र मिले। यह निर्देश उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में जिला के सभी राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन सेवाओं को सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत लागू किया हुआ है। अगर निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदक का कार्य नहीं होगा तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा।

उन्होंने राजस्व विभाग के अन्य कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि इंतकाल के सभी मामले निपटाए जाएं। जो नई रजिस्ट्रियां होती है उनके इंतकाल उसी दिन हो जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इंतकाल से संबंधित मामलों की हर माह समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने आबियाना वसूली के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उनके मातहत कार्यरत कर्मचारी अगर कार्य नहीं करते हैं तो तुरंत लिखित में दिया जाए ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऑनलाइन आने वाले इन आवेदनों को राजस्व अधिकारी तुरंत वेरीफाई करें ताकि आवेदक को निर्धारित सीमा में प्रमाण पत्र मिल सके। अगर निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदक का कार्य नहीं होगा तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा। इस मौके पर एसडीएम नारनौल मनोज कुमार, जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा सहित सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार के अलावा राजस्व से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस ने 8 लोगों को किया गिरफ्तार कर रहे थे गैर-कानूनी काम

जुगियाल। शाहपुरकंडी पुलिस ने सुजानपुर के गांव कैलाशपुर निवासी दिलावर सिंह के बयान के आधार पर 19 लोगों के खिलाफ उसकी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इस संबंध में थाना शाहपुरकंडी प्रभारी सब-इंस्पैक्टर शोहरत मानसिंह ने बताया कि पुलिस को दिए गए बयान में दिलावर सिंह ने बताया कि वह आर्मी से रिटायर है और अब अपनी जमीन में खेतीबाड़ी करता है। इस दौरान विक्रम सिंह उर्फ विक्की निवासी मुकेरियां, कुलविंद्र कुमार, मोहित दोनों निवासी गांव डुगरी राजपूत तहसील मुकेरिया, बलराम सिंह गांव चक्क शेरु तहसील मुकेरिया, जरनैल सिंह बबू निवासी गंगवाल इंदौरा, शुभम जरेयाल निवासी गांव जंडवाल मुकेरियां, जसवीर सिंह निवासी पंडोरी महंत गुरदासपुर, ललित कुमार उर्फ लकी निवासी इंदौरा हिमाचल प्रदेश, तरसेम, सेठी और संजू तीनों निवासी पठानकोट, लखबीर उर्फ बिल्ला और राणा दोनों निवासी मुकेरियां, कन्नू और अनिल निवासी मानसर, रोहित निवासी मुकेरियां, हैप्पी निवासी पठानकोट, राहुल निवासी मुकेरियां और रमन पंडित सभी हथियार लेकर उसके खेतों में आए और उसके भाई दर्शन सिंह को जबरदस्ती उठाकर अपनी गाड़ी में डाल लिया और सभी ने मिलकर मेरी जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया। यह शोर सुनकर जब आसपास के गांव के लोग जमा हुए तो यह सभी हमलावर हथियारों समेत मेरे भाई को साथ लेकर अपनी गाड़ियों में बैठकर मौके से फरार हो गए और कुछ देर बाद इन्होंने मेरे भाई दर्शन सिंह को रास्ते में गांव मधुफर्का के पास फेंक दिया और फरार हो गए। थाना शाहपुर कंडी पुलिस ने दिलावर सिंह के बयान के आधार पर आईपीसी की धारा 447, 506, 511, 365, 148, 149 के तहत मामला दर्ज करके 8 लोगों को काबू कर लिया है और बाकियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

विद्यार्थियों ने ली नारी सम्मान की प्रतिज्ञा

जोधपुर (हिंस)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कला संकाय तथा रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर संस्कार के संयुक्त तत्वावधान में एक हजार से अधिक छात्रों ने नारी सम्मान प्रतिज्ञा अभियान के अंतर्गत शपथ ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि घर से सीखे संस्कारों को विश्वविद्यालय में शिक्षित होने के दौरान सकारात्मकता के साथ आत्मसात कर देश के अच्छे नागरिक बनें। नारी सम्मान प्रतिज्ञा के लिए कृतसंकल्प होकर समाज में संतुलन व समरसता रखें। संकाय अधिष्ठाता प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। रोटरी क्लब अध्यक्ष टोनिका सांखला ने कहा कि इस शपथ ग्रहण के आयोजन से छात्रों की मानसिकता पर सकारात्मक प्रभाव होगा। सांखला ने प्रतिज्ञा अभियान का विश्व रिकार्ड बनाने की मुहिम के विषय में परिचय दिया और नारी सम्मान की शपथ दिलाई।

बार एसोसिएशन चुनाव : वन वोट वन बार एसोसिएशन मतदान में वकीलों ने की वोटिंग

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में शुक्रवार एक साथ बार एसोसिएशन के चुनाव हो हुए। हाईकोर्ट सहित करीब 250 बार एसोसिएशन में एक साथ चुनाव संपन्न हुए। शनिवार को सभी जगह एक साथ काउंटिंग भी होगी। वन वोट वन बार के नियम के तहत यह चुनाव करवाए गए। राजस्थान हाई कोर्ट ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह के शुक्रवार को वोटिंग कराना तय किया था। इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने भी यथावत रखा था। जिसके बाद चुनाव हुए। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर में शुक्रवार सुबह 9 बजे से वोटिंग शुरू हुई जो शाम 5 बजे तक चली। यहां करीब 4 हजार 660 वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि हाई कोर्ट बार के चुनावों को लेकर पूरे परिसर को सीसीटीवी सर्विलांस पर रखा गया हैं। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता के लिए पहली बार मतदान हॉल की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। जिसे हाई कोर्ट परिसर में लगी बड़ी स्क्रीन पर लोग देख सके। हाई कोर्ट बार के लिए अध्यक्ष पद पर 5, महासचिव के पद के लिए 8, उपाध्यक्ष के लिए 5, संयुक्त सचिव के लिए 4, कोषाध्यक्ष,सांस्कृतिक सचिव,

लाइब्रेरी सैकेट्री और ज्वाइंट लाइब्रेरी सैकेट्री के लिए 2-2 प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों के 8 पदों के लिए 19 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर चुनाव संचालन अधिकारी मणीन्द्र कुमार कौशिक, हरेन्द्र सिंह सिनसिनवार ने बताया कि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष पद पर पांच, महासचिव पद पर आठ व उपाध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष पद पर प्रहलाद शर्मा, महेन्द्र शांडिल्य, ऋषिराज राठौड़, इन्द्रेश शर्मा व राजीव कुमार सोगरवाल चुनाव मैदान में हैं। महासचिव पद पर आठ प्रत्याशी डॉ. संजय खदेड़, सुशील पुजारी, धर्मेन्द्र जैन, रोहित शर्मा, अंकित सेठी, रमित पारीक, सुनील जाखड़ व डॉ. रामरूप मीना चुनावी मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी निखिलेश कटारा, अशोक कुमार यादव, बाबूलाल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा व संदीप कुमार मीना चुनाव मैदान में हैं। वहीं, संयुक्त सचिव पद पर सौरभ दुबे, शेखर शशांक पचौरी, चित्रांक शर्मा, कुलदीप शर्मा व कोषाध्यक्ष के पद पर प्रीति शर्मा व योगेश टेलर चुनाव लड़ा है। गौरतलब है कि अभी तक प्रदेश की सभी बार एसोसिएशन में अलग-अलग दिन चुनाव होते थे। जिसमें वन वोट वन बार के नियम की पालना नहीं हो रही थी। वहीं अधिकतर बार एसोसिएशन में कार्यकाल खत्म होने के बाद भी समय पर चुनाव नहीं कराए जा रहे थे। इसी तरह की अन्य शिकायतों को लेकर लगी कुछ याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए हाई कोर्ट ने 24 अगस्त 2023 को सभी बार एसोसिएशन में एक साथ चुनाव कराने के आदेश जारी किए थे। हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुहर लगाई थी। जिसके बाद शुक्रवार यह चुनाव हुए। राजस्थान से पहले पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य हैं। जहां एक ही दिन में सभी बार एसोसिएशन के चुनाव होते हैं। लेकिन आज राजस्थान देश का दूसरा राज्य बन गया हैं। जहां एक दिन, एक साथ सभी बार एसोसिएशन में वोटिंग हुई।

सरकारी बैंक कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी वेतन वृद्धि और पेंशन रिविजन के लिए हुआ समझौता

नई दिल्ली।
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। इंडियन बैंक एसोसिएशन और यूनियनों के साथ सरकारी बैंकों के कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए एक वेतन समझौते पर सहमति बनी है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और अन्य यूनियन पांच सालों के लिए 17 फीसदी वेतन वृद्धि करने पर सहमत हो गई हैं। ये वेतन बढ़ोतरी एक नवंबर 2022 से पेंडिंग थी और इसके लिए एमओयू भी साइन हो गया।

17 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का निर्णय होगा लागू

वेतन समझौते के अनुसार एक नवंबर 20222 से 17 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का निर्णय लागू होगा। इसके तहत बेसिक और डीए पर तीन फीसदी लोडिंग का लाभ मिलेगा। पेंशन रिवीजन के साथ साथ पांच दिनों के वर्किंग का नियम भी लागू होगा। समझौते के बाद अब ये मामला वित्त मंत्रालय के पास पहुंच गया है।

एआईबीओसी ने ट्वीट कर दी ये जानकारी

ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन ने एक्स पर पोस्ट में जानकारी दी है कि एआईबीओसी की ओर से कॉमरेड बालाचंद्र पीएम (अध्यक्ष) ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जॉइंट नोट को अंतिम रूप देने से पहले किसी भी बचे मुद्दे पर फिर से चर्चा की जाएगी। इसमें ये भी कहा गया कि हालांकि बांटी गई रकम उनकी शुरुआती अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती है, लेकिन पेंशनर्स के लिए एक अच्छी खबर है क्योंकि अब उन्हें लंबे समय से इंतजार के बाद अनुग्रह राशि का फायदा मिलेगा यानी पेंशन का रिविजन किया जाएगा।

एआईबीओसी ने सहमति पर जताई खुशी

वेतन में 17 फीसदी बढ़ोतरी को लेकर आईबीए के साथ समझौते के बाद पेंशन रिवीजन पर भी रजामंदी बन गई है। हालांकि छुट्टी की मांग पर अभी मामला अटका है और नोट में इस पर दस्तखत नहीं हुए हैं। एआईबीओसी की ओर से कहा गया है कि सैलरी परसेंटेज और वेटेज अनुमान से कम होने के बावजूद ये देश के 8.50 लाख बैंक कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है।

न्यूज ब्रीफ

अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों में यूपीआई से भुगतान की सीमा बढ़ाई गई, अब पांच लाख रुपये तक कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए यूपीआई भुगतान सीमा को मौजूदा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की घोषणा की। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की विभिन्न श्रेणियों की सीमा की समय-समय पर समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा, अब अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भुगतान के लिए यूपीआई लेनदेन की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये प्रति लेनदेन करने का प्रस्ताव किया गया है। बढ़ी हुई सीमा से उपभोक्ताओं को शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल उद्देश्यों के लिए उच्च राशि का यूपीआई भुगतान करने में मदद करेगी। उन्होंने आगे कहा कि आवर्ती प्रकृति के भुगतान करने के लिए ई-मैंडेट ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। ई-मैंडेट फ्रेमवर्क के तहत 15,000 रुपये से अधिक के आवर्ती लेनदेन के लिए ऑथेंटिकेशन (एएफए) का एक अतिरिक्त फैक्टर जरूरी है। गवर्नर ने कहा, म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन, इंश्योरेंस प्रीमियम सब्सक्रिप्शन और क्रेडिट कार्ड रीपेमेंट के आवर्ती भुगतान के लिए अब इस सीमा को बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति लेनदेन करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस कदम से ई-मैंडेट के उपयोग में और तेजी आएगी। एक अन्य घटनाक्रम में रिजर्व बैंक ने फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र में विकास की बेहतर समझ और इस क्षेत्र का समर्थन करने के लिए फिनटेक रिपॉजिटरी स्थापित करने की भी घोषणा की।

सोना 62,500 रुपए, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब बढकर 62,500 रुपये और चांदी के वायदा भाव 74,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 59 रुपये की तेजी के साथ 62,525 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 64 रुपये की तेजी के साथ 62,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 328 रुपये की तेजी के साथ 74,641 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 374 रुपये की तेजी के साथ 74,687 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। बाद में तेजी देखी जाने लगी। जबकि चांदी की शुरूआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,045.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,046.40 डॉलर था। फिलहाल यह 2 डॉलर की तेजी के साथ 2,048.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.05 डॉलर था। फिलहाल यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 24.19 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

किआ सोनेट 14 को देगी भारतीय बाजार में दस्तक, डीलरशिप पर अनौपचारिक बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली। किआ सोनेट 14 दिसंबर को भारतीय बाजार में दस्तक देने जा रही है। कंपनी ने चुनिंदा डीलरशिप पर अनौपचारिक बुकिंग लेना शुरू कर दिया है। एसयूवी को 20,000 से 25,000 रुपये की टोकन राशि पर बुक किया जा सकता है। बीते दिनों किआ ने इसका टीजर और स्केच तस्वीरें शेयर की थी। किआ सोनेट फेसलिफ्ट में नया फ्रंट बंपर, नया हेडलैंप, नए लैंप सिग्नेचर, नई फॉगलैंप हाउसिंग, क्रोम बिट्स, बॉडी क्लैडिंग, प्लास्टिक व्हील कैप और अलॉय व्हील डिजाइन भी बदला हुआ है। इस गाड़ी में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन, 1.0-लीटर, टर्बो-पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर, डीजल इंजन का विकल्प मिलेगा। पेट्रोल इंजन को 5-स्पीड मैनुअल के साथ जोड़ा जाएगा। वहीं टर्बो-पेट्रोल और डीजल इंजन में 6-स्पीड आईएमटी गियरबाक्स होगा। इसके अलावा टर्बो-पेट्रोल और डीजल इंजन में 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक और 6-स्पीड ऑटोमैटिक का विकल्प भी मिलेगा। इसमें अडास तकनीक भी मिलेगी।पीछे एलईडी लाइट बार से जुड़ी नई रैपअराउंड टेललैंप, ड्यूल-टोन ब्लैक और सिल्वर फिनिश के साथ मोटा रियर बंपर भी दिया है।

एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा आरबीआई गवर्नर ने की मौद्रिक नीति की घोषणा

नई दिल्ली।
आरबीआई एमपीसी ने एक बार फिर रेपो रेटो को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। बैंकों के बैलेंस शीट में मजबूती दिखी है। केंद्रीय बैंक की एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।आरबीआई गवर्नर के अनुसार इसके फलस्वरूप स्थायी जमा सुविधा दर 6.25 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

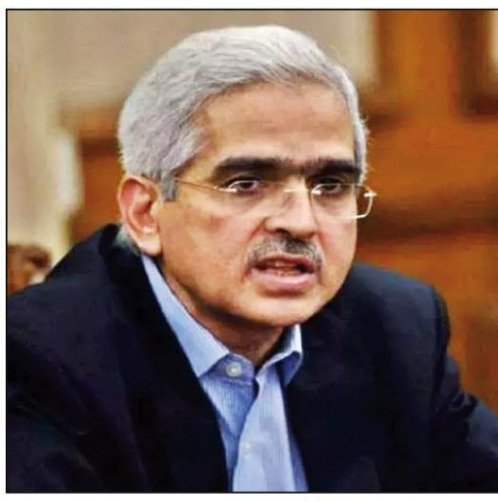

सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी

एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी जारी है। लागत खर्च में कमी से विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती आई है। सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी है। एग्रो क्रेडिट में ग्रोथ से रिकवरी बेहतर होने का अनुमान है। एमपीसी के छह में पांच स्थर अकोमोडेटिव रुख वापस लेने के पक्ष में। सभी सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने पर सहमति जताई।

नवंबर-दिसंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि चिंताजनक

आरबीआई गवर्नर ने का कि नवंबर-दिसंबर महीने में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई के लिहाज से चिंता का कारण बना हुआ है। ग्रामीण मांग में सुधार दिख रही है। सीपीआई 5.4 प्रतिशत पर बने रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई दर चार प्रतिशत पर लाने के प्रति आरबीआई प्रतिबद्ध है और हर संभव कोशिशें कर रहा है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि चीनी की कीमतों में तेजी से चिंता बढ़ी है। इसके अलावा आरबीआई ने महंगाई के अनुमान को भी जारी किया है। तीसरी तिमही के लिए सीपीआई अनुमान 5.6 प्रतिशत पर बरकरार है। वहीं पहली तिमाही में सीपीआई अनुमान 5.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। तीसरी तिमाही के लिए सीपीआई अनुमान 4.7 फीसदी किया गया है।

शुरू हुई थी एमपीसी की बैठक

रिजर्व बैंक की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक शुरू हुई। आरबीआई आमतौर पर एक वित्त वर्ष में छह द्विमासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श करता है। लगातार चौथी बार मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था।

बैंकिंग सिस्टम पर क्या बोले आरबीआई गवर्नर

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सिस्टम में नकदी की स्थिति संतुलित है। जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बैंक और एनबीएफसी के लिए हाल में उठाए कदम जरूरी थे। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कनेक्टेड लेंडिंग के लिए यूनिफाइड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि वेब एग्रीगेशन के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2024 तक फिनटेक रिपॉजिटरी की शुरुआत की जाएगी। आरबीआई के एमपीसी की अगली बैठक 6-8 फरवरी 2024 को होगी।

एमपीसी की पिछली बैठक में क्या हुआ था

पिछली चार बैठकों में रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अक्टूबर में मौद्रिक नीति समीक्षा में कहा था कि केंद्रीय बैंक चिंतित है और उसने उच्च मुद्रास्फीति को वृहद आर्थिक स्थिरता और सतत वृद्धि के लिए बड़ा जोखिम बताया था।

भारत ने पांच और देशों को गैर बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी, आधिकारिक अधिसूचना जारी

नई दिल्ली।
एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर भारत ने कोमोरोस, मेडागास्कर, इक्वेटोरियल गिनी, मिस्र और केन्या को अलग-अलग मात्रा में गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। बता दें कि घरेलू कीमतों पर अंकुश लगाने और घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी।

इससे पहले, भारत ने नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी गणराज्य, मलेशिया, फिलीपींस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर को चावल की ऐसी किस्म के निर्यात की अनुमति दी थी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने अपनी अधिसूचना में कहा कि इन देशों को निर्यात की अनुमति राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के माध्यम से दी जाती है। चावल निर्यात नीति में शुरू में संशोधन करते हुए डीजीएफटी ने कहा कि निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दी गई अनुमति के आधार पर और उनकी सरकार के अनुरोध के आधार पर दी जाएगी।

पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन भारत से गैर-बासमती चावल के प्रमुख आयातकों में से एक है। अन्य गंतव्य देश संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, बांग्लादेश, चीन, कोटे डी आइवर, टोगो, सेनेगल, गिनी, वियतनाम, जिबूती, मेडागास्कर, कैमरून सोमालिया, मलेशिया और लाइबेरिया हैं।

अगस्त के अंत में, भारत ने बासमती चावल के निर्यात पर न्यूनतम मूल्य लागू करके अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी पेश किए ताकि गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को रोका जा सके, जो जुलाई से पहले से ही निषिद्ध श्रेणी में था।

बैंकों के बाद अब फिनटेक कंपनियां छोटे व्यक्तिगत कर्ज में करेंगी कटौती, आरबीआई ने दी थी चेतावनी

नई दिल्ली।
बड़े बैंकों व गैर-बैंक कर्जदाताओं ने अपने फिनटेक भागीदारों से छोटे व्यक्तिगत कर्ज में कटौती करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि आरबीआई के हालिया चेतावनी के बाद यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि छोटे व्यक्तिगत कर्ज आगे डूब सकते हैं।

करीब एक दर्जन फिनटेक को कर्ज देने वाले एक निजी बैंक के अधिकारी ने कहा, आरबीआई के बाद के फैसले से यह कदम उठाना पड़ा रहा है। आगे और बैंक भी यह कदम उठा सकते हैं। हमने अपने फिनटेक भागीदारों से कहा है कि हम 50,000 रुपये से कम कर्ज श्रेणी में मौजूद नहीं रहना चाहते हैं। आरबीआई ने पिछले महीने ऐसे कर्ज के लिए ज्यादा पूंजी अतिरिक्त रखने के लिए नियमों को सख्त कर दिया था। एक अन्य बैंक के अधिकारी ने कहा, हम अपने फिनटेक भागीदारों को दी जाने वाली फंडिंग में पूरी तरह कटौती नहीं करेंगे। लेकिन, उन्हें छोटे व्यक्तिगत कर्ज को बेहिसाब तरीके से बांटने पर रोक लगाने का निर्देश देंगे।

घटेगी कर्ज की वृद्धि दर

विश्लेषकों का मानना है कि बैंकों और एनबीएफसी के इस फैसले से कर्ज बांटने की दर घटकर 12-14 फीसदी पर आ सकती है, जो अभी 15 फीसदी है। मैक्वायरी ने कहा, बैंक की वृद्धि और संपत्ति की गुणवत्ता यानी एनपीए पर नियामकीय निगरानी बढ़ गई है। इससे सावधानी बरती जा रही है। एक सरकारी बैंकर ने कहा, हमने अपने फिनटेक भागीदारों से कहा है कि वे चुनिंदा कर्ज ही बांटें।

गन्ना जूस से एथेनॉल प्रोडक्शन पर सरकार ने लगाई रोक

बी-हैवी मोलासिस से प्रोडक्शन पर रोक नहीं शुगर प्राइस कंट्रोल करने के लिए ये फैसला किया

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने एथेनॉल प्रोडक्शन के लिए गन्ने के जूस के उपयोग पर रोक लगा दी है। एथेनॉल सप्लाई ईयर 2023-24 के लिए यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। सरकार ने इस फैसले की जानकारी 7 अक्टूबर को एक नोटिफिकेशन के जरिए दी है। शक्कर की कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। हालांकि, चीनी मीलों के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ को लिखे लेटर में कहा है कि मिलों में ब्लेंडिंग की जरूरतों और ऑयल मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के मौजूदा ऑर्डर को पूरा करने के लिए बी-हैवी मोलासिस से एथेनॉल का प्रोडक्शन जारी रहेगा। इस साल की शुरुआत में सरकार ने अक्टूबर से शुरू 2023-24 फसल सीजन के लिए गन्ने के फेयर एंड रिमुनरेटिव प्राइस को 10 प्रति क्विंटल बढ़ाकर 315 प्रति क्विंटल कर दिया था। एफआरपी वह मिनिमम या न्यूनतम कीमत होता है, जिसे मिलों को गन्ना उत्पादकों को देना ही होता है।

मौजूदा 2022-23 मार्केटिंग ईयर में शुगर मिलों ने 3,353 लाख टन गन्ना उत्पादकों से खरीदा है, जिसकी कीमत 1.11 लाख करोड़ से ज्यादा है। वहीं 10 साल पहले 2013-14 मार्केटिंग ईयर में मिलों ने 57,104 करोड़ का गन्ना खरीदा था।

सरकार ने कहा- चीनी का पर्याप्त स्टॉक

इससे पहले सरकार ने अक्टूबर में कहा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बावजूद देश में इसकी खुदरा कीमतें स्थिर हैं। फिलहाल घरेलू स्टॉक में मौजूदा जरूरतों के लिए और आने वाले फेस्टिवल सीजन के लिए शक्कर के स्टॉक में कोई कमी नहीं है। अगस्त 2023 में हुए 83 लाख मीट्रिक टन का प्रोडक्शन और अक्टूबर 2023 में पेराई होने के बाद चीनी का स्टॉक काफी बेहतर हो जाएगा। इसके अलावा सरकार ने डोमेस्टिक बिक्री कोटा की पहली किश्त भी जारी कर दी है। इसे चीनी मिलें अभी से ही बेचना शुरू कर सकती हैं। सरकार ने कहा है कि इसके लिए कोटा और बढ़ाई जाएगी।

31 मार्च 2024 तक नहीं होगा प्याज का निर्यात, केंद्र सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से यह फैसला लिया है।

फैसले के मुताबिक अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। आज विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा,

डीजीएफटी ने यह भी कहा कि हालांकि, अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार पर सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाएगी।

इस नोटिफिकेशन के मुताबिक वैसे प्याज के शिपमेंट, जिनकी लोडिंग निर्यात प्रतिबंध अधिसूचना से पहले शुरू हो गई थी, को निर्यात करने की अनुमति है।

दिल्ली में क्या है प्याज की कीमत

दिल्ली में स्थानीय विक्रेता 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम पर प्याज बेच रहे हैं। आपको बता दें कि आज के इस फैसले से पहले, केंद्र सराकर ने अक्टूबर में ग्राहकों को राहत देने के लिए खुदरा बाजारों में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर प्याज स्टॉक की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था।

प्याज के दाम को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने उठाएं है कई कदम

केंद्र सरकार ने इस साल 28 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्याज के निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का मिनिमम एक्पोर्ट प्राइस लगाया था ताकी देश में प्याज की कीमत नियंत्रण में रहे। इससे पहले अगस्त में भारत ने प्याज पर 31 दिसंबर तक 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया था।

कितने टन प्याज का हुआ निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 4 अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया है जिनमें बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात शीर्ष तीन आयातक देश हैं।

14 नवंबर को जारी डब्लूपीआई आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में सब्जियों में मुद्रास्फीति कम होकर (-) 21.04 प्रतिशत और आलू में (-) 29.27 प्रतिशत हो गई थी लेकिन प्याज की वार्षिक मूल्य वृद्धि दर 62.60 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही।

स्पाइसजेट के खिलाफ अब कोई आदेश नहीं, दुबई में खड़े विमान पर एयरलाइन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। नागर विमानन क्षेत्र की प्रमुख एयरइलान स्पाइसजेट ने बताया है कि दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (डीआईएफसी) अदालत ने 30 अक्टूबर 2023 को भारतीय पंजीकरण चिह्न वीटी-एसएलएम वाले विमानों में स्थापित कुछ इंजनों के संबंध में फ्रीजिंग आदेश जारी किया था। उपर्युक्त आदेश के परिणामस्वरूप, एक विमान को अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, दुबई (डीडब्ल्यूसी) पर खड़ा कर दिया गया था और तब से यह वहीं खड़ा था। 7 दिसंबर 2023 को डीआईएफसी अदालत की सुनवाई में, स्पाइसजेट के पक्ष में आदेश दिया गया है। इसके अतिरिक्त न्यायाधीश ने आदेश के परिणामस्वरूप स्पाइसजेट को हुए नुकसान की जांच का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पाइसजेट द्वारा किए गए कानूनी खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि संक्षेप में, अब डीआईएफसी अदालत का ऐसा कोई आदेश नहीं है जो स्पाइसजेट को डीडब्ल्यूसी से प्रस्थान करने सहित विमान के संचालन से रोकता हो।

शर्मिला टैगोर नहीं बनना चाहती थीं अभिनेत्री

शर्मिला अपने आप को एक एक्सीडेंटल अभिनेत्री कहती हैं। दर-असल, शर्मिला का मन एक डांसर बनने का था, लेकिन वो फिल्मों में आ गईं। एक इंटरव्यू में उन्होंने ने कहा था कि हर फिल्म के बाद वो यही सोचती थीं, अब यह उनकी आखिरी फिल्म है, इसके बाद वो मूवी नहीं करेगी, लेकिन हर बार उनका यह फैसला पूरा नहीं होता था। शर्मिला का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने जो भी हासिल किया अपनी मेहनत से पाया। उन्होंने अपने जीवन और करियर में काफी संघर्ष देखा, लेकिन फिर भी वो घबराई नहीं और बिना रुके आगे बढ़ती गईं। शर्मिला टैगोर भारतीय सिनेमा की ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। खूबसूरती और हुनर को बेजोड़ मेल शर्मिला ने विशुद्ध कमर्शियल फिल्मों के साथ कई अवॉर्ड विनिंग किरदार भी निभाये। शम्मी कपूर, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के साथ उन्होंने यादगार फिल्में दीं। शर्मिला जितनी काबिल अभिनेत्री रहीं, उतनी ही बिंदास भी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के पर्दे पर अभिनेत्रियों की रूढ़िवादी छवि को भी अपने ग्लैमर से तोड़ा। वहीं, सादगी की मूरत बनकर दिल धड़काये। इसी का रिजल्ट उन्हें मिला और वो एक कामयाब अभिनेत्री बनी और बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई।

थंगम में जान्हवी का किरदार श्रीदेवी से मिलता-जुलता

-पहले लुक के साथ सामने आया था किरदार

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के किरदार का नाम थंगम उनकी मां और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी से मिलता-जुलता था। एक्ट्रेस का किरदार फिल्म में पहले लुक के साथ सामने आया था। जान्हवी ने कहा, यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है। इसलिए मेरा बहुत सारा समय डायलॉग्स सीखने में बीत जाता है क्योंकि मैं ये भाषा नहीं बोल पाती।जूनियर एनटीआर स्टारर में जान्हवी कपूर के किरदार का नाम थंगम उनके पहले लुक के साथ सामने आया था, जो बिल्कुल उनकी मां दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी से मिलता जुलता था। हाल ही में उन्होंने कहा, यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है। इसलिए मेरा बहुत सारा समय डायलॉग्स सीखने में बीत जाता है क्योंकि मैं ये भाषा नहीं बोल पाती। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरी मां घर पर हमसे हिंदी और अंग्रेजी में बात करती थीं। लेकिन जब भी हम चेन्नई (तमिलनाडु) जाते थे, तब वे अक्सर तमिल में बोलने को कहती थीं। मैं तेलुगु की तुलना में तमिल से अधिक परिचित हूं। जान्हवी ने साझा किया कि साउथ फिल्म में काम करना घर वापसी जैसा लगता है और यहां आकर मुझे लगता है कि मैं घर आ गई हूं। जान्हवी ने कहा, देवरा के सेट पर हर कोई मुझे अपना जैसा लगता है। मुझे नहीं पता कि यह मां के प्रति मेरे गहन भावनात्मक लगाव के कारण है या मैं ऐसा महसूस कर रही हूं। मैं दक्षिण में एक फिल्म करके उनसे जुड़ा हुआ मेहसूस करती हैं और ये आध्यात्मिक है। वैसे देखा जाए तो हिंदी और दक्षिण दोनों मनोरंजन उद्योगों में अपने पैर जमाने के बाद, जान्हवी वास्तव में अपनी मां लेट एक्ट्रेस श्रीदेवी जी की विरासत को आगे ले जा रही हैं। जिस तरह से श्रीदेवी जी ने साउथ और हिंदी सिनेमा दोनों में ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं, जान्हवी भी उसी राह पर आगे बढ़ रही हैं। जान्हवी ने बॉलीवुड में धड़क से डेब्यू किया था और फिर गुंजर सक्सेना, मिली रूही, गुडलक जूरी जैसी फिल्मों में दिखीं।

कटरीना कैफ के गाने पर डांस कर विक्की कौशल ने जीता था सासू मां का दिल

विक्की कौशल और कटरीना कैफ की शादी 9 दिसंबर 2021 में हुई थी। दोनों की शादी को जल्द ही 2 साल पूरे होने वाले हैं। कटरीना कैफ और विक्की कौशल को उनके फैंस बहुत प्यार करते हैं। जब भी ये कोई फोटो साथ में शेयर करते हैं, तो फैंस अपना प्यार लुटाने से बिल्कुल भी पीछे नहीं रहते। विक्की कौशल कई मौकों पर कटरीना कैफ कैसी पत्नी हैं, इसकी प्रशंसा कर चुके हैं। सैम बहादुर एक्टर हाल ही में एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के संग करण जौहर के शो कॉफी विद करण में नजर आने वाले हैं।

विक्की कौशल ने इस चैट शो में अपनी और कटरीना कैफ की शादी से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताई, इसके साथ ही ये भी बताया कि लास्ट मिनट उन्होंने कटरीना को शादी के लिए कैसे प्रपोज किया और अपनी सासू मां को कैसे इम्प्रेस किया। विक्की कौशल ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 में अपनी और कटरीना कैफ की लव लाइफ के बारे में बताया कि कई लोगों से मिली वॉर्निंग के बाद उन्होंने कटरीना कैफ को शादी के एक दिन पहले प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, ये बहुत ही लास्ट मिनट था। मुझे उस वक्त हर किसी ने ये वॉर्निंग दे दी थी कि अगर मैं उन्हें प्रप्रोज नहीं करूंगा, तो मुझे जिंदगी भर ये बात सुननी पड़ेगी। सवाई माधोपुर, राजस्थान, जहां हमारी शादी हुई थी, वहीं पर एक दिन पहले डिनर डेट के दौरान मैंने उन्हें प्रपोज किया था।

फिट रहना आसान नहीं : बॉबी देओल

-फिटनेस के लिए लगाने पड़ते हैं बहुत सारे घंटे

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म एनिमल में अपनी फिजिक के बारे में बात करते हुए बॉबी ने कहा, प्यार पाना और नोटिस किया जाना आश्चर्यजनक है और मुझे लगता है कि मेरी सारी मेहनत को सराहना मिल रही है। फिट रहना आसान नहीं है और वास्तव में आपको फिटनेस के लिए बहुत सारे घंटे लगाने पड़ते हैं। अच्छा लगता है कि मेरी कड़ी मेहनत सफल हुई है। मालूम हो कि फिल्म एनिमल को लेकर अभिनेता बॉबी देओल को फैंस से बहुत प्यार मिल रहा है। गदर 2 में अपने भाई सनी देओल की सफलता के साथ, उनके पिता-दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को भी दर्शकों से प्यार मिल रहा है। बॉबी ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि देओल्स को कितना प्यार मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि भगवान मुझ पर और मेरे परिवार पर सचमुच दयालु रहे हैं। मेरे भाई की सफलता, मेरे पिता को इतना प्यार मिला और मेरी फिल्म आई और यह आश्चर्यजनक है कि देओल्स को कितना प्यार मिल रहा है। यह बिल्कुल अद्भुत है। 54 वर्षीय अभिनेता चाहते थे कि ऐसा हो। उन्होंने कहा, अच्छा, बुरा वक्त आता है लेकिन मैंने ऐसा होने की उम्मीद नहीं की थी। मैं बस यही चाहता था कि ऐसा हो, आप चाहते हैं कि कुछ अच्छा हो और कुछ इतना अच्छा घटित हो जाए कि आप भगवान को धन्यवाद देने लगें। मेरा परिवार और प्रशंसक इंतजार कर रहे थे कि मैं ऐसे किरदार निभाऊं जो मुझे एक नकारात्मक किरदार के रूप में स्वीकार करें। बॉबी इस बात से बेहद खुश हैं कि जिन अलग-अलग किर-दारों के साथ वह प्रयोग कर रहे हैं, उनके लिए उन्हें स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के लिए यह जीत की स्थिति है क्योंकि आप अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहते हैं और एक ही छवि में बंधकर नहीं रहना चाहते। मैं उत्साहित हूं कि मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए स्वीकार किया।

त्रिप्ति डिमरी को मिल रही भरपूर तारीफ

-फिल्म एनिमल में किया है दमदार अभिनय

मुंबई (ईएमएस)। बुलबुल और कला जैसी फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध वर्सटाइल अभिनेत्री त्रिप्ति डिमरी फिल्म एनिमल में अपनी छोटे लेकिन आकर्षक भूमिका के लिए भरपूर तारीफ हासिल कर रही है, खासकर सह-कलाकार रणबीर कपूर के साथ उनकी दिलकश केमिस्ट्री के लिए। डिमरी का ऑन-स्क्रीन करिश्मा जादुई से कम नहीं है, जो दर्शकों को और अधिक के लिए तरसाता है। एनिमल में डिमरी द्वारा जोया का किरदार निभाना कहानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो उनकी वर्सटाइल किरदार और अभिनय कौशल को दशार्ता है। फैंस डिमरी और कपूर के बीच भविष्य में सहयोग का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, और अधिक ऑन-स्क्रीन जादू की उम्मीद कर रहे हैं। सोशल मीडिया तृप्ति डिमरी की तारीफ से भरा हुआ है, जिसमें नेटिजन्स जोया के उनके चित्रण और रणबीर कपूर के साथ उनकी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए अपनी तारीफ व्यक्त कर रहे हैं। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, एनिमल में पहली बार तृप्ति डिमरी को ऑनस्क्रीन देखा। आश्चर्यजनक रूप से कामुक और दिव्य। रणबीर कपूर के साथ शानदार केमिस्ट्री। हम आप दोनों को और आम तौर पर बार-बार देखना चाहेंगे। इंटरनेट पर तृप्ति डिमरी को नई नेशनल क्रश घोषित करने वाले मीम्स, ट्विटर और पोस्ट की बाढ़ आ गई है। एनिमल के ग्रैंड प्रीमियर से उनकी तस्वीरें वायरल हो गई हैं। तृप्ति डिमरी बेहद खूबसूरत दिखती हैं और उनका अभिनय भी बहुत अच्छा है.... और अब मेरे पास एक लिटिल क्रश अपडेट है एनिमल द मूवी के बाद तृप्ति डिमरी को जो प्यार मिल रहा है, वह किसी के बराबर नहीं है। उसके पास कई तेलुगु ऑफर हैं, उसके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स दोगुने हो गए हैं, और वह नई नेशनल क्रश बनने की राह पर है तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता बढ़ रही है, और उनके फैंस को आने वाली फिल्मों का इंतजार है। अभिनेता राज शांडिल्य की विकी विद्या का वो वाला वीडियो और आनंद तिवारी की मेरे मेहबूब मेरे सनम में स्क्रीन की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार हैं, जो दर्शकों को निकट भविष्य में और भी अधिक यादगार परफॉर्मेंस का वादा करेंगे।

अनुष्का सेन ने दी दीपिका और प्रियंका को टक्कर

21 साल की अनुष्का सेन सोशल मीडिया की सबसे फेमस स्टार्स में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग भी बहुत बड़े स्तर पर है। फॉलोअर्स के नाम पर अनुष्का बड़े-बड़े सेलेब्स को मात देती हैं। अब वो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं। अनुष्का के चाहने वाले लाखों में हैं। उनके लगभग 39 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं, जो बहुत ज्यादा हैं और ये सब उन्होंने केवल 21 की उम्र में अचीव किया है। लेकिन जिस चीज ने उन्हें घर-घर में मशहूर बना दिया, वह है इंडस्ट्री में उनके कई प्रोजेक्ट्स। उनके सोशल मीडिया पर ऐसे दिलचस्प कंटेंट हैं जो उनके फैंस को बेहद पसंद आते हैं। अनुष्का सेन ने क्रैश और कई वेब शोज में काम कर नाम कमाया। अनुष्का का टैलेंट केवल यहीं तक नहीं है बल्कि एक्ट्रेस ने पीरियड ड्रामा लिहाफः द क्विल्ट, एम आई नेक्स्ट और कंट्री ऑफ ब्ला-इंड जैसी फिल्मों में भी काम किया है, जिसे ऑस्कर ने इनवाइट किया था। उन्होंने कई फेमस म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया है। अनुष्का जल्द ही अपनी आगामी फिल्म एशिया के साथ साउथ कोरियाई सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं, जहां वह भारत को रिप्रेजेंट करेंगी।वो देश की ग्लोबल स्टार बन गई हैं। वो बॉलीवुड के बड़े नामों दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा जैसी हस्तियों में से एक बन गई हैं। अनुष्का सेन वैश्विक मंच पर भारत का नाम रोशन कर रही हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा पर संकट के बादल

-बॉयकाट ट्रेंड पर असित मोदी ने तोड़ी चुप्पी

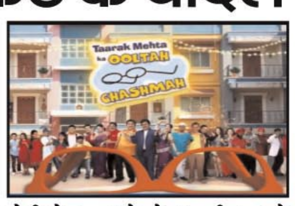

मुंबई (ईएमएस)। बीते कुछ वक्त से तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। शो की पुरानी स्टारकास्ट ने धीरे-धीरे करके सीरियल से किनारा कर लिया और नई स्टारकास्ट को ऑडियंस उतना प्यार नहीं दे पाई। शो में दयाबेन के किरदार में नजर आने वाली एक्ट्रेस दिशा वकानी के जाने के बाद से दर्शक काफी निराश थे और ऑडियंस की मांग को देखते हुए मेकर असित मोदी ने वादा किया था कि दयाबेन के रूप में दिशा वकानी जल्द ही शो में वापसी करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बार-बार शो में दयाबेन की वापसी की बात करने के बाद भी मेकर्स जब अपना वादा पूरा न कर पाए, तो अब दर्शकों के सब्र का बांध टूट गया है और ऑडियंस ने शो को बायकॉट करना शुरू कर दिया है। शो के बहिष्कार की मांग के बीच अब तारक मेहता का उल्टा चश्मा के ऑफ एयर होने की खबरों ने भी खूब जोड़ पक-ड़ा है। शो के बंद होने की चर्चा को तेज होता देख निमार्ता असित मोदी ने खुद सामने आकर इस बारे में बात की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक असित मोदी ने एक स्टेटमेंट जारी कर ये साफ कर दिया है कि ये शो बंद नहीं होने वाला है। रिपोर्ट के अनुसार वह कहते हैं, मैं यहां अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हूं और मैं अपनी ऑडियंस से कभी झूठ नहीं बोलूंगा। कुछ कारण वश हम दया के किरदार को समय पर वापस नहीं ला पाए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उनके किरदार की शो में वापसी नहीं होगी। वह आगे कहते हैं, दयाबेन के किरदार में दिशा वकानी होंगी या कोई और ये आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन मेरा दर्शकों से वादा है कि दयाबेन वापस आएंगी और ता-रक मेहता का उल्टा चश्मा कहीं नहीं जा रहा। बता दें कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा बीते 15 साल से दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहा है और इस शो को ऑडियंस का जबरदस्त सपोर्ट मिला है। तारक मेहता के उल्टा चश्मा के हर किरदार को ऑडियंस ने दिल से अपनाया था।

बेटी के संग जमकर झूमीं ऐश्वर्या, वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर बालीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन और उकनी बेटी की जोड़ी का एक नया वीडियो सामने आया है जिसमें दोनों को जमकर डांस करते देखा जा सकता है। वायरल हो रहे वीडियो में ऐश ब्लैकअनारकली सूट में खूबसूरत लग रही हैं। वहीं आराध्या व्हाइट ड्रेस में प्यारी लग रही हैं। वीडियो मां-बेटी की जोड़ी के बीच के रिश्ते को बयां करता है और वे खुलकर डांस कर रही हैं। वीडियो में ऐश्वर्या अपनी बेटी के साथ डांस कर रही हैं और पीछे उसी में जिनिलिया भी दिखाई दे रही हैं। बता दें कि ऐश्वर्या राय बच्चन अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी मां भी हैं। उन्होंने दोनों एक साथ कई बार स्पॉट होती हैं और लोगों को ये जोड़ी बेहद पसंद भी आती है। ऐश्वर्या अपनी बेटी के बिना किसी फंक्शन में नहीं जाती हैं।

आसिम रियाज ने ब्रेकअप के 24 घंटे बाद किया पोस्ट

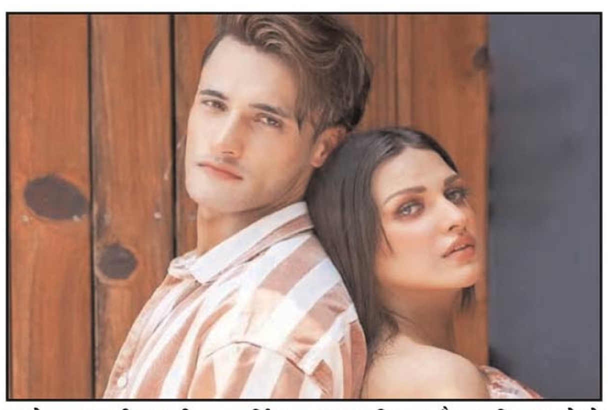

आसिम रियाज ने ब्रेकअप के बाद पहला बयान जारी किया है। दरअसल, बीते दिन हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने और आसिम के अलग होने की जानकारी दी थी। हिमांशी ने लिखा था कि अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं के चलते उन दोनों ने अपने प्यार की कुबार्नी देने का फैसला किया है। इस पोस्ट के सामने आते ही लोग हिमांशी को ट्रोल करने लगे। ऐसे में हिमांशी ने पहले सोशल मीडिया पर अपनी और आसिम की चैट्स शेयर कीं और फिर अपना अकाउंट डिलीट कर दिया। इन सबके बीच आसिम का पोस्ट सामने आया है। आसिम रियाज ने एक्स ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हां! ये सच है कि हमने अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं की वजह से अपने प्यार का बलिदान देने का फैसला किया है। हम दोनों की उम्र 30 साल से ज्यादा है और हमारे पास ये निर्णय लेने का पूरा अधिकार है। इसलिए हमने ये निर्णय लिया। मैं हिमांशी और हमारे अलग-अलग रास्ता का सम्मान करता हूं। आप सभी से अनुरोध है कि हमारी निजता का सम्मान करें।

सुप्रसिद्ध सिने हास्य कलाकार जूनियर महमूद का निधन

मुंबई (ईएमएस)। साठ के दशक के सुप्रसिद्ध सिने हास्य कलाकार जूनियर महमूद उर्फ.नईम सैय्यद का मुंबई में निधन हो गया, वे 67 वर्ष के थे। उनके मित्र सलाम काजी ने बताया कि कैंसरग्रस्त जूनियर महमूद ने खार स्थित घर में गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2.00 बजे अंतिम सांस ली। काजी के अनुसार शुक्रवार दोपहर 12 बजे जूनियर महमूद का सांता क्रूज वेस्ट में अंतिम संस्कार किया जाएगा। बीते दिनों उन्होंने अपने दोस्तों जितेंद्र और सचिन पिलगाउंकर से मिलने की इच्छा जताई थी। उनकी इच्छा पर दोनों कलाकार खास तौर पर उनसे मिलने पहुंचे थे। जूनियर महमूद की हालत देख जितेंद्र की आंखें नम हो गई थीं। लंग्स और लीवर में कैंसर सहित आंत में ट्यूमर से ग्रस्त मेहमूद कैंसर की चौथी स्टेज पर होने से लगातार जीवन से संघर्ष कर रहे थे। बीते कुछ दिनों से वे जीवनरक्षक प्रणाली पर थे। जूनियर महमूद ने 60 और 70 के दशक में अनेक सफल फि ल्मों को अंजाम दिया। अपने दौर के बड़े बड़े कलाकारों के साथ कर एक बाल कलाकार के तौर पर काम कर अपनी अलग पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने अनेक हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने छोटी बहू, प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा जैसी टीवी शोज में भी काम किया था।

सूडोकु नवताल- 6636

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6635 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्दजाल - 7383

शब्दजाल में प्राण की दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उपकार,शराबी,नसीब,हीर रांझा,आदमी, जंजीर,कुर्बानी,धर्मा,गंगा की सौगंध,राम और श्याम

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल - 7382 का हल

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	त्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6336

	1			2		3
5	33	3	35		27	
4		7	5	6	1	
	29		45		33	
	3		7		2	4
2	29	1	33	4	30	5
		5			6	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6335 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	24	1	36	4	30	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

लियोनल मेसी की अर्जेंटीना मुश्किल ग्रुप में कोलंबिया और पैराग्वे से होगी ब्राजील की टक्कर

नई दिल्ली।
दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े टूर्नामेंट कोपा अमेरिका के लिए ड्रॉ जारी कर दिया गया है। अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप ए में जगह मिली है। उसकी नजर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने पर है। कप्तान लियोनल मेसी और उनकी टीम के पास ग्रुप दौर में ही एक बदला लेने का मौका है। अर्जेंटीना के साथ चिली भी ग्रुप ए में है। उसने 2015 और 2016 कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना को हराया था। मेसी इस बार हिसाब बराबर करना चाहेंगे। टूर्नामेंट में 10 दक्षिण अमेरिकी टीमें और कोनकाकैफ क्षेत्र के छह क्वालीफायर शामिल हैं। पिछले साल विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना की टीम 20 जून को अटलांटा में कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी। कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो की टीमें प्लेऑफ में उतरेंगी। दोनों में से किसी एक को टूर्नामेंट में जगह मिलेगी। अर्जेंटीना की टीम इसके बाद 25 जून को न्यू जर्सी में चिली के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप ए में अर्जेंटीना अपना आखिरी मैच वह मियामी में 29 जून को पेरू के खिलाफ खेलेगा।

मैक्सिको ग्रुप बी और उरुग्वे ग्रुप सी में

मैक्सिको की टीम को ग्रुप बी में जगह मिली है। उसके साथ इक्वाडोर, वेनेजुएला और जमैका है। वहीं, ग्रुप सी में उरुग्वे के साथ अमेरिका, पनामा और बोलिविया है। पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील को कठिन ग्रुप में जगह मिली है। उसके साथ ग्रुप डी में कोलंबिया और पैराग्वे जैसी अच्छी टीमें हैं। प्लेऑफ के जरिए कोस्टारिका या हांडुरास की टीम इस ग्रुप से जुड़ेगी।

24 जून को ब्राजील खेलेगा अपना पहला मैच

अगले साल के कोपा अमेरिका को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले 2026 विश्व कप के लिए एक प्रभावी परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है। ब्राजील अपना पहला मैच 24 जून को कोस्टारिका या हांडुरास के खिलाफ खेलेगा। 28 जून को उसका सामना लास वेगास में पैराग्वे से होगा। ग्रुप में ब्राजील का आखिरी मैच 28 जून को कोलंबिया से होगा। टूर्नामेंट के लिए 14 मैदानों का इस्तेमाल किया जाएगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल नौ और 10 जुलाई को खेला जाएगा। 14 जुलाई को फाइनल मैच का आयोजन होगा।

न्यूज ब्रीफ

आखिर मैनचेस्टर यूनाइटेड को मिली जीत, चेल्सी को हराया; एस्टन विला से हारा मैनचेस्टर सिटी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हैग सत्र की शुरुआत से परेशानियों में घिरे हैं। न्यूकैसल के हाथों हार के बाद उनकी बर्खास्तगी की मांग ने और जोर पकड़ लिया। वहीं गत विजेता मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गॉर्डियोला ने कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि उनकी टीम लगातार चौथे खिताब के लिए जल्द जीत की पटरी पर लौटेगी, लेकिन भाग्य कैसे बदलता है। रेड डेविल्स के नाम से विख्यात मैनेचेस्टर यूनाइटेड ने जहां चेल्सी पर 2-1 से जीत हासिल कर टेन हैग को राहत प्रदान की, वहीं मैनचेस्टर सिटी को एस्टोन विला के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लिश प्रीमियर लीग में दोनों टीमों के बीच सिर्फ तीन अंक का अंतर रह गया है। पिछले चार मैचों से जीत को तरस रही सिटी 30 अंकों के साथ चौथे और यूनाइटेड 27 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। आर्सेनल लूटन पर 4-3 से जीत के बाद सर्वोच्च स्थान पर कायम है। बीते सप्ताह यूनाइटेड को न्यूकैसल से हार मिली थी। यह उसकी सत्र की 10वीं हार रही, इसके बाद ही टेन हैग की बर्खास्तगी की मांग ने जोर पकड़ लिया। जीत के बाद टेन हैग ने कहा कि हम एक यात्रा पर हैं, हम शांत हैं और सही दिशा में जा रहे हैं। टेन हैग ने कहा कि उनकी टीम आलोचनाओं से प्रभावित नहीं हो रही है, लेकिन टीम खुद की सबसे बड़ी आलोचक है। वह जानते हैं कि हम अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। हम हमेशा चाहते हैं कि चीजें अच्छी हों। मैक्टोमिने ने खेल के 19वें और 69वें में गोल कर यूनाइटेड को संघर्ष कर रहे चेल्सी पर जीत दिलाई। चेल्सी के लिए 45वें मिनट में कोल पामर ने गोल किया।

मैक्सवेल बांह की चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स मैच से बाहर

ब्रिस्बेन। मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं।

मैक्सवेल को बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 13 के शुरुआती मैच में ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय बांह में चोट लग गई थी। मैक्सवेल के 14 गेंदों पर 23 रन बनाने के बावजूद स्टार्स 103 रनों से हार गए। मेलबर्न स्टार्स ने जारी एक बयान में कहा, मैक्सवेल को ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी और वह तुरंत अपना पुनर्वास शुरू करेंगे। ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ गेंदबाजी करते समय पिंडली की चोट के नुकसान का पता लगाने के लिए नाथन कूल्टर-नाइल का इस सप्ताह के अंत में स्कैन किया जाएगा। क्लब स्कॉर्चर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले एक और अपडेट प्रदान करेगा। मैक्सवेल को हीट के खिलाफ मैच के दौरान दो बार चिकित्सा सहायता प्राप्त हुई, उनके अग्रबाहु को लपेटा गया था, और बाद में गाबा में आउट होने के बाद उन्हें डगआउट में बर्फ लगाते हुए दिखाया गया था। मैक्सवेल की अनुपस्थिति में शुरुआती बल्लेबाजी के रूप में मार्कस स्टोइनिस को अधिक भार उठाना होगा क्योंकि स्टार्स के पास प्रमुख स्पिन-गेंदबाजी विकल्प नहीं होगा।

शेन वॉटसन बने क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शेन वॉटसन क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच बन गए हैं।

जानकारी के अनुसार वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी संस्करण के लिए क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए है। फ्रेंचाइजी ने इसकी घोषणा कर दी है। घोषणा में टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद से ग्लेडियेटर्स का पहला कोच परिवर्तन देखा गया, क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मोइन खान, जिन्होंने आठ साल तक कोच के रूप में कार्य किया, को टीम निदेशक की भूमिका में पदोन्नत किया गया। टीम के मालिक नदीम उमर ने टीम के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि शेन संन्यास लेने से पहले देश की प्रीमियर लीग के शुरुआती सीज़न में क्वेटा ग्लेडियेटर्स की सफलता का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और टीम को प्रशिक्षित करने और उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है जिनके लिए हम प्रसिद्ध हैं। गौरतलब है कि वॉटसन का ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में शानदार करियर रहा है, उन्होंने टीम के हिस्से के रूप में 2007 और 2015 में विश्व कप जीता था। 42 वर्षीय वॉटसन ने 2020 में सभी क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह 2022 में अपने पूर्व ऑस्ट्रेलिया टीम के साथी रिकी पोंटिंग के साथ सहायक कोच के रूप में आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए।

मुंबई इंडियंस 3-4 खिलाड़ियों को चुनेगी और भविष्य के लिए उनके कौशल का विकास करेगी : डब्ल्यूवी रमन

मुंबई।
महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शनिवार को होने वाली नीलामी से पहले, भारत की महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन का मानना है कि गत चैंपियन मुंबई इंडियंस तीन-चार खिलाड़ियों को चुनने और उनके कौशल को विकसित करने का लक्ष्य रखेगी जिससे वे लंबे समय तक टीम की सेवा कर सकते हैं। नीलामी से पहले, मुंबई ने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा, जबकि हीथर ग्राहम, धारा गुज्जर, सोनम यादव और नीलम बिष्ट को बाहर कर दिया। उनके पास चार भारतीयों और एक विदेशी के रूप में खिलाड़ियों का स्थान खाली है और उनके पास 2.1 करोड़ रुपये का शेष पर्स है। मुझे लगता है कि वे इस नीलामी का उपयोग निवेश के लिए करेंगे और वे हमेशा की तरह एक हीरे की खोज करेंगे। वे भविष्य के लिए 3-4 खिलाड़ियों को चुनेंगे और उनके कौशल का विकास करेंगे ताकि वे आने वाले वर्षों में उनकी सेवा कर सकें। रमन ने जियोसिनेमा पर कहा, वे युवा भारतीय खिलाड़ियों की तलाश करेंगे क्योंकि वे जानते हैं कि टूर्नामेंट जीतने के लिए आपकी टीम में एक मजबूत भारतीय दल होना चाहिए। उन्होंने देखा है कि यह पुरुषों के क्षेत्र में उनके लिए काम करता है। भारत की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि मुंबई का लक्ष्य एक लेग स्पिनर और एक ऑलराउंडर खरीदना है जो फिनिशर की भूमिका निभा सके। आप अपना केंद्र रखना चाहते हैं और उस पर निर्माण करना चाहते हैं। वे बहुत जागरूक हैं. मैंने जो छोटी-मोटी बातचीत की है, वे एक लेग स्पिनर की तलाश में हैं। साथ ही, एक ऑलराउंडर बल्लेबाज भी है जो इस भूमिका में विस्फोटक फिनिशर हो सकता है। नैट-शिवर ब्रंट के बाद अमेलिया केर के आने से उनके पास एक अच्छी बल्लेबाजी लाइन-अप है। लेकिन अगर आपको सिमरन शेख और सिमरन बहादुर जैसी कोई भारतीय भर्ती मिल जाए, तो इससे मदद मिलेगी। यहीं पर वे जिंतिमनी कलिता और अमनजोत कौर के साथ मजबूत हो सकते हैं, सभी एक जैसी ऑलराउंडर हैं। उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स के पास 2.25 करोड़ रुपये का पर्स शेष है और उसे भरने के लिए तीन स्लॉट हैं, जिनमें से एक विदेशी खिलाड़ी का है। रमन को लगता है कि उनकी नजर तानिया भाटिया के बैकअप

विकेटकीपर पर होगी। वे अच्छी तरह से भंडारित हैं। अगर उन्हें किसी चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है, तो वह एक बैकअप कीपर है। उमा छेत्री दिल्ली कैपिटल्स के रडार पर होंगी. जहां तक टीम का सवाल है, वे सांस रोककर इंतजार कर रहे थे कि मेग लैनिंग कब सेवानिवृत्त होंगी, सोच रहे थे कि क्या वह क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले रही हैं। ऐसा नहीं लगता, इसलिए यह उनके लिए राहत की बात है। दूसरी ओर, अंजुम को लगता है कि यूएसए की ऑलराउंडर तारा नॉरिस को जाने देने के बाद वे अधिक भारतीय खिलाड़ियों या किसी अन्य सहयोगी खिलाड़ी को भर्ती करने का लक्ष्य रखेंगे। क्योंकि उन्होंने तारा नॉरिस को रिलीज़ कर दिया है, उनकी नज़रें निश्चित रूप से एक अन्य सहयोगी खिलाड़ी पर टिकी हैं। यदि उन्हें किसी प्रतिभा में निवेश करना है, तो वे भविष्य के निर्माण के लिए अधिक समय वाली भारतीय प्रतिभा को अपनाना पसंद करेंगे। कुछ भारतीय बल्लेबाज जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जैसे वृंदा, उमा छेत्री और सुषमा, एक विकेटकीपर बल्लेबाज, जो आ सकते हैं, इसलिए निवेश यहीं होना चाहिए। लेकिन अगर उन्हें नीलामी में पैसा मिल सकता है, तो क्यों नहीं यूपी वारियर्स के पास 4 करोड़ रुपये का पर्स शेष है और उसे भरने के लिए पांच स्लॉट हैं, जिनमें से एक विदेशी खिलाड़ी होना चाहिए। रमन को लगता है कि वे भारतीय खिलाड़ियों को साइन करने के बाद भी जाएंगे क्योंकि टीम के पास विदेशी विकल्पों का अच्छा भंडार है। समस्या यह है कि उनके पास पहले से ही पांच विदेशी खिलाड़ी हैं, उनके पास एक और के लिए जगह है। तो वे किसे लाने जा रहे हैं इन पांच में से कौन सी चार खेलेंगी , यह तय करना उनके लिए समस्या है। जहां तक विदेशी खिलाड़ियों का सवाल है तो इससे उनके पास बहुत कम जगह बचती है, इसलिए उन्हें वास्तव में भारतीय खिलाड़ियों पर भरोसा करना होगा। अंजुम को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को आउट करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अमांडा-जेड वेलिंगटन उनके लिए अच्छी पसंद हो सकती हैं, जिन्हें पिछले सीजन में पर्याप्त खेल का समय नहीं मिला था। मुझे नहीं लगता कि वह (शबनीम इस्माइल) वास्तव में वहां रहना चाहती थी। लेकिन ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला. शबनीम इस्माइल जैसा खिलाड़ी हर खेल में आउट होना चाहता है। वह वर्षों से दक्षिण अफ्रीकी टीम की अगुआ रही हैं, इसलिए जब आप उस रूप में आते हैं, तो आप चाहते हैं कि हर आउटिंग आपकी मूल आउटिंग हो। अब वह रिटायर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय लीगों पर निर्भर है, इसलिए वह डिएंड्रा डॉटिन की तरह बाहर नहीं रहना चाहेगी।

टी20 के कप्तान की रेस में तीन दावेदार खड़े, असमंजस में बीसीसीआई

नई दिल्ली।
इस समय टी20 के कप्तान की रेस में तीन दावेदार खड़े हैं। यही वजह है कि बीसीसीआई इस समय असमंजस की स्थिति में फंस कर रह गई है। बता दें कि हार्दिक पांड्या के जख्मी होने के बाद से बीसीसीआई के सामने टी20 विश्व कप 2024 के लिए कप्तान चुनने की समस्या खड़ी हो गई है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सफेद गेंद क्रिकेट की कमान संभालने से इंकार करने वाले रोहित शर्मा के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने बीसीसीआई से उन्हें टी20 विश्व कप के लिए बतौर कप्तान अपना स्टैंड साफ करने की गुजारिश की है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि रोहित बोर्ड मैंबर्स से जानना चाहते हैं कि अगर उनका नाम बतौर कप्तान लिया जा रहा है तो उन्हें बताया जाए। मगर बीसीसीआई रोहित के एक साल से टी20 क्रिकेट से दूर रहने, हार्दिक पांड्या के चोटिल होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव का बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद आखिरी फैसला नहीं ले पा रही है। बोर्ड ने इससे पहले नई दिल्ली में हुई रिव्यू मीटिंग में रोहित से दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सफेद गेंद की कप्तानी करने को कहा था लेकिन भारतीय दिग्गज ने ब्रेक मांग लिया था। अब जब टी20 विश्व कप से पहले बचे 6 मुकाबलों में भी उनका खेलना संदिग्ध है तो बीसीसीआई पर जल्द से जल्द कप्तान चुनने का दबाव बन गया है। कप्तानी के लिए अब बोर्ड के सामने 3 ही दावेदार हैं। रोहित लंबे समय से टी20 टीम से बाहर हैं। उनकी अनुपस्थिति में भारत ने शीर्ष पर कई युवा खिलाड़ियों को आजमाया। यहां तक कि शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ और इशान किशन ने यहां रोहित की कमी महसूस नहीं होनी दी। हालांकि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सफेद गेंद की सीरीज नहीं खेलेंगे। वह 25 जनवरी से हैदराबाद में इंगलैंड के खिलाफ होने वाली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उतरेंगे। इसके कारण उनका अफगानिस्तान के खिलाफ 11 से 17 जनवरी को होने वाली टी20 सीरीज में उतरना मुश्किल है।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे के लिए कीवी टीम का ऐलान

वेलिंग्टन।
न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के साथ शुरु होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तीन नए खिलाड़ियों वाली 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वनडे कप्तान केन विलियमसन, टिम साउदी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे को घरेलू सत्र से पहले आराम दिया गया है। इसकारण टॉम लैथम को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है और इस टीम में तीन नए खिलाड़ियों में ऑलराउंडर जोश क्लाकर्सन, तेज गेंदबाज विल ओ'रूके 'और लेगस्पिनर आदि अशोक को टीम में शामिल किया गया है।

माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम, बेन लिस्टर और हेनरी शिपली चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। ट्रेंट बोल्ट ने खुद को चयन के अलग कर दिया था न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, 'इस साल सर्दियों में क्रिकेट की मात्रा और तीव्रता का मतलब है कि हमें खिलाड़ियों के लिए कार्यभार के साथ संतुलन बनाने की जरूरत है, विशेषकर उन खिलाड़ियों के लिए जो कई प्रारूप खेलते हैं उन्हें संतुलन की आवश्यकता भी होगी और कुछ खिलाड़ियों को उनका पहला कॉल-अप देने में सक्षम होना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा, 'जोश वह व्यक्ति है, जिसने अभी भी युवा होते हुए भी स्टैग्स के लिए 150 से

अधिक मैच खेले हैं, लगातार योगदानकर्ता बनने के लिए बल्ले और गेंद के साथ अपने कौशल को विकसित किया है। वे और विल दोनों अभी भी घरेलू क्रिकेट में नए हैं, लेकिन शुरुआती दौर में प्रभावशाली रहे हैं इस साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड 17 दिसंबर को बंगलादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मैच खेलेगा। दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 20 दिसंबर को नेल्सन में और तीसरा 23 दिसंबर को नेपियर में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम : टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक (दूसरे और तीसरे मैच के लिए), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लाकर्सन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (पहले मैच) और विल यंग।

जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच पहले टी20 में रोमांच की हदें हुई पार, आखिरी ओवर में गजब का ड्रामा

नई दिल्ली।
जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच हरारे में बेहद रोमांचक पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला गया। सिकंदर रजा के नेतृत्व वाली जिम्बाब्वे ने आखिरी गेंद पर एक विकेट से मुकाबला जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। जिम्बाब्वे की टीम मैच में 148 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। 19वां ओवर आयरलैंड के मार्क एडेर ने डाला, जिन्होंने ओवर में केवल 4 रन दिए और दो विकेट लिए। इस तरह 19 ओवर के बाद जिम्बाब्वे का स्कोर 139/8 हो गया था। मेजबान टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 9 रन की दरकार थी। आयरलैंड के लिए आखिरी ओवर की जिम्मदारी बैरी मैकार्थी ने संभाली।

आखिरी ओवर का रोमांच

20वें ओवर की पहली गेंद - मैकार्थी टू जीवांदू, कोई रन नहीं। ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गति की लेंथ गेंद डाली। बल्लेबाज शॉट जमाने से चूका।

दूसरी गेंद - मैकार्थी टू जीवांदू, 2 रन। धीमी गति की ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ गेंद। बल्लेबाज ने गेंदबाज के सिर के ऊपर से शॉट खेला और दो रन पूरे किए। अब जिम्बाब्वे को जीत के लिए 4 गेंदों में सात रन की जरूरत।

तीसरी गेंद - मैकार्थी टू जीवांदू, 1 रन। लेंथ बॉल पर क्रॉस शॉट खेला। गेंद सीधे डीप मिडविकेट के फील्डर के पास गई। 1 रन पूरा किया। अब 3 गेंदों में जीत के लिए 6 रन की जरुरत। टेंशन का माहौल बना हुआ है।

और पलट गया मैच

चौथी गेंद - मैकार्थी टू एनगरावा, 4 रन। मिडिल और लेग स्टंप लाइन पर गेंद देखकर एनगरावा ने लेग साइड में चौका जमा दिया। हरारे में फैंस में जान फूंक दी। अब जिम्बाब्वे को जीत के लिए 2 गेंदों में 2 रन की जरूरत।

पांचवीं गेंद - मैकार्थी टू एनगरावा, विकेट। मार्क एडेर ने खेल के सबसे शानदार कैचों में से एक लपका। मैकार्थी ने धीमी गति की गेंद ऑफ स्टंप के बाहर डाली, जिस पर एनगरावा ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया। गेंद उनके बल्ले के बाहरी हिस्से पर लगकर शॉर्ट थर्ड मैन की दिशा में गई। मार्क एडेर ने दौड़कर आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। रिचर्ड एनगरावा ने 4 गेंदों में एक चौके की मदद से 5 रन बनाए। जिम्बाब्वे को जीत के लिए 1 गेंद में दो रन की दरकार और उसके पास एक विकेट बचा है।

आखिरी गेंद, जिसने बढ़ा दी दिल की धड़कनें - ब्लेसिंग मुजरबानी क्रीज पर आए। वो सहमे हुए से नजर आए। दबाव मुजरबानी के चेहरे पर नजर आया। आयरलैंड खेमा भी चिंता से भरा हुआ लगा। अब मैकार्थी आखिरी गेंद लेकर दौड़ने को तैयार।

छठी गेंद - मैकार्थी टू मुजरबानी, 2 रन। बल्ले का अंदरूनी भाग लगा, टकर को मात दी, जिम्बाब्वे जीत गया। हरारे में माहौल जबरदस्त खुशनुमा। मैकार्थी ने ऑफ स्टंप के काफी बाहर गेंद डाली। मुजरबानी ने लंडा शॉट खेलना चाहा, लेकिन गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी हिस्से से लगकर दूसरी तरफ चली गई। विकेटकीपर ने डाइव लगाई, लेकिन गेंद उनसे दूर रही।

आपको हमेशा खुद को एक मौका देना होगा: राफेल नडाल

नई दिल्ली।
स्पेनिश टेनिस के दिग्गज राफेल नडाल अपने बाएं पैर में इलियोपोसा की चोट के कारण एक साल तक प्रतियोगिता से दूर रहने के बाद नए साल में एक्शन में वापसी करने के लिए तैयार हैं, और उनका लक्ष्य 29 दिसंबर से शुरू हो रहे ब्रिस्बेन में एटीपी 250 में पेशेवर टूर्नामेंट के जरिये टेनिस में वापसी करना है। अक्टूबर में शुरू हुई तैयारी के दौर के बीच, फ्रांसीसी सनेक्स्टजेनएटीपी स्टार आर्थर फिल्स के साथ कुवैत में आने वाले दिनों में काम जारी रहेगा, स्पैनियार्ड एटीपी टूर पर लौटने से पहले अपने विचारों को ईमानदारी से साझा करने के लिए उत्सुक था। प्रशंसकों के लिए संदेश में नडाल ने एटीपी से कहा, मैंने कई बार सोचा कि इसका कोई मतलब नहीं है, जिनका आखिरी मैच पिछले जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में था। अंत में, कई वर्षों, कई घंटों का काम रहा जिसका मुझे कोई परिणाम नहीं मिला। मैं अब भी उस बात पर विश्वास करता हूं जो मैंने पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी कि मैं प्रेस रूम में अपने खेल करियर को समाप्त करने के लायक नहीं हूं। मैं एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहूंगा, और मैंने संघर्ष किया है और ऐसा होने का भ्रम बनाए रखा

है, संदेह के साथ, बुरे क्षणों के साथ, बहुत बुरे या बेहतर क्षणों के साथ। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन, जिन्होंने रौलां गैरो से पहले अपना 2023 सीज़न समाप्त करने का फैसला किया था, उनके लिए यह साल उनकी आदत से बिल्कुल अलग रहा है। बड़े मंचों से दूर, प्रतिस्पर्धा के तनाव से दूर, उन्होंने हर समय सर्वोत्तम निर्णय लेने के लिए अपने आप को अपने ही लोगों से घिरा रखा। उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि मेरे आस-पास सही लोग हैं, जैसा कि मेरे पूरे करियर में हमेशा रहा है। परिवार, टीम, दोस्त, मुझे लगता है कि मैं आज जहां हूं वहां पहुंचने में सभी ने निर्णायक रूप से मेरी मदद की है, जो प्रतिस्पर्धा में लौटने के विकल्प के साथ है। जो लोग मुझे दोबारा खेलते हुए देखना चाहते हैं उनकी इच्छा का भी मेरे दिन-प्रतिदिन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। मैलोरकन प्रतिस्पर्धा में वापसी को लेकर सतर्क है, यह मानते हुए कि यह पहले कदम से ज्यादा कुछ नहीं है। अगला कदम यह देखना होगा कि उसका शरीर परीक्षण के लायक है या नहीं। नडाल ने रेखांकित किया, यह एक वास्तविकता है, कई संभावनाएं हैं कि यह मेरा आखिरी साल होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। संभावना है कि यह केवल आधा साल ही हो सकता है। संभावना है कि इसमें पूरा एक साल लग सकता है. ऐसी संभावना है कि हम उन सब तक नहीं पहुंच पाएंगे। ये ऐसी बातें हैं जिनका जवाब दे पाने की क्षमता अभी मुझमें नहीं है. मैं केवल यह कहने की स्थिति में हूं कि मैं प्रतिस्पर्धा में लौटूंगा। इस बात की बहुत संभावना है कि यह मेरा आखिरी साल है और मैं इस तरह से टूर्नामेंटों का आनंद लेने जा रहा हूं। अतिरिक्त प्रोत्साहन वाले सीज़न में, जैसे कि पेरिस में 2024 ओलंपिक खेल, जहां टेनिस रौलां गैरो की मिट्टी पर होगा, स्पैनियार्ड ने बस आशा का संदेश भेजा है। केवल समय ही उनके द्वारा लिए गए निर्णयों की सीमा तय करेगा, जिसमें करियर के अंत का समय भी शामिल है जो आधुनिक खेल के इतिहास में पहले ही दर्ज हो चुका है। उन्होंने समझाया, मैं इसकी घोषणा नहीं करना चाहता क्योंकि अंत में मुझे नहीं पता कि क्या हो सकता है और मुझे खुद को एक भी बात न कहने का मौका देना होगा और फिर मैंने जो कहा है उसका गुलाम बन सकता हूं। मुझे लगता है कि यह ऐसा ही होने वाला है, लेकिन मैं 100 प्रतिशत निश्चित नहीं हो सकता क्योंकि अंत में मैंने प्रतिस्पर्धा में वापस आने के लिए बहुत काम किया है और अगर अचानक चीजें और मेरा शरीर मुझे जारी रखने की अनुमति देता है और मैं जो करता हूं उसका आनंद लेता हूं मैं कोई समय सीमा क्यों निर्धारित करने जा रहा हूँ।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के खिलाड़ी ने की भविष्यवाणी, कहा- यह टीम वनडे से टी20 में बेहतर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले बड़ा बयान दिया है। मोईन अली ने टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को डिफेंड करने के लिए इंग्लैंड टीम का समर्थन किया। मोईन अली ने अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट के दौरान कहा कि इंग्लैंड वनडे की तुलना में टी20 प्रारूप में बेहतर टीम है। बता दें कि वनडे में इंग्लैंड का खराब प्रदर्शन अभी खत्म नहीं हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा। 325 रन का स्कोर खड़ा करने के बाद इंग्लैंड ने खराब गेंदबाजी की और 4 विकेट से मैच हार गया। हालांकि, सीरीज के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने वापसी की और धमाकेदार जीत दर्ज की। वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच शनिवार 9 दिसंबर को खेला जाएगा। गौरतलब हो कि हाल ही समाप्त हुए वनडे वर्ल्ड कप 2023 में इंग्लैंड टीम बेहद खराब प्रदर्शन रहा। इंग्लैंड प्वाइंट्स टेबल में 7वें स्थान पर रहा। गत चैंपियन टीम में शामिल जॉनी बेयरस्टो, जोस बटलर और क्रिस वोक्स सहित शीर्ष खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन करने में असफल रहे।

सुझाव

इन बातों के लिए बच्चों को कहना चाहिए ना

पैरेंट्स बनना अपने आप में कई तरह की जिम्मेदारियां लेकर आता है वहीं बच्चों को न कहना सबसे मुश्किल काम है। लेकिन कभी-कभी उनकी भलाई के लिए आपको ऐसा कहना पड़ता है खासकर मामला जब उनकी हेल्थ का हो। यहां कुछ ऐसी ही सिचुएशंस हैं जब उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आपको उनको न कह देना चाहिए...

टाइम से सोना और जागना

चाहे छुट्टियां हों या स्कूल के दिन, सोने के समय को लेकर आपको सख्त होने की जरूरत है। अगर आपका बच्चा आधी रात के बाद काफी एनर्जी में दिख रहा है तो आपको ये बताने की जरूरत है कि खेलने का वक्त निकल चुका है ताकि वह टाइम से सो और जाग सके। आखिरकार इनफेक्शंस से बचने के लिए पर्याप्त नींद की भी जरूरी है।

न छोड़ने दें खाना

नियमित अंतराल पर खाना खाना डाइजेशन और शरीर को मजबूत करने के लिए जरूरी होता है। अगर आपका बच्चा कुछ खाने से परहेज करता है तो उसे आराम से मनाएं। नाश्ता खासतौर पर बहुत जरूरी है। इसे न लेने पर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता।

हाइजीन का रखें ध्यान

खाने से पहले साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। वॉशरूम जाने के बाद भी हाथ धोने की आदत डालें। खेलने के बाद बच्चा सीधे खाने के लिए बैठ जाए तो न कहने पर अपराध बोध न करें।

विडियो गेम कम एक्सर्साइज ज्यादा

बच्चे को आईपैड देने और विडियो गेम खेलने का समय निश्चित कर दें। इसके साथ ही उन्हें बाहर निकलकर फिजिकल एक्टिविटी या कोई खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सर्दियों में ठंड से बचें और स्टाइलिश भी दिखें

अगर आपको लगता है कि सर्दियां आते ही सारा फैशन खत्म हो जाता है और स्वेटर-जैकेट के नीचे स्टाइल दब जाता है तो आप गलत हैं। आज हम आपको बता रहे हैं 6 टिप्स ऐंड ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल कर आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए और स्टाइल से कॉम्प्रमाइज किए बिना ठंड से भी बचेंगी और स्टाइलिश भी दिखेंगी। आगे की स्लाइड्स में जानें कैसे...

हर वक्त काम आते हैं मोजे

अब वो जमाना नहीं रहा जब मोजा सिर्फ जूते के साथ पहनने के लिए एक सहायक वस्तु हुआ करता था। अब मार्केट में एक से बढ़कर एक क्यूट और फंकी मोजे आ गए हैं इसलिए इन्हें न पहनने की आपके पास कोई वजह नहीं है। इस तरह के फंकी मोजे आपकी खूबसूरती भी बढ़ाएंगे और आपके पैरों को भी गर्म रखेंगे। सिर्फ जूते ही क्यों आप चाहें तो सैंडल्स के साथ भी मोजे पहन सकती हैं। हाई फैशन रनवे मॉडल्स से लेकर स्ट्रीट स्टाइल स्टार्स तक इस बात के सबूत हैं कि अगर ढंग से स्टाइल किया जाए तो सैंडल के साथ भी मोजे का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

टर्टलनेक है बेस्ट

इन सर्दियों में टर्टलनेक को अपना बेस्ट फ्रेंड बनाएं। आपके वॉरड्रोब में टर्टलनेक वाले कपड़े होने ही चाहिए क्योंकि ये आपको सर्दियों में गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक भी देते हैं। आप चाहें तो इसे अपने हिसाब से सैकड़ों तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लैंकेट स्कार्फ

शायद आपको यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच है कि आप ब्लैंकेट यानी कंबल ओढ़कर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इन दिनों ब्लैंकेट स्कार्फ फैशन में बना हुआ है। इनके इस्तेमाल से आपको काफी गर्मी महसूस होगी। कई बार हम सर्दियों में यह सोचकर पुराने कपड़े पहन लेते हैं कि ऊपर से तो स्वेटर या जैकेट पहनना ही है। अगर आपने भी ऐसा कुछ प्लान किया है तो यह ब्लैंकेट स्कार्फ आपके पुराने आउटफिट को छिपाने में मदद करेगा। साथ ही अगर आपको नींद आ रही हो तो आप इसे ओढ़ भी सकती हैं।

डेनिम के नीचे टाइट्स

अगर आपने गर्मी के मौसम में कटी-फटी, रग्ड या डिस्ट्रेस्ड जींस खरीदी थी तो यकीन मानिए यह जींस सर्दी के मौसम में भी बर्बाद नहीं होगी। बस आपको करना यह है कि एक अच्छा सा वॉर्म टाइट्स खरीद लें और इसे जींस के नीचे पहनें। ये टाइट्स न सिर्फ आपको ठंड से बचाएंगे बल्कि आपके आउटफिट को अलग अंदाज भी देंगे।

स्वास्थ्य

माथे के इस प्वाइंट को दबाएं, हैल्थ प्रॉब्लम से राहत पाएं

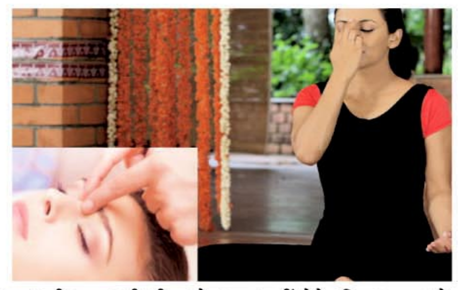

महंगाई के दौर में हर कोई अपने काम में मशरूफ है। रोजाना दफ्तर में घंटों स्क्रीन के सामने बैठकर काम कर पाना काफी मुश्किल है। ऐसे में हम लोग अपने खान-पान की तरफ भी ठीक से ध्यान नहीं देते, जिस वजह से अक्सर सिर दर्द और अन्य शिकायत रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनके लगातार सेवन से अपनी ही सेहत को नुकसान पहुंचता है। आज हम आपको साधारण तरीका बताएंगे, जिसको ट्राई करने से सिर दर्द से लेकर सभी छोटी-मोटी प्रॉब्लम दूर होती है।

बेहतर रक्तसंचार

भौहों को दबाने से टेंशन, गैस्ट्रिक समस्या जैसी समस्या दूर होती है। ब्लड सकरुलेशन भी बेहतर रहता है। भौहों को दबाने से शरीर में हैप्पी हर्मोन्स रिलीज होता है, जिससे तनाव दूर रहता है।

याददाश्त तेज

ऐसा करने से याददाश्त तेज होती है। इस प्रक्रिया को बच्चों से भी करवाए, क्योंकि यह उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

थकान कम होना

भौहों के बीच से माथे को दबाने से थकान की समस्या भी दूर होती है। अगर आपको ऑफिस के कारण थकान रहती है तो आप इस प्रक्रिया को ऑफिस में बैठे-बैठे भी कर सकते है।

आंखों को आराम

लगातार किसी काम पर आंखे गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी बोझ बढ़ जाता है, जिससे आंखे दर्द होने लगती है। आंखों आराम देने के लिए अपने माथे को उंगलियों की मदद से दबाएं। काफी आराम मिलेगा।

भौहों के बीच वाला प्वाइंट दबाएं

अगर आप अक्सर सिर दर्द से परेशान रहते है तो दोनों भौहों के बीच मौजूद प्वाइंट को उंगलियों की मदद से लगभग 45 सैकेंड तक दबाएं। भौहों के बीच वाले हिस्से को दबाने से अलग किस्म की ऊर्जा पैदा होती है, जिससे सिर दर्द की समस्या झट से गायब हो जाती है। इसके अलावा इससे कई प्रकार की समस्याएं दूर होती है।

एलोवेरा लगा सकता है आपकी खूबसूरती में चार चांद, जानें कैसे

दिल्ली और एनसीआर में हर तबका एयर पोल्यूशन और धुंध की समस्या से परेशान है. ऐसे में अगर एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधों की संख्या बढ़ाई जाए तो कुछ हद तक धुंध से निजात मिल सकती है. शांति आश्रम के प्रमुख स्वामी पद्मा प्रकाश ने कहा, 'एलोवेरा कार्बनडाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है. ऐसा माना जाता है कि एलोवेरा का एक पौधा नौ एयर प्यूरीफायर के बराबर होता है.

एलोवेरा को आयुर्वेद में संजीवनी कहा जाता है. इसमें अमीनो एसिड की मात्रा भरपूर रहती है और विटामिन 12 की मौजूदगी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है. एलोवेरा त्वचा की देखभाल से लेकर बालों की खूबसूरती तक और घावों को भरने से लेकर कैंसर से निजात पाने तक, हर परेशानी से राहत देता है.

एलोवेरा कुछ समस्याओं में ज्यादा कारगर है. यहां एलोवेरा के कुछ उपाय बताए जा रहे हैं.

आंखो की जलन को करें छू-मंतर: ज्यादातर देखा गया है कि कंप्यूटर के सामने घंटों बैठे रहने पर, टीवी को लगातार देखने पर या नींद पूरी न होने पर आंखों की समस्या पैदा हो जाती है. ऐसे में दो चम्मच एलोवेरा जेल को पानी में मिलाएं और इससे आंखों को धो लें. ऐसा करने से आंखों को आराम मिलेगा, साथ ही जलन से छुटकारा मिलेगा.

पिंपल्स और टैनिंग को करें दूर: आप अगर एलोवेरा के ज्यूस का सेवन करते हैं तो आप पिंपल्स व पिंपल्स के दागों से दूर रहते हैं. साथ ही टैनिंग की समस्या से भी मुक्ति पा सकते हैं.

जख्म भरे: अगर आपको कोई चोट लगी हुई है, या कोई घाव है, या फिर किसी कीड़े ने काट लिया है, तो होने वाली जलन से राहत पाने के लिए एलोवेरा का सेवन जरूर करें. ऐसा करने से आपके जख्म जल्दी भरेंगे.

झड़ते बाल व डैंड्रफ से छुटकारा: आजकल अधिकर लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो झड़ते बाल से निजात पाने के लिए रास्ता ढूंढ़ रहे होंगे. ऐसे में आप अपने कंडिशनर में केवल दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अगर बालों में लगाते हैं तो आप देखेंगे कि बालों में चमक के साथ-साथ मजबूती भी आ जाएगी.

जोड़ों के दर्द होंगे बंद: अगर आप जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो आप ताजा एलोवेरा जेल को जोड़ों पर लगाएं. आपको दर्द से राहत जरूर मिलेगी.

मोटापे से छुटकारा- कसरत व डाईट चार्ट को फालो करते-करते थक गए हैं तो अब आप एलोवेरा का सेवन करें. यह औषधि आपको प्राकृतिक रूप से वजन घटाने में आपकी सहायता करेगी.

साइनस से रहे दूर : अधिकांश लोगों को इस तरह की समस्या सर्दियों में बढ़ जाती है. ऐसे में दवाई लेना मजबूरी हो जाती है. यदि आप एलोवेरा का सेवन करते हैं तो साइनस की समस्या से दूर रह सकते हैं.

दांतों की देखभाल: दातों में होने वाली समस्या जैसे कैविटी, दाग-धब्बे, मसूड़ों में दर्द आदि को एलोवेरा से दूर किया जा सकता है. सबसे बड़ी बात यह कि आप हमेशा फ्रेश रहते हैं.

एलोवेरा एक एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर शरीर में होने वाली बीमारियों के खिलाफ एक कवच प्रदान करता है.

चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा जब उठाएंगे ये कदम

हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे हर उतार के साथ आती हैं उससे जुड़ी चिंताएं। कुछ लोग इन चिंताओं से बच निकलते हैं, जबकि कई इन चिंताओं में ही घुले जाते हैं। कई बार तो ऐसा भी होता है कि मूल समस्या आपका उतना नुकसान नहीं करती, जितना कि उसे लेकर की गई चिंता कर देती है। माना कि चिंता से पूरी तरह दूर रहना लगभग असंभव है मगर कुछ बातों का खयाल रखकर आप अपनी चिंताओं पर लगाम लगा सकते हैं। इनमें तीन बातें प्रमुख हैं-

सूची बनाकर विश्लेषण करें

आपने सुना होगा कि अगर कोई बच्चा इस बात से डरा हुआ है कि उसके बिस्तर के नीचे राक्षस है, तो उसे एक बार बिस्तर के नीचे झांककर देखने के लिए राजी करना चाहिए। जब वह देख लेगा कि वहां ऐसा कुछ नहीं है, तो उसका डर और चिंता जाती रहेगी। यही

सिद्धांत बड़ों पर भी लागू होता है। क्यों न आप कागज-कलम लेकर सूची बना डालें कि आपको आखिर कौन-सी चीजों की चिंता खाए जा रही है? फिर, उसे गौर से पड़े और विश्लेषण करें कि क्या वाकई ये इतनी चिंता करने लायक बातें हैं? हो सकता है कि इस प्रकार विश्लेषण करने पर आपको लगे कि इसमें चिंता करने लायक कोई बात ही नहीं थी। और अगर बात वाकई गंभीर है, तो फिर ठंडे दिमाग से समस्या का समाधान सोचें।

लिख डालें

अपनी चिंता के बारे में लिख लेने से एक फायदा यह होता है कि आपका दिमाग लगातार उसके बारे में सोचते रहने से मुक्त हो जाता है। कई मनोवैज्ञानिक बता चुके हैं किसी डर या चिंता को कागज पर लिख लेने से उसे दूर करने में मदद मिलती है। इससे तनाव कम होता है।

अपने दिमाग को पहचानें

यह सच है कि हमारे मस्तिष्क की कार्यशैली बड़ी जटिल है लेकिन इसे समझने की कोशिश हम नहीं करेंगे, तो भला कौन करेगा? इसलिए, यदि आप चिंता करने के आदी हैं, तो पहले यह समझने का प्रयास करें कि आपका दिमाग कब, किस तरह से काम करता है और क्यों। दिमाग की चिंता करने की फितरत पर काबू पाना है, तो इसकी कार्यशैली को समझना बहुत जरूरी है। याद रहे, यदि आप अपने दिमाग के काम करने के तरीकों को समझ लेंगे, तो खुश व तनावमुक्त रहने के तरीके भी खोज सकेंगे। वह यूं कि यदि आपने अपने दिमाग की कार्यशैली को समझ लिया, तो जैसे ही वह चिंता करना शुरू करेगा, आप उस पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर सकते हैं।

कई बार हमें पता ही नहीं चलता कि कब चिंता का कीड़ा हमारे मस्तिष्क में प्रवेश कर गया और जब तक पता चलता है, तब तक बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है। इसलिए बात बढ़ने से पहले ही यदि समस्या को रोकना चाहते हैं, तो समय निकालकर अपने मस्तिष्क को जानने-समझने की कोशिश करें।

जींस खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप हर दिन जींस पहनना पसंद करती हैं आपको एक ऐसी जींस चाहिए जो कंफर्टेबल होने के साथ ही टिकाऊ भी हो। साथ ही जींस का लुक भी अच्छा होना बेहद जरूरी है। कई बार जींस खरीदते वक्त हम कंफ्यूजन में रहते हैं कि हमें जींस में कंफर्ट लेवल देखना चाहिए या लुक... हम आपको बता रहे हैं कि जींस खरीदते वक्त आपको किन 5 बातों का ध्यान रखना चाहिए...

कपड़े की क्वॉलिटी

जींस खरीदते वक्त फैब्रिक पर खास ध्यान दें। जींस खरीदते वक्त जल्दबादी बिलकुल न करें बल्कि जींस को अच्छी तरह से छूकर देख लें ताकि आपको कपड़े की क्वॉलिटी के बारे में पता चल जाए। साथ ही जींस खरीदते वक्त उसके ब्रैंड के बारे में भी जरूर जान लें।

कितनी मात्रा में है कॉटन

जींस खरीदने से पहले लेबल जरूर जांचना चाहिए ताकि जींस में डेनिम यानी कॉटन की मात्रा पता कर सकें। कई बार जींस में खिंचाव बढ़ाने के लिए उसमें डेनिम के साथ लाइक्रा भी मिला दिया जाता है। यदि आपकी जींस में डेनिम का प्रतिशत 90 से 100 न हो, तो वो आरामदायक नहीं होगी और उसकी फिटिंग भी अच्छी नहीं होगी।

कुछ नया ट्राई करें

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर हमेशा एक जैसी जींस खरीदने की बजाए कुछ नया ट्राई करने की कोशिश करें। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा एक जैसी जींस ही पहनते और खरीदते हैं जिससे उन्हें नए फैशन के बारे में पता नहीं चलता।

अकेजन का रखें ध्यान

जींस खरीदने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि आप किस उद्देश्य से जींस खरीद रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के तौर पर पहनने के लिए या दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने के लिए। अगर ऑफिस के लिए जींस खरीद रही हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए और अगर घूमने फिरने के मकसद से खरीद रही हैं तो आप स्लिम फिट या डिजाइनर जींस भी खरीद सकती हैं।

रेसिपी

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

गुड़- 250 ग्राम

पफ्ड राइस- 100 ग्राम

पानी- जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

मैंगो केक

सामग्री

250 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बटर, 4-5अंडे,2 चम्मच बेकिंग पाउडर, 200 ग्राम चीनी, 1 कप मैंगो प्यूरी,1 चम्मच मैंगो एसेंस, 2-3 आम, 3 कप क्रीम ।

विधि

सबसे पहले ओवन को 150 डिग्री पर गर्म करें। अब 1 बॉउल में अंडा और बटर अच्छे से फेंट लें फिर इसमें 5 चम्मच चीनी, नमक, मैंगो प्यूरी और मैंगो ऐसेंस मिला कर 5 मिनट के लिए रख दें। अब एक बर्तन में मैदा और बेकिंग पाउडर लें और उसमें तैयार अंडे की पूरी सामग्री को मिला कर 2 मिनट के लिए अलग रखें। फिर बेकिंग पैन में केक की तैयार सामग्री डालें और गरम ओवन में रखें। इसको 35 से 40 मिनट तक के लिये बेक होने दें। अब चीनी और क्रीम को 1 बॉउल में अच्छे से फेंट लें। जब केक बन जाए तब उसकी पूरी साइड को क्रीम से कवर करें और केक को आम के टुकड़ों से सजाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**